www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार, 17 मई, 2025 | वर्ष-18 | अंक-41 | पृष्ठ-10 | मूल्य - 3.00 रुपए

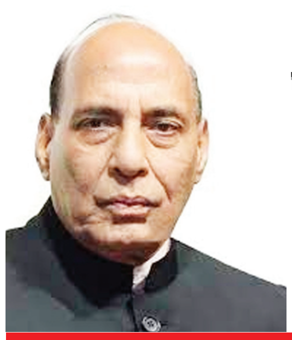

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ : राजनाथ 02

■ छोटे व मझौले व्यापारियों का हो पुनरुत्थान : कांग्रेस
■ राष्ट्र प्रथम अभियान वीर सैनिकों के प्रति श्रद्धांजलि... 03

■ पुतिन और जेलेंस्की नहीं होंगे मौजूद
■ एआई फोटो को आधार बनाकर दी थी झूठी जानकारी 07

फिल्म इंडस्ट्री में पहले मुझे पुरुषों से कम मिला 10

अब मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने दिया विवादित बयान

सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक

- विवाद बढ़ने के बाद जगदीश देवड़ा ने सफाई दी
- बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही कांग्रेस

जबलपुर, 16 मई (देशबन्धु)। मध्यप्रदेश में मंत्री विजय शाह के बाद अब उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित बयान दिया है। देवड़ा ने शुक्रवार को जबलपुर में कहा, प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देना चाहेंगे...और पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक...उनके चरणों में नतमस्तक है।

वे यहां सिविल डिफेंस वालिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उनके बयान को कांग्रेस ने सेना के शौर्य का अपमान बताया। वहीं, बीजेपी ने कहा है कि कांग्रेस देवड़ा के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। विवाद बढ़ने के बाद उपमुख्यमंत्री ने सफाई दी। कहा, 'मेरे बयान को गलत ढंग से पेश किया जा रहा है।'

पहले विजय शाह ने दिया था आपत्तिजनक बयान

इससे पहले मंत्री शाह ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान दिया था। एमपी हाईकोर्ट ने पुलिस को एफआईआर दर्ज का आदेश दिया। मंत्री इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं।

जगदीश देवड़ा के बयान को कांग्रेस ने सेना का अपमान बताया

देवड़ा से सार्वजनिक माफी और इस्तीफे की मांग

देवड़ा के बयान के इस को लेकर कांग्रेस समेत तमाम विरोधी दलों और रक्षा विशेषज्ञों ने कड़ी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि सेना की वीरता और बलिदान को सिर्फ प्रधानमंत्री की छवि से जोड़ना गलत है। सेना के जवानों के बलिदान को सम्मान देना जरूरी है, लेकिन इसे इस तरह राजनीतिक भाषा में व्यक्त करना अनुचित और अपमानजनक माना जा रहा है। कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने देवड़ा से सार्वजनिक माफी की मांग की है और राज्यपाल को भी शिकायत भेजी है कि उनका बयान राष्ट्र की सुरक्षा भावना के खिलाफ है।

विजय शाह मामले पर 19 को सुनवाई

नई दिल्ली। सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी के बाद मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ हाई कोर्ट ने एफआईआर का आदेश दिया था। विजय शाह ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन शीर्ष अदालत अब 19 मई को इस पर सुनवाई करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्री विजय शाह के वकील मनिंदर सिंह ने कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने के लिए अदालत से समय मांगा है। इस वजह से अगली सुनवाई के लिए 19 मई की तारीख तय की गई है।

मध्य प्रदेश के दोनों मंत्री बर्खास्त हों : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा मंत्री विजय शाह ने बहादुरी से देश की रक्षा करने वाली सेना तथा सेना के जवानों को अपमानित करने वाले बयान देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपने दोनों मंत्रियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री देवड़ा तथा श्री शाह ने भारतीय सेना तथा सैनिकों का अपमान करने वाले बयान दिए हैं, इसलिए इन दोनों मंत्रियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

कांग्रेस ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

मंत्री को बर्खास्त करने की मांग

__भोपाल।__ मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार के आदिम जाति कल्याण मंत्री विजय शाह के सैन्य अधिकारी सोफिया कुरैशी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी पर कांग्रेस आक्रामक है और मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है। कांग्रेस के विधायक शुक्रवार को सड़क पर उतरे और राजभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल को ज्ञापन सौंपकर विजय शाह को मंत्री पद से हटाने की मांग की है।

'मीडिया की आवाज दबाना लोकतंत्र के लिए घातक'

- कांग्रेस नेताओं ने गुजरात समाचार के खिलाफ ईडी की कार्रवाई की आलोचना की
- आलोचकों को गिरफ्तार करना एक डरे हुए तानाशाह का पहला संकेत

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक तरफ आलोचना को लोकतंत्र की आत्मा बताते हैं और दूसरी तरफ सरकार के कार्यों की आलोचना करने वाले अखबार पर डंडा चलाकर लोकतंत्र की आवाज दबाने का काम कर रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार ने करीब सौ साल पुराने अखबार गुजरात समाचार के संस्थापक को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर साबित कर दिया है कि श्री मोदी आलोचना करने वालों की आवाज दबाने में संकोच नहीं करते हैं। यह मीडिया की आजादी तथा लोकतंत्र की आवाज दबाने की साजिश है। श्री खरगे ने कहा मोदी जी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था, 'आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है।' गुजरात समाचार एक 93 वर्ष पुरानी संस्था है जिसके वरिष्ठ संस्थापक बाहुबली भाई शाह जी को प्रवर्तन निदेशालय से गिरफ्तार करवाकर मोदी जी ने सिद्ध किया है 'आलोचकों को गिरफ्तार करना एक डरे हुए तानाशाह का पहला संकेत है।'

उन्होंने कहा जिसने भी इस सरकार के खिलाफ आवाज उठाई, और जिसने भाजपा से समझौता नहीं किया, उसको जेल जाना पड़ेगा। श्री गांधी ने कहा गुजरात समाचार को खामोश करने की कोशिश सिर्फ एक अखबार की नहीं, पूरे लोकतंत्र की आवाज दबाने की एक और साजिश है।

सार संक्षेप

सुप्रीम कोर्ट ने 'इस्कॉन बेंगलुरु' के पक्ष में सुनाया फैसला

बेंगलुरु। सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु और इस्कॉन मुंबई के बीच दशकों से चले आ रहे विवाद में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु का हरेकृष्ण हिल मंदिर इस्कॉन बेंगलुरु के अधीन रहेगा और इस्कॉन मुंबई का इस पर कोई अधिकार नहीं होगा। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस निर्णय को भी पलट दिया, जिसमें बेंगलुरु मंदिर को इस्कॉन मुंबई के स्वामित्व में माना गया था।

बब्बर खालसा से जुड़े 15 ठिकानों की तलाशी ली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित आतंकवादी गुट बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) की गतिविधियों पर और शिकंजा कसते हुए पिछले साल दिसंबर में गुरदासपुर जिले में एक पुलिस स्टेशन पर किए गए ग्रेनेड हमले के सिलसिले में शुक्रवार को पंजाब में 15 ठिकानों की तलाशी ली। पंजाब के गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर और कपूरथला जिलों में की गई तलाशी में मोबाइल, डिजिटल डिवाइस और दस्तावेजों सहित कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई।

ट्रक व डीसीएम की टक्कर में तीन की मौत

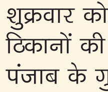

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसा देखने को मिला। यहां तेज रफ्तार ट्रक और डीसीएम की जोरदार भिड़ंत हो गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। यह हादसा कोतवाली जहांगीराबाद क्षेत्र के रौंडा गांव के पास हुआ।

दिल्ली एनसीआर में अचानक बदला मौसम

बारिश ने गर्मी से दिलाई राहत

आने वाले दिनों में कुछ इलाकों में हो सकती है बारिश

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। दिल्ली एनसीआर में शुक्रवार शाम अचानक मौसम बदल गया। यहां धूल भरी आंधी बारिश के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली। मई के महीने में भीषण गर्मी के चलते दिल्ली एनसीआर के सभी इलाकों में पारा 40 डिग्री के ऊपर था, लेकिन बेमौसम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत दिलाई। मौसम विभाग ने पहले ही शुक्रवार के दिन दिल्ली बारिश होने की संभावना जताई थी। बारिश से दिल्ली की हवा का स्तर भी बेहतर हुआ, जो शुक्रवार सुबह खराब स्तर पर था। दिल्ली एनसीआर में आने वाले दिनों में भी बादल छाए रह सकते हैं। कुछ इलाकों में छुटपुट बारिश हो सकती है, लेकिन गर्मी से निजात मिलने के कोई आसार नहीं हैं। रविवार (18 मई) तक अधिकतर तापमान 42 डिग्री तक रहेगा। इसके बाद इसमें मामूली गिरावट आने की उम्मीद है। 25 मई तक अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। इस बीच शनिवार (17 मई) और इसके बाद बुधवार (21 मई) से लेकर 25 मई तक बादल छाए रहने और हल्की बारिश के आसार हैं। इस बार 27 मई को मानसून के केरल पहुंचने की संभावना जताई गई है। यदि यह पूर्वानुमान सही साबित होता है, तो 2009 के बाद यह पहला मौका होगा जब मॉनसून भारत में समय से पहले दस्तक देगा। 2009 में मॉनसून 23 मई को केरल में शुरू हुआ था।

आतंकियों को पाताल से भी ढूंढ कर मारेंगे : सुरक्षा बल

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 16 मई (देशबन्धु)। सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद कई सुरक्षा एजेंसियों द्वारा त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया के कारण पिछले 48 घंटों में शोपियां और पुलवामा जिलों में छह आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेना के विक्टर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल धनंजय जोशी ने कहा कि आतंकवादी चाहे जहां भी छिपने की कोशिश करें, चाहे ऊपरी जंगली इलाकों में या नागरिक आवासीय इलाकों में, उन्हें ट्रैक किया जाएगा और खत्म किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये दोनों आपरेशन एक-दूसरे से अलग थे और केलर इलाके में एक आपरेशन ऊपरी इलाके में था और कठिन इलाके को देखते हुए यह बहुत चुनौतीपूर्ण था, जबकि त्राल में यह एक आवासीय इलाके में था और सभी नागरिकों को सुरक्षित निकालने के बाद आपरेशन चलाया गया। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने कहा कि किसी भी आतंकी हमले के बाद, ऐसे अभियान महत्वपूर्ण होते हैं और पहलगाम की घटना ने पूरे दक्षिण कश्मीर में गहन तलाशी और खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये आपरेशन तुरंत शुरू किए गए और विश्वसनीय इनपुट पर आधारित थे।

- सेना और पुलिस ने छह आतंकियों को किया ढेर
- खुफिया जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू
- घाटी के किसी भी हिस्से में पनाहगाह नहीं बनाने देंगे

सूचना देकर सुरक्षा बलों की मदद करें

वे कहते थे कि हम आतंकवादियों को घाटी के किसी भी हिस्से में सुरक्षित पनाहगाह नहीं बनाने देंगे। इस संवाददाता सम्मेलन में शामिल सीआरपीएफ के महानिरीक्षक मितेश ने भी इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय लोगों के समर्थन और सहयोग के बिना ये आपरेशन संभव नहीं होंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपना सहयोग जारी रखें और समय पर सूचना देकर सुरक्षा बलों की मदद करें। उन्होंने कहा कि ऐसे आतंकवाद विरोधी अभियानों की सफलता के लिए जनता का समर्थन बहुत जरूरी है।

नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी एजेन्सी सेंटर का उद्घाटन

आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध से निपटने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी एजेन्सी सेंटर (एमएसी) का उदघाटन किया और कहा कि यह आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और साइबर हमलों जैसे गंभीर खतरों से निपटने में देश के प्रयासों को मज़बूती प्रदान करेगा। श्री शाह ने इस अवसर पर कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों की सटीक सूचना और तीनों सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का अद्वितीय प्रतीक है।

दुनिया में पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे भारतीय सांसद

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को अलग-अलग देशों में भेजने का फैसला

30 सांसद बताएंगे पड़ोसी की करतूत

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब भारत के सांसद दुनियाभर में पाकिस्तान को बेनकाब करेंगे। भारत सरकार ने पाकिस्तान की करतूत दुनियाभर के सामने उजागर करने के लिए अगले सप्ताह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को अलग-अलग देशों की यात्रा के लिए भेजने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि कम से कम 30 सांसदों को 10 दिन के लिए अलग-अलग देशों की यात्रा पर भेजा जाएगा। इसे लेकर सरकार ने विपक्ष सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों से बात की है। कुछ दलों ने अपने सांसदों को भेजने की मंजूरी भी दे दी है। दरअसल, पाकिस्तान पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लगातार झूठ बोलता रहा है। वह दुनिया को तथ्यों से अलग जाकर एक नैरेटिव सेट करने के लिए मनगढ़ंत कहानी बताता रहा है। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई बड़ा समर्थन नहीं मिला है, लेकिन चीन और तुर्किये जैसे देशों के उसके साथ आ जाने से उसे एक सहारा मिल गया है। भारत पाकिस्तान की इस कोशिश को बेनकाब करना चाहता है।

इसलिए कूटनीतिक तौर पर भारत सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को विभिन्न देशों की यात्रा पर भेजने का फैसला लिया है।

इन दलों के सांसद होंगे शामिल

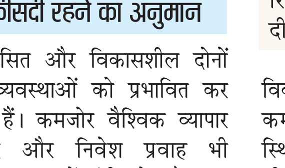

विदेश मंत्रालय सांसदों को उनके राजनयिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले जानकारी देगा। सूत्र बताते हैं कि प्रतिनिधिमंडल में भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, एनसीपी (एसपी), जेडीयू, बीजेडी, सीपीआई (एम) और कुछ अन्य सांसद शामिल होंगे। एक दल के नेता ने बताया कि उन्हें 22-23 मई तक 10 दिनों की अवधि के लिए रवाना होने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

रामभद्राचार्य ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित

अस्वस्थ होने के कारण समारोह में शामिल नहीं हो सके गुलजार

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां एक समारोह में संस्कृत के विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया। श्रीमती मुर्मु ने इस अवसर पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी के साथ साथ ज्ञानपीठ पुरस्कार वाले गीतकार गुलजार को भी बधाई दी जो अस्वस्थ होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की जिससे कि वह कला, साहित्य, समाज और देश के लिए अपना योगदान देते रहें।

रामभद्राचार्य ने प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया

राष्ट्रपति ने श्री रामभद्राचार्य के बारे में कहा कि उन्होंने उत्कृष्टता का एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने उनके बहुमुखी योगदान की प्रशंसा की और कहा कि शारीरिक रूप से विकलांग होने के बावजूद उन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से साहित्य और समाज की असाधारण सेवा की है।

ब्रिटेन : नीरव मोदी को कोर्ट से झटका

चौथी बार भी जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन की हाई कोर्ट ने भगोड़े नीरव मोदी को फिर से झटका दिया है। कोर्ट ने नीरव मोदी की चौथी बेल याचिका पर सुनवाई करते हुए इसे रद्द कर दिया। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक के साथ 6,498.20 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी में आरोपी है। बताया गया कि कोर्ट का यह निर्णय गुरुवार को आया, जब नीरव मोदी द्वारा दाखिल चौथी जमानत याचिका पर यूके हाईकोर्ट ने भारत सरकार (प्रॉसिक्यूशन) और बचाव पक्ष (नीरव मोदी) की दलीलों और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिए गए लिखित सबूतों की विस्तृत समीक्षा की। ईडी ने कोर्ट को बताया कि नीरव मोदी ने शेल कंपनियों के माध्यम से अवैध धन को भारत से बाहर, यहां तक कि ब्रिटेन तक भेजा है। नीरव मोदी ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए जमानत मांगी थी।

चुनौती *संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग ने दी रिपोर्ट*

ट्रम्प के टैरिफ युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि देशों के बीच व्यापार को लेकर तनाव बढ़ने तथा निश्चित नीति नहीं होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नीतिगत अनिश्चितता के साथ-साथ बढ़ते व्यापार तनाव ने मौजूदा वर्ष के लिए वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण को भी काफी कमजोर कर दिया है।

'विश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं-2025' नामक रिपोर्ट में कहा गया है, उच्च टैरिफ के कारण अमेरिका में प्रभावी टैरिफ दर में काफी वृद्धि की संभावना है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव पड़ने, उत्पादन लागत में वृद्धि होने और महत्वपूर्ण निवेश निर्णयों में देरी के साथ-साथ वित्तीय बाजार में अस्थिरता भी बढ़ने की संभावना है। यह भी कहा गया है कि 2025 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर कम होकर 2.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2024 के 2.9 प्रतिशत से कम है। विकास पूर्वानुमानों में कमी विकसित और विकासशील दोनों अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रही हैं। कमजोर वैश्विक व्यापार वृद्धि और निवेश प्रवाह भी अर्थव्यवस्था में मंदी को और बढ़ा रहे हैं। व्यापार पर निर्भर कई विकासशील देशों को कम निर्यात, कम कीमतों, सख्त वित्तीय स्थितियों और बढ़े हुए ऋण बोझ से भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति कम हो रही है, लेकिन टैरिफ-संचालित लागत दबाव और अनिश्चितता से अल्पकालिक जोखिम नीतिगत चुनौतियों को बढ़ा रहे हैं।

वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 2.4 फीसदी रहने का अनुमान

असमानता बढ़ने का जोखिम

रिपोर्ट के अनुसार, बिगड़ती आर्थिक स्थिति सतत विकास के लक्ष्यों की दिशा में प्रगति को और धीमा कर रही है, जिनमें से कई पहले से ही पटरी से उतर चुके हैं। धीमी वृद्धि और जीवन-यापन का खर्च बढ़ने के दबाव से असमानता बढ़ने का जोखिम है, जो कम आय वाले परिवारों और कमज़ोर आबादी पर असमान रूप से बोझ डाल रहे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक निवेश वृद्धि में लगातार कमजोरी दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं को भी कम करती है।

देश

उवाच

"भाजपा के मंत्री विजय शाह प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार पर अभद्र टिप्पणी करते हैं, तो भाजपा तुरन्त उनसे इस्तीफा ले लेती है। लेकिन जब वही मंत्री सेना की बहादुर अफसर पर अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी करते हैं, तो मुख्यमंत्री मौन साध लेते हैं।

–उमंग सिंघार, कांग्रेस नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	42.0	31.0
मुंबई	32.0	28.0
कोलकाता	34.0	28.0
चेन्नई	33.0	28.0

ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ : राजनाथ

रक्षा मंत्री ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को एक बार फिर चेताया

भुज, 16 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात के भुज एयर बेस से भारतीय वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को एक बार फिर चेताया और कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था। जब सही समय आएगा, हम पूरी पिक्चर भी दुनिया को दिखाएंगे। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर सेना को सफलता की बधाई देते हुए कहा कि मैं बस इतना कहूंगा कि आपके पराक्रम ने यह दिखा दिया कि यह वो सिंदूर है, जो श्रंगार का नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह वो सिंदूर है, जो सौंदर्य का नहीं, बल्कि संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर, खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने अब आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। मैं इस अवसर पर, आप सभी के साथ-साथ, देश की जनता का भी आभार प्रकट करता हूं। भारत की जनता ने, एकजुटता और समझदारी का परिचय देते हुए, आपका सहयोग किया। इस लड़ाई में न केवल सरकार, आर्म्ड फोर्सेज और सुरक्षाबल एकजुट थे, बल्कि भारत का हर नागरिक, एक सिपाही की तरह इसमें भागीदार बना।

गुजरात के भुज एयर बेस से भारतीय वायुसेना के जवानों को किया संबोधित

जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था जब सही समय आएगा, हम पूरी पिक्चर भी दुनिया को दिखाएंगे : राजनाथ सिंह

आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का लिया संकल्प

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हम, हमारे आराध्य श्रीराम के उस मार्ग का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जिसमें वह आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रण लेते हैं। निसिचर हीन करउँ महि, भुज उठाइ पन कीन्ह। अर्थात जिस प्रकार भगवान राम ने, अपनी भुजाओं को उठाकर, धरती को राक्षस विहीन करने का प्रण लिया था। ठीक उसी प्रकार, प्रभु श्री राम के आदर्शों का पालन करते हुए, हमने भी आतंकवाद को, जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी बुनियादी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है लेकिन, पाकिस्तान इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाए। वहां की सरकार पाकिस्तानी आम लोगों से लिया गया टैक्स जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी जैसे मसूद अजहर को करीब 14 करोड़ रुपए देने में खर्च करेगी। जबकि वह यूएन से आतंकी घोषित हो चुका है।

पाक को दिए जाने वाले वित्त पोषण पर पुनर्विचार करे आईएमएफ

पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से प्राप्त धन का एक बड़ा हिस्सा अपने देश में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर खर्च करेगा, ऐसा मेरा मानना है। भारत चाहता है कि आईएमएफ पाकिस्तान को दिए जाने वाले वित्त पोषण पर पुनर्विचार करे, और आगे भी किसी भी तरह की सहायता देने से आईएमएफ परहेज करे। उन्होंने कहा कि आप सब तो जानते ही होंगे कि भारत में जब भी कोई उपद्रवी तत्व पैदा होता है, जिसको लेकर यह आशंका रहती है कि यह भविष्य में कुछ उपद्रव कर सकता है, तो उसको मजिस्ट्रेट एवं पुलिस द्वारा गुड बिहेवियर के प्रोबेशन पर रखा जाता है। अगर वह व्यक्ति प्रोबेशन के दौरान कोई भी शरारत करता है, तो उसे उचित दंड दिया जाता है। ठीक उसी तरह, वर्तमान सीजफायर में, हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर अभी प्रोबेशन पर रखा हुआ है। यदि उसका बिहेवियर सुधरता है, तब तो ठीक और यदि बिहेवियर में फिर से गड़बड़ी आती है, तो उसको कड़े से कड़ा दंड दिया जाएगा। मैं फिर से कह रहा हूं, पाकिस्तान को हमने प्रोबेशन पर रखा है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में एक बात बहुत साफ कही है कि आतंक पर प्रहार अब न्यू नॉर्मल है। ये न्यू इंडिया का न्यू नॉर्मल है। अब हमने यह साफ कर दिया है कि हमारी संप्रभुता को यदि कोई नुकसान पहुंचाएगा, तो वह प्रहार भी झेलेगा।

भारत की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित

श्रीनगर के बादामी बाग कैंट में भारतीय सेना के बहादुर जवानों और भुज में वायु योद्धाओं तथा सैनिकों के साथ बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्हें एक बार फिर विश्वास हो गया है कि भारत की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने खुद ही ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि भारत में बनी इस मिसाइल ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन की रोशनी दिखाई। उन्होंने भारत की वायु रक्षा प्रणाली की भी सराहना की, जिसमें डीआरडीओ द्वारा बनाए गए आकाश और अन्य रडार सिस्टम ने जबरदस्त भूमिका निभाई है। सिंह ने कहा कि भुज 1965, 1971 और अब पाकिस्तान पर भारत की जीत का गवाह रहा है। उन्होंने भुज को देशभक्ति की भूमि बताया, जहां सैनिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अडिग संकल्प के साथ खड़े हैं। उन्होंने मातृभूमि के लिए अपनी सेवा के लिए सशस्त्र बलों और बीएसएफ के वायु योद्धाओं और अन्य बहादुर सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सशस्त्र बलों को नवीनतम हथियारों और आधुनिक बुनियादी ढांचे से लगातार लैस करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, सिंह ने कहा कि एक मजबूत राष्ट्र अपनी सेना का सम्मान करता है और उसे संसाधन, तकनीक और हर तरह का समर्थन प्रदान करता है।

जलवायु की चुनौतियां हम सभी के है सामने : विश्वास सारंग

भोपाल,16 मई (देशबन्धु)। जलवायु परिवर्तन को भारतीय कृषि के लिए एक तात्कालिक और गंभीर संकट बताते हुए मध्य प्रदेश के सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने भोपाल में आयोजित क्षेत्रीय नीति संवाद : जलवायु परिवर्तन और इसका कृषि पर प्रभाव विषयक कार्यक्रम में जलवायु चेतना और सामूहिक प्रयासों को गति देने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का उल्लेख करते हुए कहा कि जलवायु की चुनौतियां हम सभी के सामने हैं और इसमें हर व्यक्ति की भूमिका है। अब समय है कि हम सभी मिलकर निर्णायक कदम उठाएं। सस्टेनेबिलिटी मैटर्स द्वारा इंडीएग्री और सोलिडारिडाड के सहयोग से आयोजित इस संवाद में कृषि वैज्ञानिकों, नीति विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और किसानों ने हिस्सा लिया। सभी का उद्देश्य था जलवायु के अनुकूल कृषि की दिशा में सामूहिक और वैज्ञानिक समाधान खोजने का प्रयास करना। सारंग ने यह भी आश्वस्त किया कि इस तरह के संवादों को राज्य सरकार पूरा समर्थन देगी ताकि व्यावहारिक समाधान सामने आएं। उन्होंने कहा कि ऐसे विचार मंथन अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि इन्हीं से ठोस नीतियाँ और सहयोगी मॉडल तैयार होते हैं। सोलिडारिडाड के जनरल मैनेजर डॉ. सुरेश मोटवानी ने जलवायु संवेदनशील कृषि और बदलते मौसम में अनुकूलन विषय पर सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सच्ची जलवायु लचीलापन खेत स्तर से शुरू होती है, लेकिन इसके लिए नवाचार और समेकित नीति समर्थन भी जरूरी है। अब कृषि केवल उत्पादन नहीं, बल्कि आजीविका, पारिस्थितिकी तंत्र और खाद्य सुरक्षा की रक्षा का माध्यम भी है। सस्टेनेबिलिटी मैटर्स के कार्यकारी निदेशक और ग्रे मैटर्स कॉम्युनिकेशन के निदेशक डॉ. नवनीत आनंद ने संवाद को अकादमिक चर्चा से आगे ले जाकर नीति निर्माण से जोड़ने वाला कदम बताया। उन्होंने कहा कि हमें जलवायु चिंता से जलवायु कार्रवाई की ओर बढ़ना होगा। मध्य प्रदेश में कृषि की गहराई और नवाचार को अपनाने की तत्परता है, जिससे यह राज्य नेतृत्व करने में सक्षम है। यह मंच विज्ञान, मिट्टी, नीति और स्थिरता को एक सूत्र में जोड़ने का प्रयास है।

■ भोपाल नीति संवाद में मंत्री ने की कृषि में त्वरित जलवायु कार्रवाई की वकालत

सार संक्षेप

बडगाम में लश्कर से जुड़े तीन आतंकवादी मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में पुलिस ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े तीन आतंकवादी मददगारों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आतंकवादियों के तीनों मददगार की पहचान बारामूला जिले के अगलार पट्टन निवासी मुजम्मिल अहमद और इशफाक पंडित तथा मीरीपोरा बीरवाह बडगाम निवासी मुनीर अहमद के रूप में की है। पुलिस ने कहा कि तीनों आतंकवादियों को मगाम के कावूसा नरबल इलाके से गिरफ्तार कर उनके पास से एक पिस्तौल और एक हथगोला सहित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

मोहन यादव ने सिक्किम के स्थापना दिवस पर दी बधाई

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सिक्किम राज्य के स्थापना दिवस पर सिक्किम के नागरिकों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने बाबा महाकाल से राज्य के विकास और समृद्धि के लिए प्रार्थना की है। डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि हिमालय की गोद में स्थित सिक्किम लोक परम्पराओं से समृद्ध है। यह राज्य अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य, आध्यात्म, पर्यटन और शांति की दिव्य स्थली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में सिक्किम विकास की नई ऊंचाई हासिल करेगा।

वायनाड में महिला पर्यटक मौत मामले में दो गिरफ्तार

वायनाड। केरल के वायनाड मेप्पाडी पुलिस ने महिला पर्यटक की मौत और तीन अन्य के घायल होने के मामले में एक रिसॉर्ट के प्रबंधक और पर्यवेक्षक सहित दो लोगों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर कथित तौर पर पर्यटक सुविधा के प्रबंधन में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने का भी आरोप है। गुरुवार को 900 कंडी में एमराल्ड टेंटग्राम के स्वामित्व वाले 900 वेंचर्स नामक रिसॉर्ट में भारी बारिश के कारण अस्थायी रूप से बनाए गए टेंट के ढह जाने से नीलांबुर के पास अकम्पदम की महिला पर्यटक निश्मा की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

केरल के पूर्व लोक निर्माण मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू. केलकर ने 1989 के लोकसभा चुनाव में डाक मतदान में कथित गड़बड़ी को लेकर केरल के पूर्व लोक निर्माण मंत्री जी. सुधाकरन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। केलकर ने कहा कि भारत चुनाव आयोग श्री सुधाकरन के हवाले से मीडिया में आई उन खबरों को गंभीरता से ले रहा है, जिनमें कहा गया है कि डाक मतों के साथ छेड़छाड़ की गई और उनमें हेराफेरी की गई थी।

रामदास की बैठक का जिला सचिवों ने किया बहिष्कार

चेन्नई, 16 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डा.एस रामदास द्वारा बुलाई गई महत्वपूर्ण बैठक का पार्टी के अधिकांश जिला सचिवों और नेताओं ने शुक्रवार को बहिष्कार किया। यह बैठक डॉ. रामदास के तिंडीवनम के निकट थाइलापुरम एस्टेट में आयोजित की गई थी जिसका उद्देश्य 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले प्रमुख संगठनात्मक मामलों और नेतृत्व नियुक्तियों पर चर्चा करना था। बैठक के लिए लगभग 100 जिला सचिवों को निमंत्रण दिए जाने के बावजूद कृष्णगिरि, कोयंबटूर और तिरुपुर सहित कुछ जिलों के नेता ही बैठक में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि बैठक में राज्यसभा सदस्य डॉ. अंबुमणि रामदास और कई प्रमुख जिला नेता अनुपस्थित रहे। डा. रामदास ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संवाददाताओं से कहा कि सभी जिला सचिवों और पदाधिकारियों को निमंत्रण भेजा गया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबुमणि को भी बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि वे आ रहे होंगे।

प्रमुख संगठनात्मक मामलों पर होनी थी चर्चा

उन्होंने अधिकांश जिला सचिवों के बैठक में शामिल न होने पर कहा कि शायद वे दो दिन पहले महाबलीपुरम के पास तिरुविदंतई में पार्टी के वार्षिक चित्र पूर्णिमा सम्मेलन के बाद बहुत थक गए होंगे। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पार्टी संस्थापक ने अपने बेटे और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. अंबुमणि को पार्टी अध्यक्ष पद से हटा दिया और उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया ताकि वे चुनाव संबंधी कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

बिहार के गया शहर का नाम अब 'गया जी'

पटना,16 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री नीतीश कैबिनेट की अहम बैठक संपन्न हो गई है। कैबिनेट की बैठक में तमाम विभागों के मंत्री मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 69 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर लगी जिसमें अब गया का नाम बदलकर नया नाम रख दिया गया है।

बैठक में गया जिले का नाम बदलने का प्रस्ताव पारित किया गया था। अब 'गया जी' के नाम से गया जिले का नया नाम का घोषणा किया गया है। यह कदम राज्य सरकार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को सम्मानित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। विभिन्न विभागों से जुड़े कुल 69 प्रस्तावों जिनमें स्वच्छता, शहरीकरण, जलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, संरचनात्मक विकास और सामाजिक कल्याण से जुड़े कई अहम बिंदु शामिल रहे। सरकार ने प्रखंड और अंचल कार्यालयों की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए इसे 'जीविका दीदी' को सौंपने का निर्णय लिया है। इससे कार्यालयों में नियमित स्वच्छता बनी रहेगी और स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। बता दें कि स्थानीय संगठनों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा लंबे समय से गया का नाम बदलकर 'गया जी' करने की मांग की जा रही थी। यह स्थान भगवान बुद्ध और भगवान विष्णु की कथाओं से भी जुड़ा हुआ है। राज्य सरकार ने इस मांग को सम्मानपूर्वक स्वीकार किया और आज कैबिनेट की बैठक में इसे औपचारिक रूप से मंजूरी प्रदान कर दी। राज्य सरकार ने यह फैसला गया की धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए लिया है।

■ बिहार मंत्रिमंडल की बैठक में आए 69 एजेंडों पर नीतीश सरकार की लगी मुहर

■ गया की धार्मिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए लिया फैसला

सुशील मोदी के जन्मदिन को राजकीय समारोह के तौर पर मनाएगी सरकार

पटना। बिहार सरकार ने दिवंगत भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी को श्रद्धांजलि दी है। कैबिनेट ने फैसला लिया है कि बिहार सरकार अब दिवंगत सुशील कुमार मोदी के जन्मदिन को राजकीय समारोह के तौर पर मनाएगी। अब हर साल पांच जनवरी को सुशील मोदी के जयंती के अवसर पर राजकीय समारोह का आयोजन सरकार की तरफ से किया जाएगा। दरअसल, बिहार भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले दिग्गज नेता सुशील कुमार मोदी का निधन 13 मई 2024 को कैंसर जैसी घातक बीमारी से जुझते हुए हो गया थी। उनके निधन के बाद सियासी गलियारे में शोक की लहर दौड़ गई थी। उनके निधन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पटना पहुंचे थे और दिवंगत नेता के परिजनों से मुलाकात की थी। बिहार के विकास में उनके योगदान को देखते हुए केंद्र सरकार ने मरणोंपरांत पद्मविभूषण से नवाजा था। अब बिहार सरकार ने सुशील मोदी को बड़ी श्रद्धांजलि अर्पित की है और उनके जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने का फैसला लिया है। सरकार के इस फैसले पर सुशील मोदी के समर्थकों और परिवार के लोगों ने नीतीश सरकार का आभार जताया है।

श्रीनगर से अतिरिक्त हज उड़ानों की व्यवस्था करे केंद्र सरकार : उमर अब्दुल्ला

हज यात्रा पर जाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता पर दिया बल

श्रीनगर, 16 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि वह श्रीनगर से अतिरिक्त हज उड़ानों की व्यवस्था करे, ताकि करीब 1,900 हज यात्रियों की लंबित यात्रा पूरी हो सके, जो हाल ही में उड़ान सेवा रद्द होने के कारण बाधित हुई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्होंने केंद्र के समक्ष इस मुद्दे को उठाया है, तथा हज यात्रियों को बिना किसी देरी के पवित्र यात्रा पर जाने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता पर बल दिया है। अब्दुल्ला ने पोस्ट किया, मैंने 1895 तीर्थयात्रियों की लंबित हज उड़ानों के मामले को निपटाने के लिए श्रीनगर से अतिरिक्त हज उड़ानों की व्यवस्था करने की तत्काल आवश्यकता को भारत सरकार के समक्ष उठाया है।

हमारे तीर्थयात्रियों के लिए सुचारू और समय पर तीर्थयात्रा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। श्रीनगर से पहली हज यात्रियों की उड़ान 4 मई को रवाना हुई, जिसमें 178 यात्रियों ने उड़ान भरी थी।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण 07 मई से 12 मई के दौरान निर्धारित सात हज उड़ानें रद्द कर दी गईं। दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम समझौते के बाद 13 मई को श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन फिर से शुरू हुआ। इसके बाद 14 मई को हज उड़ानें फिर से शुरू हुईं।

भारत-पाक तनाव के चलते उड़ान सेवा हुई थी बाधित

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि गत सात मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के साथ ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दी गई थी, जिसके बाद हज यात्रियों की संख्या में कमी आई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगा दिए गए और उड़ानों को एहतियात के तौर पर अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया, जिससे न केवल घरेलू यात्री बल्कि श्रीनगर से वार्षिक हज यात्रा के लिए रवाना होने वाले यात्री भी प्रभावित हुये।

बिहार में अपराधी चला रहे सरकार : तेजस्वी

पटना, 16 मई (देशबन्धु)। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने प्रदेश की विधि व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते हुये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार पर हमला बोला और कहा कि प्रदेश में अपराधी सरकार चला रहे हैं और चारों और व्यापारियों, छात्रों, महिलाओं और आम लोगों की हत्याएं हो रही है। याादव ने शुक्रवार को बिहार में कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर कुमार और उनकी सरकार पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, बिहार में सत्ता संपोषित अपराधियों द्वारा चहुंओर व्यापारियों, छात्रों, महिलाओं और आमजनों की हत्याएं हो रही है लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित उनके दो सहायक वाचाल उपमुख्यमंत्री आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी, कानों में तेल और मुंह में दही जमा कर मस्ती से शराबबंदी के नशे में लेटे है।

भारत को अब किसी और देश पर निर्भर नहीं रहना चाहिए : डॉ. पॉल

हथियारों के सौदों और युद्ध को बढ़ावा देने वाले बयानों की आलोचना

नई दिल्ली 16 मई (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. के. ए. पॉल ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई वैश्विक नेताओं पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में हथियारों की बिक्री को इंसानों की जान से ज़्यादा महत्व दिया जा रहा है। डॉ. पॉल ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कतर के अमीर व्यक्ति से एक प्राइवेट जेट के रूप में 400 मिलियन डॉलर की रिश्वत ली, ताकि वह उनके पक्ष में हथियारों की आपूर्ति जारी रख सकें और उनकी नीतियों पर सवाल न उठाएं। उन्होंने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा था, तब ट्रंप ने शांति के लिए कुछ नहीं किया। 'भारत-पाक युद्ध को ट्रंप ने नहीं रोका, वह भगवान और मैंने रोका है'। उनके अनुसार ट्रंप उस समय अरब देशों में हथियार बेचने में व्यस्त थे। उन्होंने कहा 'कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे देश डरे हुए हैं कि कहीं उनका हाल गद्दाफ़ी या सद्दाम हुसैन जैसा न हो जाए'।

कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि भारत को अब किसी और देश पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। 'भारत खुद अपने मसलों का हल निकाल सकता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अगर सभी राजनीतिक दल साथ आएं, तो भारत पूरी दुनिया में शांति का संदेश दे सकता है,' डॉ. पॉल ने कहा। इस आयोजन में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों की भी भागीदारी रही। कॉन्फ्रेंस में डॉ. पॉल के साथ, हिन्दू समाज से सुदिति राजे, मुस्लिम समाज के नेता अशरफी अकबर अली, सिख समाज से करनजीत सिंह और सुप्रीम कोर्ट के वकील और बौद्ध इंटरनेशनल फोरम फॉर पीस के अध्यक्ष आनंद एस. जोंधले शामिल रहे।

चिंता | *ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर जिंदगी तलाशने में जुटे सीमावासी*

पाक गोलाबारी ने एलओसी से सटे उड़ी को बना दिया भूतिया शहर

जम्मू, 16 मई (देशबन्धु)। अगर शब्दों में बयां करें तो अब उड़ी एक भूतिया शहर है, इसकी सड़कें परेशान और टूटी हुई हैं। जो लोग वापस आते हैं उन्हें कोई शांति नहीं मिलती, बस डर रहता है कि बम फिर गिरेंगे और जो कुछ घर बचा है उसे भी मिटा देंगे। गोलाबारी बंद होने के कई दिनों बाद भी उड़ी में युद्ध जैसी गंध।

आ रही है। सीमावर्ती शहर झुलसा हुआ और शांत है, इसकी हवा में धुआं, बारूद और जली हुई लकड़ी की चुभन है। मलबे के बीच, कुछ निवासी वापस लौटने लगे हैं। वे शांत, सतर्क हैं और इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि उन्हें घर के खंडहरों में क्या मिलेगा। आमिर राथर कहते थे कि यहां आग और डर की गंध आ रही है, जहां कभी लगमा में उनकी दुकान हुआ करती थी। राथर बारामुल्ला से लौटे, टूटी हुई टाइलों और जले हुए साइनबोर्डों पर कदम रखते हुए, किसी भी ऐसी चीज की तलाश कर रहे थे जिसे बचाया जा सके। वे कहते थे कि हमने अपनी जिंदगी ईंट-ईंट जोड़कर बनाई है। सब कुछ खोने में कुछ मिनट लगे। 8 मई की रात को, पाकिस्तानी तोपखाने ने उड़ी पर हमला किया, जिसे कई लोग 1948 के बाद से सबसे भीषण सीमा पार हमला कहते हैं, जब यह क्षेत्र सबसे बड़े भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पहली बार गोलाबारी की चपेट में आया था। हाल ही में भड़की इस घटना में 50 से अधिक घर और इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। एक महिला की मौत हो गई। बच्चों सहित नौ अन्य लोग घायल हो गए। बाजार जल गए, छतें ढह गईं और रातों-रात पूरा मोहल्ला खाली हो गया। अब, बचे हुए लोग धीरे-धीरे वापस आ रहे हैं, यह देखने के लिए कि अंधेरे में भागे हुए घरों का क्या बचा है।

■ भारत-पाक तनाव में 50 से अधिक घर व इमारतें हुईं क्षतिग्रस्त

और उनके जीवन के कौन से टुकड़े प्लास्टिक की बोरियों और कांपते हाथों में ढोए जा सकते हैं। सलामाबाद में, परिवार नंगे हाथों से मलबे से सामान उठा रहे हैं। एक टूटी हुई खाट। जंग लगा प्रेशर कुकर। एक बच्चे का स्वेटर, जिसकी आस्तीनें झुलस गई हैं। बशीरा बानो, जिनकी रसोई एक गोले से चपटी हो गई थी, कहती थीं कि हमारे पास कुछ भी नहीं बचा था। अब और भी कम बचा है। कलगई, जो कभी एलओसी के पास घरों का एक जीवंत समूह था, अब काली पड़ चुकी दीवारों और झुलसे हुए खेतों का कंकाल बन गया है। उड़ी के व्यावसायिक केंद्र, बांदी बाजार में, नुकसान पूरा हो चुका है। कई दुकानें मुड़े हुए शटर तक सिमट गई हैं। एक गाय बेफिक्र होकर खंडहरों में भटक रही थी। उसे भगाने वाला कोई नहीं था। गिंगल की टूटी-फूटी सड़कों पर चलते हुए 85 वर्षीय हकीमुद्दीन चौधरी कहते थे कि कि इसने हमें 1948 की याद दिला दी। उस समय, पहाड़ों में भीषण आग की गूंज थी। यह फिर से हो रहा है। पचहत्तर साल, और कोई बंकर नहीं, कोई सुरक्षा नहीं। बस सन्नाटा और धुआं।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

डॉक्टर ने महिला के मुंह में थर्मामीटर रख कर कुछ देर मुंह बंद रखने को कहा।
पत्नी को खामोश देख कर पति ने पूछा : डॉक्टर साहब, ये जादुई चीज कितने की आती है?

छोटे व मझौले व्यापारियों का हो पुनरुत्थान : कांग्रेस

भाजपा की ट्रेड वेलफेयर बोर्ड की घोषणा को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार की अन्य घोषणाओं की तरह व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए घोषित किया गया ट्रेड वेलफेयर बोर्ड भी कागजों में सिमट कर न रह जाए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम को उन सभी हजारों दुकानों और व्यापारिक संस्थानों को डी-सील किया जाए क्योंकि इनके बंद होने के कारण लाखों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है।

ट्रेड वेलफेयर बोर्ड में विभिन्न राजनीतिक दलों के व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों को रखा जाए : देवेन्द्र यादव

देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में छोटे व्यापारियों और दुकानदारों का व्यापार लम्बे समय से ठप पड़ा है और हालात यह है कि दुकानदारों के पास दुकान का किराया और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रेड वेलफेयर बोर्ड व्यापारियों के लिए कहीं विनाशकारी न बन जाए। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यह वही भाजपा है कि जो एक तरफ तो ट्रेड वेलफेयर बोर्ड स्थापित करने की बात करती है और दूसरी तरफ जब भाजपा 15 वर्ष दिल्ली नगर निगम में थी, उस समय दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में उन्होंने 2000 से अधिक दुकानों को सील किया था, ऐसे में व्यापारी भाजपा सरकार पर अपने हितों को लेकर कैसे विश्वास कर सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ट्रेड वेलफेयर बोर्ड में विभिन्न राजनीतिक दलों के व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों को रखा जाए ताकि दिल्ली में व्यापारी वर्ग के हितों के लिए कार्य हो सके और किसी की अनदेखी न हो। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि बोर्ड को निर्णय लेने अधिकार भी दिए जाए ताकि वह एक कमजोर और निष्क्रिय बोर्ड बनकर न रह जाए।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि जब भाजपा केंद्र की सत्ता में आई थी, सबसे पहले छोटे और मझोले व्यापारियों पर कुठाराघात किया था क्योंकि 8 नवम्बर 2016 को नोटबंदी करके इनको तबाह कर दिया था जबकि यह संस्थान सबसे ज्यादा रोजगार का सृजन करते है। इसी प्रकार भाजपा की केन्द्र सरकार की गलत तरीके से जीएसटी को लागू करने की नीति ने व्यापारियों पर प्रहार किया था जिसके कारण उनके व्यापार में काफी गिरावट दर्ज हुई थी। ऐसे में भाजपा सरकार द्वारा बनाए जाने वाले ट्रेड वेलफेयर बोर्ड पर दिल्ली के व्यापारी कैसे विश्वास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा छोटे और मझोले व्यापारियों को चुनाव के दौरान उनके वोट और फंड के लिए याद करती है जबकि भाजपा सरकारों का एजेंडा केवल कुछ चुनिंदा अमीर पूंजीपतियों को फायदा पहुँचाने का रहा है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने भी व्यापारियों को झूठे वायदे करके लूटने का काम किया था क्योंकि 11 वर्षों के कार्यकाल में उनके कल्याण के काम करना तो दूर बल्कि उनको अलग-अलग तरीकों से परेशान किया था।

राहुल गांधी पर एफआईआर के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने बिहार पुलिस द्वारा राहुल गांधी पर की गई एफआईआर को लेकर भाजपा-एनडीए सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि बिहार की जेडीयू- बीजेपी सरकार ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को तबाह कर दिया है। छात्रों को सुविधाओं के नाम पर सिर्फ झूठ और जुमले परोसे जा रहे हैं, इसलिए नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को बिहार में शिक्षा न्याय संवाद में बिहार की खोखली शिक्षा व्यवस्था पर बात करने गए थे, बिहार सरकार ने उनके इस कार्यक्रम को रोकने के लिए पूरा प्रयास किया, इस प्रकार से कार्यक्रम रोकना तानाशाही की पराकाष्ठा है। अब क्या दलित, वंचित, पिछड़े वर्ग के छात्रों से संवाद करना संविधान के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार और उनके साथीगण केवल बड़े उद्योगपतियों की सरकार है, आखिर आज केंद्र सरकार को जातिगत जनगणना करना ही पड़ा, उस ही प्रकार बिहार में भी बदलाव होगा क्योंकि राहुल गांधी के पीछे युवाओं की शक्ति है, उन्हें कोई ताकत नहीं रोक सकती, इस प्रकार के एफआईआर से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इस दौरान प्रदर्शन में भारतीय युवा कांग्रेस के अनेकों कार्यकर्ता युवा कांग्रेस कार्यालय से रायसीना रोड की तरफ जा रहे थे प्रदर्शन के लिए, पर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया।

राष्ट्र प्रथम अभियान वीर सैनिकों के प्रति श्रद्धांजलि व सम्मान : नचिकेता

श्याम लाल महाविद्यालय में राष्ट्र प्रथम अभियान आयोजित

झनई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय ने इधर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से जिस तरह आतंकवादियों के कैंपों को नष्ट किया। इसके मद्देनजर महाविद्यालय ने 'राष्ट्र प्रथम' अभियान के माध्यम से भारतीय सेना के इस निर्णय का समर्थन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.नचिकेता सिंह ने इस अभियान को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान हमारे वीर सैनिकों के प्रति हमारी श्रद्धांजलि और सम्मान है, जिन्होंने आतंकवादी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया है। ऐसे समय में जब राष्ट्र अपने ही भाइयों की हत्या का बदला लेना चाहता था। यह हमारी बहनों के सिंदूर के सम्मान की रक्षा और संरक्षण के लिए हमारे राष्ट्र की एकजुटता और एकता दिखाने के लिए यह हमारे दृढ़ संकल्प को भी व्यक्त करता है।श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) परिवार भारत सरकार और तीनों सशस्त्र सेनाओं के द्वारा आतंकवाद के खिलाफ़ लिए गए निर्णय में एकजुटता के साथ खड़ा है। क्योंकि हमारे लिए सबसे पहले हमारा राष्ट्र है। बी.ए (प्रोग्राम) प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने सिंदूर की सफलता पर एक नाटक प्रस्तुत किया।उसके बाद प्राचार्य महोदय की अगुवाई में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस अवसर पर डॉ. अमित सिंह ने

सभी को राष्ट्र प्रथम के समर्थन में शपथ दिलाई।शपथ के उपरांत डॉ. अमित सिंह और छात्रों ने राष्ट्रीय एकता को बढाने के क्रम में तिरंगे के साथ दौड़ लगाई। इस अभियान के संयोजक डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि हम फ्लैग मार्च, शपथ, राष्ट्रीय एकता तिरंगा दौड़, नाटक आदि प्रस्तुतियों को अपनी सेना को समर्पित करते हुए उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि हम सभी आपके साथ हैं। डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए सेना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाया। इस अभियान में महाविद्यालय के अध्यापकों, नॉन-टीचिंग स्टाफ के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही

दिल्ली गेम्स 2025 का आयोजन 20 मई से

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली गेम्स 2025 के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। यह मल्टी-स्पोर्ट्स मेगा इवेंट 11,000 से अधिक एथलीट्स को एक मंच प्रदान करेगा, जो 40 से अधिक खेल विधाओं में 25 से ज्यादा स्थानों पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस अवसर पर कुलदीप वत्स, अध्यक्ष, दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन, स्पेशल सीपी, आई.पी.एस., अजय चौधरी, अतिरिक्त अध्यक्ष, स्पेशल सीपी, आई.पी.एस., मधुर वर्मा, अतिरिक्त अध्यक्ष, मुकेश कालिया, उपाध्यक्ष, दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन, राकेश गुप्ता, जनरल सेक्रेटरी, दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन, सरोज शर्मा, कोषाध्यक्ष, दिल्ली ओलंपिक एसोसिएशन, योगेश वर्मा, समन्वयक, दिल्ली गेम्स, संजीव शर्मा, उपाध्यक्ष, दिल्ली गेम्स 2025 उपस्थित होंगे।

रेखा गुप्ता करेंगी शिरकत

उद्घाटन समारोह में रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली के साथ-साथ हर्ष मल्होत्रा चीफ पैट्रन, केंद्रीय राज्य मंत्री और आशीष सूद, दिल्ली सरकार के मंत्री बढ़ाएंगे। समापन समारोह में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री सरदार हरदीप पुरी मुख्य अतिथि होंगे।

बीएलएस इंटरनेशनल ने किया बेहतर वित्तीय प्रदर्शन

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। भारतीय मल्टीनेशनल कॉरपोरेशन और सरकार एवं लोगों के लिए एक विश्वसनीय ग्लोबल टेक-इनेबल्ड सर्विसेज पार्टनर बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के लेखापरीक्षित ऑडिटेड एकीकृत वित्तीय नतीजे की घोषणा की है। कंपनी के प्रदर्शन और हालिया घटनाक्रमों को लेकर बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक शिखर अग्रवाल ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी ने अब तक सबसे बेहतर वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है और कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 30.8 प्रतिशत के उछाल के साथ 2,193.3 करोड़ रुपये हो गया। वीजा और कॉन्सुलर के साथ-साथ डिजिटल कारोबार में मजबूत प्रदर्शन से इस प्रदर्शन को बल मिला।

वहीं, ईबीआईटीडीए 82.1 प्रतिशत बढ़कर 629.3 करोड़ रुपये हो गया. वित्त वर्ष 2024-25 में मार्जिन भी 808 आधार अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 28.7 प्रतिशत पर पहुंच गया। हमने पूरे साल के दौरान दोनों कारोबार के लिए कई तरह की पहल कीं।

इस्कॉन द्वारका में गीता ज्ञान प्रतियोगिता कल

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। इस्कॉन द्वारका में पहली बार क्षेत्र के लगभग सभी प्रमुख स्कूलों के लिए गीता ज्ञान प्रतियोगिता के फाइनल राउंड का आयोजन किया जा रहा है। 18 मई रविवार को मंदिर परिसर में प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच इस अंतिम राउंड के लिए द्वारका के विभिन्न स्कूलों के लगभग 100 बच्चे गीता ज्ञान प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रमुख स्कूलों की इस सूची में वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 10, श्री वेंकटेश्वर इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 18, सचदेवा ग्लोबल स्कूल, सेक्टर 18, बसवा इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 23, डीएवी स्कूल सेक्टर 6, मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 19, एमआरवी स्कूल सेक्टर 13, प्रगति पब्लिक स्कूल सेक्टर 13 के 8 स्कूलों के नाम उल्लेखनीय हैं। गीता ज्ञान प्रतियोगिता के इस फाइनल राउंड में कक्षा 7 से लेकर 12 तक के छात्र शामिल हैं। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 10 बजे से दो चरणों में होगी। प्रथम चरण में गीता से नकारात्मक अंकन के साथ बहुविकल्पीय प्रश्न-उत्तर का राउंड होगा। इस राउंड में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 10 बच्चों को अगले राउंड के लिए चयनित किया जाएगा। इसमें प्रश्नोत्तरी आधारित प्रश्न-उत्तर, श्लोक पाठ, श्लोक अनुवाद आदि शामिल रहेंगे। दोपहर साढ़े 12 बजे मंदिर उपाध्यक्ष श्रीगौर प्रभु द्वारा पुरस्कार दिए जाएंगे।

द्वारका के प्रमुख स्कूलों के बच्चे करेंगे आध्यात्मिक ज्ञान का प्रदर्शन

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2025

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का संचालन किया जायेगा, जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृत्ति	चलने के दिन	चलने के तिथि
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जंक्शन	08:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04087	पटना जंक्शन	12:00	नई दिल्ली	04:40			11.07.2025 तक
04064	नई दिल्ली	09:30	शेखपुरा	05:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04063	शेखपुरा	07:00	नई दिल्ली	23:35		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04066	नई दिल्ली	21:35	सहरसा जंक्शन	22:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04065	सहरसा जंक्शन	23:55	नई दिल्ली	23:30		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर	05:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04021	गोरखपुर	07:00	नई दिल्ली	23:10		शनिवार	12.07.2025 तक
04081	नई दिल्ली	23:45	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	11:40	त्रि-साप्ताहिक	सोमवार, बुध, शनि	12.07.2025 तक
04082	श्री माता वैष्णों देवी कटरा	21:20	नई दिल्ली	09:30		मंगल, गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04012	दिल्ली जंक्शन	19:30	दरभंगा जंक्शन	20:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04011	दरभंगा जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	22:40		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04024	दिल्ली जंक्शन	19:30	वाराणसी जंक्शन	09:45	त्रि-साप्ताहिक	सोम,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04023	वाराणसी जंक्शन	18:35	दिल्ली जंक्शन	08:50		मंगल,शुक्र,रवि	11.07.2025 तक
04026	दिल्ली जंक्शन	23:05	रक्सौल जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04025	रक्सौल जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	17:45		शुक्रवार	11.07.2025 तक
04018	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	06:00	साप्ताहिक	गुरुवार	29.05.2025 तक
04017	मुजफ्फरपुर जं	07:30	आनंद विहार (ट)	06:00		शुक्रवार	30.05.2025 तक
04020	आनंद विहार (ट)	19:30	बरौनी जंक्शन	18:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04019	बरौनी जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	19:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04070	आनंद विहार (ट)	00:20	राजगीर	19:50	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04069	राजगीर	23:30	नई दिल्ली	19:00		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04096	आनंद विहार (ट)	05:00	जयनगर	12:00	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04095	जयनगर	17:00	आनंद विहार (ट)	19:55		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04098	आनंद विहार (ट)	05:00	सीतामढी	02:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04097	सीतामढी	03:45	आनंद विहार (ट)	01:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04030	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	04:30	द्वि-साप्ताहिक	शनिवार	17.05.2025 को
04029	मुजफ्फरपुर जंक्शन	06:15	आनंद विहार (ट)	03:10		रविवार	18.05.2025 को
04094	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04093	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		शनिवार	12.07.2025 तक
04207	लखनऊ जंक्शन	08:05	नई दिल्ली	17:50	साप्ताहिक	सोमवार	07.07.2025 तक
04208	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ जंक्शन	06:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04213	अयोध्या कैंट	18:20	आनंद विहार (ट)	06:00	त्रि-साप्ताहिक	रवि,मंगल,गुरु	10.07.2025 तक
04214	आनंद विहार (ट)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00		सोम,बुध,शुक्र	11.07.2025 तक
04687	बनिहाल	18:40	बडगाम	20:20	सप्ताह में 06 दिन	शुक्रवार को छोड़कर	03.06.2025 तक
04688	बडगाम	08:35	बनिहाल	10:40			03.06.2025 तक
04217	वाराणसी जंक्शन	06:25	लखनऊ जंक्शन	11:45	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
04218	लखनऊ जंक्शन	16:30	वाराणसी जंक्शन	21:50			30.06.2025 तक
04219	शाहगंज जंक्शन	22:35	अयोध्या धाम जंक्शन	01:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04220	अयोध्या धाम जंक्शन	02:10	शाहगंज जंक्शन	04:40			10.07.2025 तक
02270	लखनऊ जंक्शन (वंदे भारत स्पेशल)	14:15	छपरा	21:30	सप्ताह में 06 दिन	मंगलवार को छोड़कर	11.07.2025 तक
02269	छपरा (वंदे भारत स्पेशल)	23:00	लखनऊ जंक्शन	06:30			11.07.2025 तक
04604	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	18:15	वाराणसी जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04603	वाराणसी जंक्शन	05:30	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	11:25		मंगलवार	08.07.2025 तक
04206	वाराणसी जंक्शन	14:50	चंडीगढ़	07:45	साप्ताहिक	शनिवार	05.07.2025 तक
04205	चंडीगढ़	09:30	वाराणसी जंक्शन	01:20		रविवार	06.07.2025 तक
04518	भटिंडा जंक्शन	20:50	वाराणसी जंक्शन	17:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, शुक्र	11.07.2025 तक
04517	वाराणसी जंक्शन	20:40	भटिंडा जंक्शन	17:00		मंगल, शनि	12.07.2025 तक
04209	लखनऊ जंक्शन	20:45	चंडीगढ़	07:55	त्रि-साप्ताहिक	सोम,बुध,शुक्र	09.07.2025 तक
04210	चंडीगढ़	10:20	लखनऊ जंक्शन	21:30		मंगल,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04504	चंडीगढ़	23:35	पटना जंक्शन	22:10	साप्ताहिक	गुरुवार	29.05.2025 तक
04503	पटना जंक्शन	22:45	चंडीगढ़	23:10		शुक्रवार	30.05.2025 तक
04302	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	मुजफ्फरपुर जंक्शन	13:00	साप्ताहिक	मंगलवार	15.07.2025 तक
04301	मुजफ्फरपुर जंक्शन	15:00	योग नगरी ऋषिकेश	14:20		बुधवार	16.07.2025 तक
04606	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	21:30	गुवाहाटी	19:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	30.05.2025 तक
04605	गुवाहाटी	23:20	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	20:45		सोमवार	02.06.2025 तक
04610	जम्मू तवी	06:20	वाराणसी जंक्शन	05:10	साप्ताहिक	गुरुवार	09.07.2025 तक
04609	वाराणसी जंक्शन	09:00	जम्मू तवी	07:45		शुक्रवार	10.07.2025 तक
04304	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	गोरखपुर	06:20	साप्ताहिक	शनिवार	12.07.2025 तक
04303	गोरखपुर	09:00	योग नगरी ऋषिकेश	00:55		रविवार	13.07.2025 तक
04602	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	15:10	पटना जंक्शन	18:00	द्वि-साप्ताहिक	बुध, शनिवार	12.07.2025 तक
04601	पटना जंक्शन	20:50	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	23:55		गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04608	अमृतसर जंक्शन	20:10	दरभंगा जंक्शन	02:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	11.07.2025 तक
04607	दरभंगा जंक्शन	04:00	अमृतसर जंक्शन	10:30		रविवार	13.07.2025 तक
04212	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	लोकमान्य तिलक	14:00	साप्ताहिक	सोमवार	23.06.2025 तक
04211	लोकमान्य तिलक	16:35	सुल्तानपुर जंक्शन	23:00		मंगलवार	24.06.2025 तक
05559	रक्सौल जंक्शन	05:30	उधना जंक्शन	12:35	साप्ताहिक	शनिवार	17.05.25 से 26.07.25 तक
05560	उधना जंक्शन	15:35	रक्सौल जंक्शन	00:15		रविवार	18.05.25 से 27.07.25 तक
04058	नई दिल्ली	19:30	सहरसा	19:50	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	20.05.25 से 11.07.25 तक
04057	सहरसा	21:40	नई दिल्ली	23:30		बुध, शनि	21.05.25 से 12.07.25 तक
04072	दिल्ली जं.	11:00	दरभंगा जं.	13:30	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	19.05.25 से 10.07.25 तक
04071	दरभंगा जं.	15:00	दिल्ली जं.	18:50		मंगल, शुक्र	20.05.25 से 11.07.25 तक
03255	पटना जंक्शन	22:20	आनंद विहार (ट)	18:35	द्वि-साप्ताहिक	रवि, गुरु	02.01.2025 से अगले आदेश तक
03256	आनंद विहार (ट)	23:30	पटना जंक्शन	18:35		सोम, शुक्र	03.01.2025 से अगले आदेश तक
05049	छपरा	10:15	अमृतसर जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
05050	अमृतसर जंक्शन	17:45	छपरा	23:55		शनिवार	08.02.2025 से अगले आदेश तक
05305	छपरा	22:00	आनंद विहार (ट)	00:20	द्वि-साप्ताहिक	सोम, गुरु	17.02.2025 से अगले आदेश तक
05306	आनंद विहार (ट)	22:10	छपरा	22:50		बुध, शनि	19.02.2025 से अगले आदेश तक
05057	गोरखपुर जंक्शन	22:45	दिल्ली जंक्शन	12:50	साप्ताहिक	गुरुवार	06.02.2025 से अगले आदेश तक
05058	दिल्ली जंक्शन	14:00	गोरखपुर जंक्शन	06:25		शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
01701	जबलपुर	19:40	अयोध्या कैंट	11:00	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01702	अयोध्या कैंट	13:30	जबलपुर	04:15		गुरुवार	26.06.2025 तक
03309	धनबाद जंक्शन	10:10	जम्मू तवी	22:40	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शनि	28.06.2025 तक
03310	जम्मू तवी	23:30	धनबाद जंक्शन	14:00		बुध, रवि	29.06.2025 तक
02397	गया	14:15	आनंद विहार (ट)	07:10	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
02398	आनंद विहार (ट)	08:20	गया	00:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार	00:30	साप्ताहिक	रविवार	27.07.2025 तक
03258	आनंद विहार (ट)	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	28.07.2025 तक
03697	गया	14:15	दिल्ली जंक्शन	07:45	सप्ताह में 6 दिन	रवि को छोड़कर	30.06.2025 तक
03698	दिल्ली जंक्शन	08:55	गया	00:30		सोम को छोड़कर	01.07.2025 तक
05577	सहरसा जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	00:30	सप्ताह में 5 दिन	गुरु, शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
05578	आनंद विहार (ट)	05:15	सहरसा जंक्शन	10:30		शनि, सोम को छोड़कर	02.07.2025 तक
02393	राजेंद्र नगर	20:10	नई दिल्ली	12:10	सप्ताह में 6 दिन	गुरुवार को छोड़कर	30.06.2025 तक
02394	नई दिल्ली	13:20	राजेंद्र नगर	07:00		शुक्र को छोड़कर	01.07.2025 तक
02877	रांची	23:55	नई दिल्ली	03:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
02878	नई दिल्ली	04:00	रांची	05:00		रविवार	29.06.2025 तक
05736	कटिहार जंक्शन	21:00	अमृतसर जंक्शन	09:45	साप्ताहिक	बुधवार	21.05.25 से 25.06.25 तक
05735	अमृतसर जंक्शन	13:25	कटिहार जंक्शन	23:45		शुक्रवार	23.05.25 से 27.06.25 तक
09183	मुंबई सेंट्रल	22:50	वाराणसी जंक्शन	10:30	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09184	वाराणसी जंक्शन	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:20		शुक्रवार	27.06.2025 तक
03223	राजगीर	06:05	हरिद्वार जंक्शन	06:05	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
04324	हरिद्वार जंक्शन	07:20	राजगीर	07:15		शनिवार	28.06.2025 तक
03221	राजगीर	14:00	शहीद कप्तान तुषार एम	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03222	शहीद कप्तान तुषार एम	03:15	राजगीर	15:00		बुधवार	02.07.2025 तक
05742	न्यू जलपाईगुड़ी	13:40	अयोध्या धाम जंक्शन	09:30	साप्ताहिक	रविवार	18.05.25 से 29.06.25 तक
05741	अयोध्या धाम जंक्शन	11:40	न्यू जलपाईगुड़ी	09:30		सोमवार	19.05.25 से 30.06.25 तक
03311	धनबाद जंक्शन	23:50	चंडीगढ़	04:30	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
03312	चंडीगढ़	06:00	धनबाद जंक्शन	09:00		गुरु, रवि	29.06.2025 तक
05113	छपरा	15:45	आनंद विहार (ट)	14:25	साप्ताहिक	बुधवार	16.07.2025 तक
05114	आनंद विहार (ट)	16:00	छपरा	14:00		गुरुवार	17.07.2025 तक
05301	मऊ जंक्शन	04:00	अंबाला कैंट	00:30	साप्ताहिक	गुरुवार	17.07.2025 तक
05302	अम्बाला कैंट	01:40	मऊ जंक्शन	22:00		शुक्रवार	18.07.2025 तक
05193	छपरा	14:00	शहीद कप्तान तुषार एम	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	19.05.25 से 14.07.25 तक
05194	शहीद कप्तान तुषार एम	00:10	छपरा	08:00		बुधवार	21.05.25 से 16.07.25 तक
07363	हुब्बल्ली जंक्शन	20:30	योग नगरी ऋषिकेश	23:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.02.2025 से अगले आदेश तक
07364	योग नगरी ऋषिकेश	06:15	हुब्बल्ली जंक्शन	06:30		गुरुवार	27.02.2025 से अगले आदेश तक
01491	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
01492	हजरत निजामुद्दीन	22:10	पुणे	23:55		शनिवार	28.06.2025 तक
09101	वडोदरा जंक्शन	19:00	हरिद्वार जंक्शन	14:30	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
09102	हरिद्वार जंक्शन	17:20	वडोदरा जंक्शन	11:25		रविवार	29.06.2025 तक
07023	चर्लपल्ली	20:45	हजरत निजामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
07024	हजरत निजामुद्दीन	04:00	चर्लपल्ली	06:30		मंगलवार	01.07.2025 तक
07621	हुजूर साहिब नांदेड़	08:45	हजरत निजामुद्दीन	14:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
07622	हजरत निजामुद्दीन	21:40	हुजूर साहिब नांदेड़	00:35		रविवार	29.06.2025 तक
09309	इंदौर जंक्शन	17:00	हजरत निजामुद्दीन	05:00	द्वि-साप्ताहिक	शुक्र, रवि	29.06.2025 तक
09310	हजरत निजामुद्दीन	08:20	इंदौर जंक्शन	21:00		शनि, सोम	30.06.2025 तक
09003	मुंबई सेंट्रल	10:30	दिल्ली जंक्शन	10:00	द्वि-साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
09004	दिल्ली जंक्शन	13:05	मुंबई सेंट्रल	13:30		बुध, शनि	28.06.2025 तक
09425	साबरमती	17:20	हरिद्वार जंक्शन	17:00	द्वि-साप्ताहिक	गुरु, रवि	29.06.2025 तक
09426	हरिद्वार जंक्शन	21:00	साबरमती	22:30		शुक्र, सोम	30.06.2025 तक
09603	उदयपुर सिटी	01:50	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	06:35	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09604	श्री माता वैष्णों देवी कटरा	10:50	उदयपुर सिटी	13:55		गुरुवार	26.06.2025 तक
01441	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	मंगलवार	27.05.2025 तक
01442	हजरत निजामुद्दीन	22:20	पुणे	02:45		बुधवार	28.05.2025 तक
01705	जबलपुर	15:45	हरिद्वार जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01706	हरिद्वार जंक्शन	17:40	जबलपुर	17:50		गुरुवार	26.06.2025 तक
07077	चर्लपल्ली	05:00	देहरादून	19:20	साप्ताहिक	मंगलवार	27.05.2025 तक
07078	देहरादून	07:00	चर्लपल्ली	22:30		गुरुवार	29.05.2025 तक

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

कैपिटल ज़ोन

उवाच

कंपनी बाग लाइब्रेरी में विद्यार्थियों द्वारा कई समस्याओं का सामना किया जा रहा था। प्लानिंग करते हुए लाइब्रेरी को आधुनिक बनाया गया। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित लाइब्रेरी में एक समय में 40 से 50 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है : **विक्रमादित्य मलिक, नगर आयुक्त**

नगर आयुक्त ने शहर की सबसे पुरानी कंपनी बाग लाइब्रेरी का लिया जायजा, कहा

अब प्रतियोगिताओं की तैयारी करने वाले छात्रों को मिलेगा मौका

गाजियाबाद, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। शहर की सबसे पुरानी कंपनी बाग स्थित लाइब्रेरी अब हाईटेक लाइब्रेरी बन गई है। अब यहां पर किताबों का रखरखाव डिजिटल होगा साथ ही विद्यार्थियों को इंटरनेट की सुविधा भी मिलेगी। इसके साथ ही अब शहर में ही यूपीएससी यूपीपीसीएस व अन्य प्रतियोगिताओं की तैयारी करने का मौका छात्रों को मिलेगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने शुक्रवार को इस लाइब्रेरी का जायजा लिया।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा कंपनी बाग स्थित लाइब्रेरी का जीर्णोद्धार कराया गया है। जिसका नगर आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया गया। शीघ्र ही महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा हाईटेक लाइब्रेरी का उद्घाटन करते हुए शुभारंभ किया जाएगा। नई सोच के साथ नगर आयुक्त द्वारा जहां शहर के विकास कार्यों को रफ्तार दी जा रही है वहीं विद्यार्थियों के लिए भी नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार कंपनी बाग स्थित लाइब्रेरी को हाईटेक बनाया गया। कंपनी बाग स्थित लाइब्रेरी को हाईटेक बनाने में निगम के द्वारा कोई भी व्यय नहीं किया गया है। नगर आयुक्त की प्लानिंग के क्रम में सीएसआर एक्टिविटी के तहत लाइब्रेरी को आधुनिक रूप दिया गया है, निरीक्षण के दौरान नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश भी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने बताया कि कंपनी बाग लाइब्रेरी में विद्यार्थियों द्वारा कई समस्याओं का सामना

■ लाइब्रेरी में किताबों का रखरखाव होगा डिजिटल, विद्यार्थियों को मिलेगी इंटरनेट की सुविधा

किया जा रहा था। विद्यार्थियों से हुई चर्चा के क्रम में प्लानिंग करते हुए लाइब्रेरी को आधुनिक बनाया गया। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित लाइब्रेरी में एक समय में 40 से 50 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से कमरा बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए, महिलाओं के लिए, तथा पुरुष के लिए अलग-अलग शौचालय बनाए गए हैं। लाइब्रेरी को बारकोड से जोड़ा जाएगा और किताबों का रखरखाव डिजिटल होगा। कार्य में गाजियाबाद नगर निगम का सहयोग नेचर ग्रीन टूल्स एंड मशीन प्राइवेट लिमिटेड का सहयोग रहा है, डायरेक्टर शिवम गोयल है। नगर आयुक्त ने बताया कि विद्यार्थियों को मेंबरशिप भी दी जाएगी तथा प्रतिदिन के हिसाब से भी विद्यार्थियों हेतु एंट्री व्यवस्था भी की गई है। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त द्वारा वहां पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों से भी वार्ता करते हुए मोटिवेट किया गया। उन्होंने बताया कि शहर में यूपीएससी/ यूपीपीसीएस तथा अन्य कंपटीशन की तैयारी करने वालों के लिए कंपनी बाग में ही स्टडी केंद्र बनाने की योजना है जिसके लिए अलग से क्लास की व्यवस्था भी की जाएगी।

मानसून से पहले नालों की सफाई को निगम ने दी रफ्तार

■ नगर आयुक्त ने सिटी तथा कवि नगर जोन में किया औचक निरीक्षण

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक शहर भ्रमण के दौरान नालों की सफाई व्यवस्था को देखा। जिसमें सिटी तथा कवि नगर ज़ोन अंतर्गत चल रहे नालों की सफाई के कार्यों का औचक निरीक्षण किया गया। कवि नगर जोन अंतर्गत एएलटी से होते हुए हापुर चुंगी तथा डायमंड फ्लाई ओवर तथा विवेकानंद नगर तक के नाले की सफाई का जायजा लिया गया। जिसकी लंबाई लगभग 5 किलोमीटर है जिसकी सफाई लगभग 10 भागों में चल रही है। इसी क्रम में सिटी जोन अंतर्गत प्रताप विहार से होते हुए साइ उपवन तक इको पार्क वाले नाले का जायजा लिया गया जिसकी लंबाई लगभग डेढ़ किलोमीटर है। जिसकी सफाई तीन भागों में चल रही है, दोनों स्थानों पर उपकरणों के माध्यम से सफाई का कार्य होते हुए मिला निरीक्षण के दौरान मौके पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश तथा क्षेत्रीय एस एफ आई कवि नगर से हिमांशु तथा सिटी ज़ोन से नरेश भी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त द्वारा वार्ड 93 केला भट्टा रेलवे लाइन इको पार्क के पास पहुंचकर जनप्रतिनिधि आरिफ मलिक के साथ चल रहे नाले की सफाई का जायजा लिया गया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश तथा अन्य टीम को सबसे पहले बड़े नालों की सफाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही समय से कार्य पूर्ण हो आदेशित किया गया, नगर आयुक्त द्वारा मानसून से पहले नालों की सफाई हेतु क्विक रिस्पांस टीम बनाने के निर्देश भी दिए गए।

मटियाला रोड सदरपुर में चला जीडीए का बुलडोजर, कई अवैध निर्माण ध्वस्त

गाजियाबाद, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। जीडीए का अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। शुक्रवार को जीडीए का बुलडोजर मटियाला रोड पर सदरपुर में चला जहां पर कई अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए गए।

प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में मो आबिद व मौ अतीक व इन्द्रपाल द्वारा जनहित इस्टीटयूट के सामने मटियाला रोड, ग्राम सदरपुर, गाजियाबाद में लगभग 21.00 बीघा में अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कालोनी में भूखण्डों की बाउण्ड्रीवाल, सड़क, विद्युत पोल आदि के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के समय स्थानीय विकासकर्ताओं/ निर्माणकर्ताओं द्वारा काफी विरोध किया गया। परन्तु प्राधिकरण पुलिस बल द्वारा उन्हे नियन्त्रित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रखी गई। मौके पर उपस्थित लोगो से यह अपील की गई कि अनाधिकृत रूप से विकसित की जा रही कालोनी में भूखण्डों का क्रय-विक्रय न करें।

सार संक्षेप

कमरे से नकदी समेत अन्य सामान चोरी

नोएडा। गढ़ी चौखंडी गांव स्थित घर के कमरे से चोर 65 हजार रुपए की नकदी समेत अन्य सामान चोरी कर फरार हो गए। पान की दुकान से वापस आने पर पीड़ित को घटना की जानकारी हुई। फेज तीन थाने में दी शिकायत में जीवन यादव ने बताया कि आठ मई को उन्होंने अपनी पल्सर बाइक 65 हजार रुपये में बेची थी। सारा पैसा गढ़ी चौखंडी स्थित किराये के कमरे में रखा हुआ था। रोजाना की तरफ सुबह ही जीवन दुकान पर चले गए। रात नौ बजकर 40 मिनट पर जब वह लौटे तो देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ है और अंदर रखा पैसा और मोबाइल चार्जर समेत अन्य सामान गायब है। पड़ोसियों से जब इस बारे में शिकायतकर्ता ने पूछा तो सभी ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है और कमरा पहले से ही खुला हुआ था। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

रेकी कर वाहन चुराने वाले गिरोह के तीन गिरफ्तार

नोएडा। रेकी कर दो पहिया वाहनों की चोरी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि 29 अप्रैल को सोरखा गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी टीवीएस स्पोर्ट्स बाइक चोरी होने की शिकायत दी थी। केस दर्ज करने के साथ ही वाहन चोरों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई थी। टीम शुक्रवार को जब एफएनजी कट सेक्टर-122 के पास चेकिंग कर रही थी तभी उधर की सर्विस रोड से एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक गुजरे। संदिग्ध लगने पर पुलिस टीम ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो बाइक सवार भागने लगे। टीम ने पीछा कर तीनों को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उनके पास जो बाइक है उसे उन्होंने बीते माह सोरखा गांव से चुराया था। तीनों चोरी की बाइक को बेचने जा रहे थे। आरोपियों की पहचान आगरा के डौकी निवासी कृष्णकांत सिंह, पश्चिम बंगाल के वर्धमान निवासी सनातन हलदर और हरदोई के अतरौली निवासी सर्वेश कुमार के रूप में हुई है।

शराब और गाजा तस्कर को दबोचा

नोएडा। नोएडा में अलग-अलग जगह से पुलिस ने शराब और गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। उनके पास से अवैध शराब व गांजा बरामद किया। गांजा तस्कर बाइक से तस्करी कर रहा था। पुलिस दोनों तस्करों को गांजा व शराब उपलब्ध कराने वालों का पता करने में जुटी है। सेक्टर 113 थाना पुलिस वृहस्पतिवार रात को एफएनजी कट पर्थला के पास से चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने संदिग्ध बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, लेकिन वह बचकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। उसकी पहचान बदायूं के उगैती गांव के राहुल गुप्ता के रूप में हुई।

ज्वेलर्स ने भी तुर्किए के सोने-चांदी व अन्य उत्पादों को न बेचने का लिया निर्णय

■ सालाना दो सौ करोड़ से ज्यादा की लगेगी चपत

शहर में कुल कारोबार का करीब 15 प्रतिशत हिस्सा ज्वेलरी मार्केट में तुर्किए का है : राजकिशोर

गाजियाबाद, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। साहिबाबाद सब्जी मंडी में तुर्किए के फल आयात करने व उनकी बिक्री बंद करने के निर्णय के बाद अब गाजियाबाद के ज्वेलर्स ने भी तुर्किए के सोने व चांदी व अन्य उत्पादों को न बेचने का निर्णय लिया है। ज्वेलर्स ने एलान किया है कि अब वे अपने शोरूमों में तुर्किए का कोई भी उत्पाद नहीं रखेंगे।

एक अनुमान के मुताबिक इस निर्णय से जिलों में तुर्किए को 200 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होगा। ज्वेलर्स का कहना है कि इसके पीछे उनका मकसद तुर्किए की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना है। क्योंकि इस देश ने भारत पाकिस्तान तनाव के बीच पाकिस्तान का साथ दिया था जो पूरे भारतवर्ष को नागवार गुजर रहा है । यह निर्णय इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के आह्वान पर लिया गया है।

संगठन के जिला अध्यक्ष राज किशोर अग्रवाल ने बताया कि इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन ने आह्वान किया है कि तुर्की का कोई भी उत्पाद ना बेचा जाए ना ही आयात किया जाए। इसी को लेकर गाजियाबाद के ज्वेलर्स ने भी यह निर्णय लिया है। तुर्किए का कोई भी उत्पाद ना बेचा जाए। यह निर्णय आज से ही लागू हो गया है।

सालाना 500 करोड़ रुपए से ज्यादा का होगा नुकसान

राजकिशोर ने बताया कि गाजियाबाद में 100 से ज्यादा ऐसे बड़े ज्वेलरी शोरूम है। जिनमें सोने व चांदी से बने जेवरात व अन्य उत्पाद की बिक्री की जाती है। गाजियाबाद, साहिबाबाद, मोदीनगर, मुरादनगर, लोनी, वैशाली, कौशाम्बी, इन्दिरपुरम में करीब 100 शोरूम हैं जिनमे तुर्किए के उत्पाद बेचे जाते हैं।

तुर्किए से सामान आयात किया जाता है। वह सोने व चांदी से बना होता है। कुल कारोबार का करीब 15 प्रतिशत हिस्सा ज्वेलरी मार्केट में तुर्किए का है। उन्होंने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। संकट के समय में तुर्किए ने दुश्मन देश पाकिस्तान का साथ दिया। अत: तुर्की को सबक सिखाने के लिए यह निर्णय लिया है। पूरे देश में लागू किया गया है।

प्राधिकरण की अर्जित भूमि पर अतिक्रमण करने के मामले में 4 पर मुकदमा दर्ज

■ लेखपाल की ओर से की गई शिकायत

शिकायत के आधार पर चार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है : कृष्ण गोपाल शर्मा, थाना प्रभारी निरीक्षक

नोएडा, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण की अर्जित भूमि पर मिट्टी से भराव कराकर अवैध अतिक्रमण करने का मामला सामने आया है। इससे प्राधिकरण द्वारा बनवाई गई नाली को भी नुकसान हुआ है। लेखपाल ने गांव के चार लोगों के खिलाफ सेक्टर 113 थाने में मामला दर्ज कराया है। उधर, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी अवैध अतिक्रमण को लेकर लगातार सख्ती बरत रहे हैं। कब्जामुक्त कराने के अलावा मुकदमे दर्ज कराने की कार्रवाई कराई जा रही है।नोएडा प्राधिकरण की गांव व सेक्टरों में सरकारी जमीन है।

सलारपुर गांव के खसरा संख्या 121 व 122 भी प्राधिकरण की अर्जित भूमि है। इस पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं कराया जा सकता है। गांव के कुछ लोग खसरे की जमीन पर नजर लगाए हुए हैं। वहां पर मिट्टी से भराव करा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से कई बार मिट्टी डलवाई जा चुकी है। इससे प्राधिकरण की ओर से बनवाई गई नालियों को भी नुकसान हुआ है। प्राधिकरण वर्क सर्किल छह के अधिकारियों की ओर से जांच कराई गई तो पता चला कि गांव के चाहत भाटी, श्रद्धा भाटी, विजयपाल भाटी व राजे काम करा कर रहे हैं। ऐसा कर अवैध अतिक्रमण करने का प्रयास हो रहा है। यहां पर देर सबेर निर्माण कराने की भी योजना है। वर्क सर्किल छह के वरिष्ठ प्रबंधक ने तहसील को मामले से अवगत कराया था। लेखपाल की ओर से पुलिस से शिकायत की गई। थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर चार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

फ्लैट खाली न करने पर मुकदमा दर्ज

नोएडा, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली के रहने वाली बुजुर्ग महिला को अपना फ्लैट वर्ष 2017 में एक साल के लिए भतीजे को अस्थाई रहने के लिए देना भारी पड़ गया। पति की मौत के बाद आरोपित फ्लैट खाली करने के बाद धमका रहा है। महिला ने फेज दो थाने में भतीजे समेत तीन के खिलाफ संपत्ति पर कब्जा करने, धमकी देने व षडयंत्र करने की धाराओं में मामला दर्ज कराया है। नई दिल्ली निजामुद्दीन इस्ट में रहने वालीं मधु शरण ने नोएडा सेक्टर 110 स्थित लोटस पनाश सोसायटी के टावर छह स्थित 16वीं मंजिल के अपने फ्लैट को भतीजे प्रकाश श्रीवास्तव को दिया था। प्रकाश ने मजबूरी बताकर 2017 में एक साल के लिए फ्लैट लिया था। इससे महिला को लगा की प्रकाश की मदद हो जाएगी और बंद पड़े फ्लैट की देखभाल भी हो सकेगी। 2019 में महिला के पति की मौत हो गई। उन्होंने कुछ दिनों बाद प्रकाश से फ्लैट खाली करने को बोला। प्रकाश ने टरकाना शुरू किया। महिला ने डीलर से बेचने के लिए फ्लैट दिखाया तो प्रकाश ने आपत्ति जताई। फ्लैट को अपना बताया और धमकाते हुए डीलर को वापस भेज दिया। महिला ने इस बारे में प्रकाश से पूछा तो उसने फ्लैट खाली करने से इनकार कर दिया। आरोपित महिला को न तो कब्जा दे रहा है और न ही बेचने दे रहा है। आरोपी धमकी भी दे रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक विन्ध्याचल तिवारी ने प्रकाश और दो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अघोषित बिजली कटौती से लोगों की बढ़ी परेशानियां

■ केवल फाल्ट होने पर लाइनों की मरम्मत के दौरान ही बिजली कटती है : विद्युत निगम

खोड़ा, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। जैसे जैसे सूर्य देव की त्योरियां चढ़ती जा रही है। अघोषित बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। विद्युत निगम के अधिकारी भले ही निर्बाध आपूर्ति के दावे करते रहे। लेकिन बढ़ती गर्मी के साथ विद्युत निगम के दावे भी हवाई साबित होने लगे है। विद्युत निगम के अधिकारी सर्दियों के दौरान रोस्टर लेकर ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने लाइनों की मरम्मत जर्जर केबिल को बदलने का कार्य करते है।

बावजूद गर्मियों के प्रारंभ होने से पहले ही कभी तार जलने टूटने केबिलो के फुंकने अथवा तकनीकी फाल्ट की वजह से उपभोक्ताओं को खामियाजा भुगतना पड़ता है। सोसाइटियों की बात अलग है कि बिजली कटौती के दौरान जनरेटर आदि की सहायता से बिजली कटौती का सामना कर लेते है। बुधवार शाम से रात्रि दस बजे तक निकाय क्षेत्र के तहत बिजली आती जाती रही। यही स्थिति वृहस्पतिवार को दीपक विहार अनिल विहार आजाद विहार व अन्य कई विहारों में शाम छ से रात्रि ग्यारह तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ा। बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़नी शुरू हो गई है। विद्युत निगम के अधिकारियों का कहना है कि केवल फाल्ट होने पर लाइनों की मरम्मत के दौरान ही बिजली कटती है। और कोई कटौती नहीं की जा रही है।

सोसाइटी के बाहर खड़ी डिलिवरी वैन से लाखों का सामान चोरी

नोएडा, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। डिलिवरी वैन से आरोपी तीन लाख रुपये से अधिक का सामान चोरी कर फरार हो गए। वैन जब बरामद की गई तो उसमें से सामान गायब था। मामले की शिकायत पीड़ित ने फेज दो थाने की पुलिस से की है।

शिकायत में चोटपुर कॉलोनी निवासी रियाजुद्दीन अंसारी ने बताया कि वह सेक्टर-83 स्थित एक कंपनी में बीते तीन साल से डिलिवरी ब्वॉय का काम करते हैं। रोजाना की तरह बीते 16 अप्रैल को रियाजुद्दीन ऑफिस से सुबह अपनी डिलिवरी वैन लेकर निकले। वैन में तीन लाख 17 हजार रुपए का डिलिवरी का सामान रखा था। सुबह 11 बजे के करीब शिकायतकर्ता सेक्टर-92 स्थित द फॉरेस्ट सोसाइटी पहुंचे और वैन से शिपमेंट निकालकर डिलिवरी के लिए सोसाइटी के अंदर चले गए। करीब बीस मिनट बाद जब वह सोसाइटी के बाहर आए तो देखा कि वैन गायब है। इसके बाद शिकायतकर्ता ने डॉयल-112 पर कॉल कर पुलिस को घटना की जानकारी दी।

राजनगर एक्सटेंशन के निवासियों को मिलेगी राहत, अंतिम दौर में सड़क निर्माण कार्य

गाजियाबाद, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। राजनगर एक्सटेंशन के निवासियों खुशखबरी आई है। जीडीए द्वारा राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में बंधा रोड से चार्म्स कैसेल से क्लासिक रेजिडेंसी तक सड़क का निर्माण का कार्य किया जा रहा है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है।

इस चकरोड की खराब हालत के कारण स्थानीय लोगों को प्रतिदिन आने-जाने में परेशानी, धूल की समस्या व बारिश के कारण जलभराव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उपाध्यक्ष के निर्देशों के क्रम में सड़क निर्माण कार्य हेतु टेन्डर प्रक्रिया मार्च 2024 में शुरू की गई थी। जिसके उपरांत शीघ्र नाला निर्माण का कार्य पूर्ण किया गया और सड़क पर गड्ढों को भर दिया गया है। वर्तमान में रोड संबंधी कार्य अंतिम चरण में है, जो मई 2025 के अंत तक पूर्ण होने की संभावना है। कार्य की लागत 218.85 लाख है तथा 700 मीटर लंबाई है जिसके फलस्वरूप सड़क सुदृढ़ीकरण के कार्य के लिए उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। इस कार्य से क्षेत्र के निवासियों को धूल की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन में होने वाली परेशानी से भी निजात मिलेगी। इसके अलावा, सड़क का सुदृढ़ीकरण होने से क्षेत्र की सुंदरता भी बढ़ेगी और निवासियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। जीडीए का यह कार्य क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है ।

3500 चौराहे-तिराहे का लेफ्ट टर्न होगा फ्री

■ जंक्शन पर जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी

■ शहर की सड़कों पर लगातार बढ़ रहा यातायात का भार

■ सिविल विभाग ने एक से दस वर्क सर्किल के वरिष्ठ प्रबंधकों को दिया आदेश

शहर के सभी चौराहों व तिराहों के लेफ्ट टर्न अच्छी तरीके से फ्री होंगे, तमाम लेफ्ट टर्न अभी उस स्थिति में नहीं है, जिनसे आसानी वाहन निकल सके। सर्वे रिपोर्ट आने के बाद इस पर काम शुरू होगा।

नोएडा, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। शहर में यातायात जाम को खत्म करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने कवायद शुरू कर दी है। जिसके तहत मुख्य मार्ग से लेकर सेक्टर की आंतरिक सड़कों पर पड़ने वाले चौराहे-तिराहे पर लेफ्ट टर्न को फ्री किया जाएगा। इससे इस रास्ते आने वाला यातायात आसानी से निकल जाएगा। जंक्शन पर जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। इस दिशा में सीईओ के निर्देश पर सिविल विभाग ने काम शुरु कर दिया है। ऐसे में उपमहाप्रबंधक (सिविल) विजय कुमार रावल ने वर्क सर्किल एक से लेकर दस तक सभी वरिष्ठ प्रबंधकों से अपने अपने क्षेत्र में लेफ्ट टर्न को लेकर सर्वे करने का आदेश दिया है, जिसमें लेफ्ट टर्न फ्री करने में आनी वाली बाधकों के बिंदुओं को तैयार कर रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा है।

बता दें कि शहर में नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, दादरी सूरजपुर छलेरा (डीएसडी) रोड, मास्टर प्लान सड़क नंबर एक से आठ तक मुख्य मार्ग है। इसके अलावा तमाम 45 मीटर रोड समेत सेक्टरों की आंतरिक सड़कें है, जिन पर प्रतिदिन यातायात जाम लगता है। इस पर प्रतिदिन सुबह व शाम पीक आवर में यातायात जाम लगता है। इसका प्रमुख कारण मुख्य चौराहों से लेकर तिराहों पर लेफ्ट टर्न का फ्री नहीं रहना है। इसका कारण फुटपाथों का अनावश्क चौड़ीकरण है या मकान, दुकान, फैक्ट्री का अतिक्रमण है। जिस कारण यहां पर आकर यातायात फंस जाता है, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसकी शिकायत भी प्राधिकरण कार्यालय पर पहुंचती है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। लगातार शहर की सड़कों पर यातायात का भार बढ़ रहा है, लेकिन उस हिसाब से सड़कों की संख्या में इजाफा है, जिसको भी यातायात जाम का कारण माना जा रहा है। ऐसे में अब प्राधिकरण ने सभी मुख्य मार्ग, सेक्टरों की आंतरिक सड़क और सेक्टरों के अंदर बने टी प्वाइंट या चौराहे का पूरी तरह से नवीनीकरण किया जाएगा, जिसमें लेफ्ट टर्न को फ्री रखने के लिए बाधक बन रहे कारणों को दूर किया जाएगा, जिससे आने जाने वाला यातायात आसानी से निकल सके। बाधक जाम का कारण न बने।

पुलिया के साइड से टूटने पर आवागमन में परेशानी

■ नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद भी नहीं हो सका पुलियां का निर्माण

खोड़ा, 16 अप्रैल (देशबन्धु)। साहिल पब्लिक स्कूल चौराहे के सामने सड़क की पुलिया के साइड से टूट जाने से राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया के टूटने से लोग चोटिल हो चुके है। पुलिया के क्षतिग्रस्त होने से सरिया बाहर निकली पड़ी है।

दुपहिया चारपहिया वाहनों को निकलने में दिक्कतें हो रही है। चौराहा काफी भीड़-भाड़ वाला क्षेत्र है। चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव अधिक है। स्थानीय लोगों द्वारा नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद भी पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया। दीपक विहार निवासी निवासी भोला खान ने बताया कि साहिल चौराहे सड़क की पुलिया एक माह से साइड में टूटकर छतिग्रस्त हो गई है। चारपहिया वाहनों को हिचकोले खाते हुए निकलना पड़ता है।

स्कूली छात्र पुलिया के बीच में फंसकर चोटिल हो चुके है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त पुलिया के साइड में गड्ढे हो गए है। पुलिया के टूटने से नाली की सफाई भी नही हो रही है। नाली में गंदा और दूषित जल जमा होने से बदबू का सामना करना पड़ता है। आरोप है की नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से शिकायत के बावजूद टूटी पुलिस का निर्माण नहीं कराया गया है। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पुलिया का निर्माण कार्य कराया जाएगा।

उवाच ❝

रनवे के करीब पूर्वी दिशा में गेट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। आपातकालीन निकासी द्वार सात मीटर चौड़ा और 142 मीटर लंबा है। इसका निर्माण कार्य एनएचआई कर रहा है। एक माह के अंदर इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा : **डॉ. अरूणवीर सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी**

नोएडा एयरपोर्ट पर आपातकालीन निकासी गेट का निर्माण शुरू

- **एक माह में पूरा होगा गेट का निर्माण कार्य**
- **एयरपोर्ट का निर्माण कार्य तेजी से पूरा करने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ाई**

ग्रेटर नोएडा, 16 मई (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल जेवर एयरपोर्ट की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए एक नया इमरजेंसी एग्जिट गेट बनाया जा रहा है। एयरपोर्ट के पूर्वी दिशा में इमरजेंसी एग्जिट का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। एक माह के अंदर इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इस मार्ग का निर्माण कार्य कर रहा है। दस्तमपुर गांव की कुछ जमीन पर विवाद होने के कारण इस गेट का निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा था। जिला प्रशासन और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अधिकारियों ने किसानों के साथ बैठक कर जमीन का विवाद हल कर दिया। वृहस्पतिवार को अधिकारियों ने मौके पर जाकर आपातकालीन निकासी गेट का निर्माण कार्य शुरू कराया।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरूणवीर सिंह के अनुसार रनवे के करीब पूर्वी दिशा में गेट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। आपातकालीन निकासी द्वार सात मीटर चौड़ा और 142 मीटर लंबा है। इसका निर्माण कार्य एनएचआई कर रहा है। एक माह के अंदर इसका निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। एयरपोर्ट पर इमरजेंसी एग्जिट गेट बनाने का मुख्य उद्देश्य यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ये गेट आपातकालीन स्थितियों, जैसे आग, आतंकी हमला, तकनीकी खराबी, या अन्य खतरों के दौरान त्वरित और सुरक्षित निकासी के लिए बनाए जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विमानन नियमों के अनुसार एयरपोर्ट को आपातकालीन निकास की व्यवस्था करनी होती है। सामान्य निकास गेटों पर भीड़ होने की स्थिति में इमरजेंसी गेट वैकल्पिक रास्ता देते हैं, जिससे अव्यवस्था कम होती है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का पहला चरण जो 1,334 हेक्टेयर में फैला है, जुलाई 2025 से उड़ानें शुरू करने की तैयारी में है। यह एयरपोर्ट न केवल दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दबाव कम करेगा, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगा।

एयरपोर्ट के अधूरे कार्यों को तेजी से किया जा रहा पूरा

नोएडा एयरपोर्ट से जुलाई 2025 से पहले व्यवसायिक विमानों का उड़ान पूरा करने के लिए अधूरे कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। शुक्रवार को विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरूणवीर सिंह के बीच बैठक हुई। जिसमें यापल के सीईओ ने जानकारी दी कि एयरपोर्ट का तकनीकी कार्य शेष रह गया है, जिसे तेजी से पूरा किया जा रहा है, इसके लिए तकनीकी श्रमिकों की संख्या बढ़ा दी गई है। वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और सीवेज ट्रीटमेंट का निर्माण कार्य भी शुरू हो गया है। टर्मिनल बिल्डिंग में स्टील फ्रेंमिंग का भी निर्माण करीब पूरा हो गया है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामों को मॉडल ग्रामों के रूप में करें विकसित : जिलाधिकारी

- **स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 (ग्रामीण) के तहत जिला स्वच्छता समिति की हुई बैठक**
- **पंचायत राज अधिकारी को दिए सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराने के निर्देश**

ग्रेटर नोएडा, 16 मई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेस-2 के तहत जिला स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेन्द्र सिंह द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से वर्तमान तक की गई कार्रवाई से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेस 2 के तहत एसएलडब्ल्यूएम के आरआरसी सेंटर, सामुदायिक खाद एवं सोख्ता गड्ढे, ई रिक्शा, सिल्ट कैचर एवं फिल्टर चौंबर आदि कार्यों की समीक्षा करते हुए समस्त ग्राम पंचायतों में मानकों के अनुसार समस्त कार्य कराए जाने के निर्देश दिए।

व्यक्तिगत शौचालय के निर्माण की समीक्षा करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु जो लक्ष्य शासन से प्राप्त हुआ है, उसी के अनुरूप शौचालय विहीन लाभार्थी चिन्हित करते हुए उनको योजना के लाभ से लाभान्वित कराया जाए। जिलाधिकारी ने सामुदायिक शौचालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए पाया कि 82 ग्राम पंचायत के सापेक्ष 62 ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि शेष ग्राम पंचायत में भी भूमि का चयन करते हुए सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया जाए। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, अन्य संबंधित अधिकारीगण तथा जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधानों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

बिना अनुमति भूजल दोहन किया तो देना पड़ेगा 2 से 5 लाख जुर्माना या कारावास

- **जिलाधिकारी ने भूगर्भ जल संरक्षण को लेकर एनओसी व पंजीकरण के लिए दिए सख्त निर्देश**

ग्रेटर नोएडा, 16 मई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल (प्रबंधन एवं विनियम) के अंतर्गत राज्य में भूमिगत जल संरक्षित नियंत्रित करने एवं भूमिगत जल का सतत प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए उसे दोनों परिमाणात्मक और गुणात्मक स्थायित्व प्रदान करने के लिए विशेष रूप से भूजल संकटग्रस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भूजल संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर दिया गया है एवं औद्योगिक, वाणिज्यिक, अवसंरचनात्मक और सामूहिक उपयोगकर्ताओं को भूजल निष्कर्षण हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त भूगर्भ कूप निर्माण की समस्त ड्रिलिंग संस्थाओं का पंजीकरण अनिवार्य किया गया है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जिले के सभी औद्योगिक (इंडस्ट्रियल), वाणिज्यिक (कमर्शियल), अवसंरचनात्मक परियोजनाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चरल), सामूहिक उपयोगकर्ताओं (बुल्क यूजर) यथा आर.ओ. प्लांट, कार वाशिंग सेंटर, होटलों, लाजों, रिसोर्टो, निजी चिकित्सालयों, परिचर्चा गृहों, कारोबार प्रक्षेत्रों, माल्स, वाटर पार्क इत्यादि सहित मौजूदा एवं प्रस्तावित भूजल उपयोगकर्ता को सचेत किया जाता है कि उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल (प्रबंधन एवं विनियम) अधिनियम-2019 की धारा 39 के अंतर्गत बिना पंजीकरण, अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) के भूगर्भ जल दोहन करने हेतु दोषी पाए गए व्यक्ति समूह संस्था को 2 से 5 लाख रुपए तक का जुर्माना अथवा 6 माह से 1 वर्ष तक का कारावास अथवा दोनों दण्ड निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उपरोक्त श्रेणी के सभी भूगर्भ जल उपयोगकर्ता तत्काल भूगर्भ जल विभाग के वेब पोर्टल पर दिशा निर्देश देखते हुए निवेश मित्र के माध्यम से सभी वांछित तकनीकी रिपोर्ट व शपथपत्रों सहित ऑनलाइन आवेदन कर पंजीकरण, अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

मूल किसान का शोषण कर रहा प्राधिकरण : तेवतिया

रबूपुरा, 16 मई (देशबन्धु)। यमुना विकास प्राधिकरण केवल उन जमीन का निस्तारण करना चाहता है जिन्होंने अथॉरिटी की जमीन बड़े पैमाने पर अतिक्रमण कर बाउंड्री बना रखी हैं। अथॉरिटी के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों व भूमाफिया लोगों की मिलीभगत से गांव के मूल काश्तकार का शोषण हो रहा है। उक्त बातें शुक्रवार को गांव आछेपुर में आयोजित पंचायत के दौरान किसान नेता मनवीर तेवतिया ने लोगो को सम्बोधित करते हुए कहीं। इसके साथ ही कहा कि इसीलिए हम ग्राम वासियों ने जमीन की वास्तविक स्थिति की गणना शुरू कर दी है और इसका शुभारंभ गांव आछेपुर से शुरू कर आस-पास के सभी गांव में किया जाएगा तथा डोजियर बनाकर मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को उसकी प्रतिलिपि भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि चकबंदी में जो 10: जमीन चक्र रोड और नाली वगैरह के लिए काटी गई थी वह सब अथॉरिटी ने कब्जा ली है। उस जमीन को हमारे गांव के सभी वयस्क किसान, मजदूरों व युवाओं में आवासीय प्लॉट के रूप में वितरित किया जाए जिससे सभी भूमिहीन को घर मुहैया हो जाएगा। किसान के सभी वयस्क लड़कों को पिता की जमीन से काटकर कम से कम 500 मी का आवासीय भूखंड के रूप में दिया जाए। पंचायत की अध्यक्षता अध्यक्ष कृपाल सिंह व संचालन अनिल चौधरी ने किया तथा इस दौरान त्रिलोक मास्टर, राजवीर सिंह, आनंद दरोगा, नीरज मलिक, मनोज भाटी, गजेंद्र फौजी, धर्म सिंह, कल्लू सिंह, जगदीश सिंह आदि मौजूद रहे।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ निकाली नशा मुक्ति रैली

ग्रेटर नोएडा, 16 मई (देशबन्धु)। शारदा विश्वविद्यालय ने एनसीसी 31 यूपी गर्ल्स बटालियन और छात्र कल्याण विभाग के साथ मिलकर नशा मुक्ति रैली निकाली। बैनर, तख्तियों और नारों के साथ मार्च करते हुए कैडेटों ने दर्शकों और साथी छात्रों से बात की और सभी से मादक द्रव्यों के सेवन के हानिकारक परिणामों को समझने और नशे की लत के खिलाफ लड़ाई में एक साथ खड़े होने का आग्रह किया। शारदा विश्वविद्यालय में एसोसिएट एनसीसी अधिकारी और कार्यक्रम की मुख्य संयोजक लेफ्टिनेंट डॉ. यशोधरा राज ने ऐसे अभियानों में युवा कैडेटों को शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा छात्रों को न केवल अकादमिक रूप से बल्कि सामाजिक रूप से भी सशक्त बनाना हमारा कर्तव्य है। आज की रैली अधिक जागरूक और जिम्मेदार युवाओं की ओर एक कदम है। रैली का आयोजन विशेष रूप से युवाओं में नशीली दवाओं की लत के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक प्रभावों के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों में जवाबदेही और नागरिक चेतना की भावना पैदा करना है। विश्वविद्यालय के पीआर डायरेक्टर डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि नशा करने वाले व्यक्ति के साथ इसका दुष्प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

इस अभियान के दौरान लोगों को नशा छुड़ाने के साथ युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्राधिकरण टीम के सामने दिखा अल्फा-दो के लोगों का रोष

ग्रेटर नोएडा, 16 मई (देशबन्धु)। सेक्टर अल्फा-दो का दौरा करने पहुंची ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम के सामने सेक्टर वासियों ने समस्याओं की झड़ी लगा दी। लोगों का आरोप है कि सेक्टर में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। प्राधिकरण की अनदेखी के चलते लोग बहुत परेशान है। शुक्रवार को प्राधिकरण के जीएम आर.के. भारती के सामने सेक्टर वासियों ने बहुत रोष प्रकट किया। लोगों का आरोप है कि सेक्टर में गंदगी और कचरे से भी बड़ी समस्या है, सीवर लाइन ओवरफ्लो हो रहा है, जिससे घरों में भाई गंदा पानी जा रहा है। लोगों में कई प्रकार की बीमारियां फैल रही है। यहां रह रही महिलाओं ने अपने घरों में आ रहे गंदे पानी की समस्या भी बताई। इस दौरान मंजू सिरोही, अनीता गौतम, आर.के. सिंह, डीके पाण्डेय, सुभाष भाटी, अध्यक्ष, नानक पाल महासचिव आदि ने मांग किया कि प्राधिकरण ठोस कदम उठाए ताकि लोगों को समस्या से निजात मिले।

रोजा याकूबपुर के लीजबैक के प्रकरणों पर हुई सुनवाई

ग्रेटर नोएडा। किसानों के लीज बैक के प्रकरणों को निस्तारित करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की तरफ से सुनवाई जारी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह, ओएसडी गिरीश कुमार झा और ओएसडी राम नयन सिंह ने शुक्रवार को रोजा याकूबपूर के 57 प्रकरणों पर सुनवाई की। किसानों से साक्ष्य भी प्राप्त किए। ओएसडी भूलेख गिरीश कुमार झा ने बताया कि किसानों की मांग पर लीज बैक के प्रकरणों को निस्तारित करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की आबादी व्यवस्थापन के लिए बनी समिति सुनवाई कर रही है। सुनवाई 24 मार्च से शुरू हुई है। शेष गांवों की भी सुनवाई तय शेड्यूल के मुताबिक की जाएगी।

छात्रा मनप्रीत का एचसीएल टेक बी में हुआ चयन

जेवर, 16 मई (देशबन्धु)। जेवर के प्रज्ञान पब्लिक स्कूल की छात्रा मनप्रीत का चयन एचसीएल टेक-बी में हुआ है। जिससे छात्रा को प्रशिक्षण के माध्यम से आईआईएम सिरमौर में अध्ययन का अवसर मिलेगा। मनप्रीत की उपलब्धि से विद्यालय मे हर्ष का माहौल है।

जेवर के मौहल्ला बनीइसराइल निवासी पत्रकार बृजेश तालान की बेटी मनप्रीत ने कस्बे के प्रज्ञान स्कूल से 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बारहवीं कक्षा पास की है। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने बताया कि मनप्रीत का चयन एचसीएल टेक-बी में हुआ है। विद्यालय के प्रबन्धक डॉ हरीश शर्मा ने सफलता पर मनप्रीत को बधाई देते हुए कहा कि यह उसकी लगन और अध्यापकों की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने कहा कि मनप्रीत जैसे छात्र-छात्राएं समाज व देश का भविष्य हैं। छात्रा की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी है। इस मौके पर विद्यालय की अध्यापिका सोनिया कोचर, शीतल रस्तोगी, उमेश चंद्र शर्मा, जितेंद्र कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लाट न0-1. सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा
जिला गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बी0एच0एस 12 आवासीय योजना के अर्न्तगत भवन संख्या-403 टीएफ, ब्लॉक-53, क्षेत्रफल 120.78 वर्ग0मी0 सैक्टर-ओमीक्रॉन-01, आवंटन संख्या-बी0एच0एस123115, श्री राजेश कुमार पचोरी एवं श्री सुमित पचोरी के संयुक्त नाम से हास्तांतरित है। जिसमें सह आवंटी श्री राजेश कुमार पचोरी पुत्र श्री द्वारिका प्रसाद की मृत्यु दिनांक 11.06.2024 को हो जाने के उपरान्त उक्त भवन के 1/2 भाग को वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर उनके पुत्र SH.AMIT S/O LATE SH. RAJESH KUMAR PACHORI R/O.- FLAT NO-403, THIRD FLOOR, BLOCK NO-53, NEAR GAUR ATULAYAM APARTMENT, SECTOR-OMICRON-01, GREATER NOIDA, DISTT-G.B.NAGAR. U.P.-201310 द्वारा उक्त भवन को अपने पक्ष में नामान्तरण करने हेतु प्राधिकरण कार्यालय में प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं। इस नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि से 35 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय मे दर्ज कराने का कष्ट करें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में उक्त भवन का नामांतरण आवंटी श्री राजेश कुमार पचोरी पुत्र श्री द्वारिका प्रसाद के स्थान पर उक्त भवन को उनके पुत्र SH.AMIT S/O LATE SH. RAJESH KUMAR PACHORI R/O.- FLAT NO-403, THIRD FLOOR, BLOCK NO-53, NEAR GAUR ATULAYAM APARTMENT, SECTOR-OMICRON-01, GREATER NOIDA, DISTT-G.B.NAGAR, U.P.-201310 के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

डिप्टी कलेक्टर (सम्पत्ति)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

देशबन्धु
पत्र नहीं मित्र
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोन:- 0120-4270009

देशबन्धु
पत्र नहीं मित्र
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा को आधुनिक जैविक विज्ञान के साथ एकीकृत करने की पहल : प्रो. राणा प्रताप सिंह

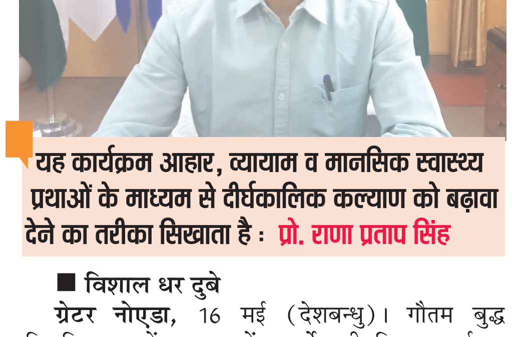

यह कार्यक्रम आहार, व्यायाम व मानसिक स्वास्थ्य प्रथाओं के माध्यम से दीर्घकालिक कल्याण को बढ़ावा देने का तरीका सिखाता है : प्रो. राणा प्रताप सिंह

- **विद्यार्थियों को आयुर्वेद स्टार्ट-अप, उद्यमिता व उद्योग के लिए शिक्षण, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण मिलेगा**
- **जीबीयू में नए सत्र से आयुर्वेद जीव विज्ञान को किया गया शुरू**

■ **विशाल धर दुबे**

ग्रेटर नोएडा, 16 मई (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में इस सत्र में आयुर्वेद जीवविज्ञान कार्यक्रम (बी.एससी. एम.एससी. एकीकृत) शुरु किया गया है, जो पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा को आधुनिक जैविक विज्ञान के साथ एकीकृत करने पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद और आधुनिक जीवविज्ञान के निम्नलिखित पहलुओं को शामिल किया गया है।

प्रो. राणा प्रताप सिंह, कुलपति गौतम बुद्ध विवि ने बताया इसमें आयुर्वेदिक सिद्धांतों का गहन ज्ञान कार्यक्रम में बुनियादी आयुर्वेदिक अवधारणाओं को शामिल किया गया है। जैसे कि तीन दोष (वात, पित्त और कफ)। पंचमहाभूत, पांच तत्व (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश), और ये मानव स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करते हैं। रोग के विकास के छह चरण, यानी संचय (संचय)। प्रकोप (बढ़ाव)। प्रसार (प्रसार), स्थान संश्रय (स्थानीयकरण), व्यक्ति (अभिव्यक्ति), और भेद (जटिलता), और कई अन्य अवधारणाएं। दूसरा जैविक आधार- यह पाठ्यक्रम आयुर्वेद के साथ जीव विज्ञान को जोड़ता है, जिसमें आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से मानव शरीर रचना विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, जैव रसायन, आनुवंशिकी, कोशिका जीव विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान का अध्ययन किया जाता है। इसमें शरीर के ऊतकों (धातुओं), पाचन अग्नि (अग्नि) और चयापचय प्रक्रियाओं को समझना शामिल है।

तीसरा पादप-आधारित औषध विज्ञान- आयुर्वेद पादप-आधारित उपचारों पर बहुत अधिक निर्भर करता है। यह कार्यक्रम आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों के जैविक गुणों का पता लगाता है, जिसमें उनकी रासायनिक संरचना और औषधीय प्रभाव शामिल हैं। चौथा अनुसंधान और आधुनिक एकीकरण-इसमें आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, उपचारों और पद्धतियों पर साक्ष्य-आधारित अध्ययन शामिल हैं। पांचवां आयुर्वेद केवल बीमारी के उपचार के बजाय निवारक स्वास्थ्य और जीवनशैली में बदलाव पर जोर देता है।

प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम आहार, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य प्रथाओं के माध्यम से दीर्घकालिक कल्याण को बढ़ावा देने का तरीका सिखाता है।

एनएबीएच की टीम ने जिम्स अस्पताल का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा, 16 मई (देशबन्धु)।

राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स), ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश सरकार का एक स्वायत्त तृतीयक देखभाल संस्थान है। जिम्स अब तेज गति से बढ़ रहा है और संबद्ध शिक्षण अस्पताल में प्रतिदिन 1500-2000 रोगियों की ओपीडी हो रही है और 400 से अधिक रोगी विभिन्न बीमारियों के लिए भर्ती होते हैं। गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के अपने मिशन को पूरा करने के लिए जिम्स ने एनएबीएच-एचओपीई के नवीनीकरण के लिए आवेदन किया। शुक्रवार को जिम्स, ग्रेटर नोएडा ने नवीनीकरण के लिए राष्ट्रीय अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए प्रत्यायन बोर्ड के निरीक्षण किया। यह निरीक्षण एनबीए मान्यता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जो उच्च गुणवत्ता वाली, रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए जिम्स अस्पताल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कामर्शियल कॉम्पलेक्स, (P-2) सेक्टर ओमेगा-1 ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर-(उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उप जिलाधिकारी सदर द्वारा जारी परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 264 एस0टी0 -एस0डी0एम0/2017 दिनांक 24.08.2017 के अनुसार नरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 वेदराम सिंह नि0 ग्राम मुरशदपुर तहसील सदर, जनपद गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 26.06.2017 को हो चुकी है जिनमें मृतक के स्थान पर उनके पारवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है:-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग वर्षों में	मृतक से संबंध
खेरली भाव	433 395 870 871	स्व0 नरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 वेदराम सिंह नि0 ग्राम मुरशदपुर तहसील सदर, जनपद गौतमबुद्धनगर	श्री अरूण भाटी	25 वर्ष	पुत्र
			श्री लक्ष्य भाटी	18 वर्ष	पुत्र
			श्रीमती माया देवी	48 वर्ष	पत्नी

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर उनके पारिवारिक सदस्यों के नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर या प्राधिकरण द्वारा अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कामर्शियल कॉम्पलेक्स, (P-2) सेक्टर ओमेगा-1 ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर- 201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पारसौल में उप जिलाधिकारी सदर जनपद गौतमबुद्धनगर द्वारा प्रस्तुत परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 340 / एस0टी0-एस0डी0एम0 / 2025 दिनांक 08.05.2025 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है:-

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम व पता	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से सम्बन्ध	आयु लगभग	विशेष
पारसौल	1097	श्री ओमवीर सिंह पुत्र श्री वेघराज व श्री अमित मलिक पुत्र श्री ओमवीर सिंह नि0 ग्राम पारसौल परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर।	श्रीमती बाला देवी	पत्नी	57	
			ज्ञानेन्द्र सिंह	पुत्र	32	
			कृष्ण मलिक	पौत्र	08	
			सलोनी	पौत्री	10	
			श्रीमती बबीता	पुत्रबधू	28	
			श्रीमती प्रीति	पुत्री विवाहित	30	

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

अभिमत

आदिवासी किसानों को भी खेती के तौर-तरीके सिखाएं जा रहे हैं। विशेषकर, महिला किसानों को इससे जोड़ा जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। लुप्त हो रहे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन भी हो रहा है। मडिया व मशरूम की खेती की जा रही है। इससे लोगों की सेहत में सुधार हो रहा है और कुछ आमदनी भी बढ़ रही है। जलवायु बदलाव के इस दौर में पेड़ों के साथ पौष्टिक अनाज व बिना मशीनीकरण के खेती का महत्व और भी बढ़ जाता है।

किसान कार्यकर्ता, जिसने उम्मीद के बीज बोए

नवाचार

■ **बाबा मायाराम**

मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के एक किसान ने बरसों से परती पड़ी जमीन को न केवल उपजाऊ बना लिया है बल्कि उसमें पेड़ लगाकर उसे हरा-भरा भी कर लिया है। तालाब बनाकर बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा है। लेकिन यह किसान सिर्फ खुद ही पौष्टिक अनाज की खेती नहीं करते, बल्कि एक संस्था से जुड़कर आदिवासियों को भी जैविक खेती के तौर-तरीके सिखा रहे हैं। यह कहानी इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह पूरी तरह जैविक है, श्रम आधारित है, और कम लागत वाली है, जो इस समय की जरूरत है। आज इस कॉलम में एक किसान कार्यकर्ता की लगन, जिद और मेहनत की कहानी बताना चाहूंगा, जिससे बिना रासायनिक खेती की बारीकियां समझी जा सकें।

अनूपपुर से मात्र 10 किलोमीटर दूर है जमूड़ी गांव, और यहीं है महेश शर्मा के परिवार की जमीन। कुछ समय पहले इस खेती को देखने के लिए मैं जमूड़ी गया। लम्बे अरसे से जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर महेश शर्मा काम कर रहे हैं। पहले वे छत्तीसगढ़ में खेती का काम कर रहे थे, जहां बिलासपुर जिले में जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था का कार्यक्षेत्र है। जब संस्था के कार्यक्षेत्र का विस्तार मध्यप्रदेश में भी हुआ, तब यहां भी खेती कार्यक्रम शुरू हो गया। वैसे तो यह संस्था स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करती है, पर संस्था का मानना है कि सिर्फ बीमारी का इलाज ही नहीं, उसकी रोकथाम भी जरूरी है। इसके लिए जैविक तरीके से पौष्टिक अनाजों व सब्जी बाड़ी की खेती पर जोर दिया जा रहा है, जिससे लोगों को पोषणयुक्त भोजन मिले और उनका स्वास्थ्य बेहतर हो। इसी के मद्देनजर अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ प्रखंड में आदिवासियों के बीच पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है।

महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर-तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है।

जैविक खेती करने वाले महेश शर्मा ने बताया कि उनके परिवार की जमूड़ी गांव में 5 एकड़ जमीन है। इस जमीन पर उन्होंने 5 साल पहले खेती शुरू करना शुरु किया। इसके पहले यह जमीन बंजर पड़ी थी। लेकिन बहुत ही कम समय में उन्होंने इस जमीन को उपजाऊ बना लिया है। और वह भी पूरी तरह जैविक तौर-तरीके अपनाकर। सबसे पहले मल्चिंग की, यानी हरी खाद से भूमि का ढकाव, जिससे जमीन उपजाऊ हुई, हवादार, पोली और भुरभुरी हुई। और फिर इसमें कई तरह के फलदार पेड़ भी रोपे।

वे आगे बतलाते हैं कि खेत में हरी सब्जियां व मसाले भी उगाते हैं। मड़िया, अरहर, तिल्ली, मूंगफली, अमाड़ी और धान इत्यादि भी लगाते हैं। उनके खेत में सब्जियों में लौकी, करेला, सेमी, बरबटी, भिंडी, बैंगन इत्यादि की खेती अच्छी होती है। उन्होंने अब घर के लिए सब्जियां व मसाले खरीदना बंद कर दिया है। राजगिरा, मिर्च, मैथी, धनिया, प्याज, आलू, टमाटर इत्यादि की फसलें होती हैं। और इन सबसे उनकी घर के खाने की जरूरतें पूरी हो जाती हैं। अतिरिक्त होने पर बेचते भी हैं। हल्दी और मडिया की बिक्री किसान मेलों में हो जाती है। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था मडिया के बिस्कुट भी बनाती है।

उन्होंने बताया कि खेतों की मेड़ों में बड़ी संख्या में फलदार पेड़ भी लगाए हैं। अगर पेड़ होते हैं तो पक्षी आते हैं, और ये पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं। यहां अमरूद के 45 पेड़, नींबू के 4, आम के 11, सीताफल के 8, केले के 40, अनार के 5, महुआ के 15, पपीता के 12, और करौंदे के 20 पेड़ लगाए हैं। सेमरा के 100 से ज्यादा पेड़ लगाकर खेत की बागुड़ कर दी है।

वे आगे बताते हैं कि महुआ फूल की बिक्री से ही उन्हें इस वर्ष 20 हजार रूपए मिले, जिससे उन्होंने देसी गोबर खाद खरीदा, और पूरी जुताई व बुआई करवाई। इस सबमें लगभग 15 हजार की राशि खर्च हुई। धान की खेती बिना रासायनिक खाद व बिना कीटनाशक के की है। यानी महुआ फूल बेचकर जो राशि मिली, उसी में पूरी खेती की लागत निकल गई।

उनके पास दो कुआं हैं, दोनों ही सूख चुके थे, लेकिन जब तालाब बनाया तो दोनों ही कुएं फिर से पानीदार हो गए। अनूपपुर जिले की सीमा से छत्तीसगढ़ राज्य लगा हुआ है, जहां की तालाब संस्कृति प्रसिद्ध है। वहां एक गांव में कई तालाब होते हैं। महेश शर्मा इस संस्कृति से भलीभांति परिचित हैं, और इसलिए उन्होंने खेत का पानी खेत में रोकने का जतन किया। तालाब बनाकर बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा है।

वे बतलाते हैं कि जो पेड़ लगाए थे, वे अब फल देने लगे हैं। करौंदा में पहली बार फल आ गए हैं। अमरूद और पपीता फलने लगे हैं। खेत में बाजरा के भुट्टे लहरा रहे हैं। कुदरती तौर पर होनेवाली गूजा की हरी पत्तीदार साग हुई है।

महेश शर्मा न केवल खुद खेती करते हैं बल्कि जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के साथ मिलकर किसानों को जैविक खेती के तौर-तरीके सिखाते हैं, और उन्हें खेती करने के लिए देसी बीज भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले के झींगटपुर गांव में गांववालों की मदद से बीज व अनाज बैंक भी बनाया है, जहां कई तरह के देसी अनाजों के बीजों का संग्रह है। विशेषकर, देसी धान की कई किस्में उनके बीज बैंक में हैं। इसके अलावा, जैविक खेती के तौर-तरीकों का प्रशिक्षण भी देते हैं।

जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था के डॉ. पंकज तिवारी बतलाते हैं कि पुष्पराजगढ़ प्रखंड काफी पिछड़ा है और आदिवासी बहुल है। इस क्षेत्र के लोग ज्यादातर मजदूरी और खेती करके जीवनयापन करते हैं। यहां बच्चों में कुपोषण देखा जाता है। इसे दूर करने के लिए संस्था की ओर से 3 साल तक के छोटे बच्चों के लिए झूलाघर की तरह फुलवारी संचालित की जाती हैं। इन फुलवारियों में हरी सब्जियां उगाई जाती हैं, जो बच्चों को दिए जाने वाले भोजन में शामिल की जाती हैं। इसके अलावा, किसानों को पौष्टिक अनाज की खेती करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस साल 85 किसानों ने जैविक खेती की है। इसके अलावा, इन्हीं किसानों के साथ मशरूम की खेती भी की जा रही है।

वे आगे बताते हैं कि सब्जी बाड़ी में लौकी, भिंडी, कद्दू, करेला, भटा और मिर्ची उगाई जाती है। अक्टूबर से फरवरी तक सब्जी बाड़ी से हरी सब्जियां मिलती हैं। सब्जी बाड़ी में अलग से पानी देने की जरूरत भी नहीं है। फुलवारी में बच्चों को जो हाथ धुलाने के लिए जो पानी इस्तेमाल होता है, उसी से सब्जी बाड़ी को पानी मिल जाता है।

महेश शर्मा ने बताया कि महिला किसानों ने भी मडिया की खेती की है। उपरीकला की फुलवारी कार्यकर्ता लीलाबाई, प्यारी गांव की फुलवारी कार्यकर्ता कौशल्याबाई जैसी कई किसानों ने मडिया की खेती की है।

कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है महेश शर्मा व जन स्वास्थ्य सहयोग की पहल से देसी बीजों के साथ पौष्टिक अनाजों की खेती की जा रही है। इस खेती में खर्च न के बराबर है। न रासायनिक खाद की जरूरत और न ही कीटनाशक की। यह खेती पूरी तरह जैविक है। वृक्ष खेती यानी पेडों से जैव खाद मिलती है, पक्षी कीटनाशक का काम करते हैं। खेत का पानी खेत में रोककर तालाब में बारिश की बूंद-बूंद को सहेजा जा रहा है। इसमें भूजल उलीचने के लिए किसी भी प्रकार की बिजली, डीजल की जरूरत नहीं है।

इसके अलावा, आदिवासी किसानों को भी खेती के तौर-तरीके सिखाएं जा रहे हैं। विशेषकर, महिला किसानों को इससे जोड़ा जा रहा है, जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। लुप्त हो रहे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन भी हो रहा है। मडिया व मशरूम की खेती की जा रही है। इससे लोगों की सेहत में सुधार हो रहा है और कुछ आमदनी भी बढ़ रही है। जलवायु बदलाव के इस दौर में पेड़ों के साथ पौष्टिक अनाज व बिना मशीनीकरण के खेती का महत्व और भी बढ़ जाता है, जिससे जैव विविधता व पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा। कुल मिलाकर, यह पूरी पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

बीता सप्ताह

10 मई

- अमेरिका ने कार्डिनल रॉबर्ट फ्रांसिस प्रीवोस्ट नए पोप चुने गए।
- केन्द्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय ने रक्षा अभियानों की लाइव कवरेज पर रोक लगा दिया।
- आईपीएल 2025 भारत-पाक में सरहद पर तनाव के चलते एक हफ्ते के लिए स्थगित हो गया।
- कैट लवर्स के लिए स्वर्ग है जापान का आओशिया आइलैंड।

11 मई

- भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर सहमत हुआ।
- माल्आ बना यूरोप का सबसे बड़ा जहाज रजिस्ट्री स्थल।
- चीन व अमेरिका के बीच जिनेवा में हुई व्यापार वार्ता।
- किमजॉग ने कहा कि रूस की ओर से उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती सही है।

12 मई

- उत्तर प्रदेश के लखनऊ में होग ब्रम्होस मिसाइल का उत्पादन।
- बांग्लादेश में शेख हसीना का पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया गया।
- पुणे के पर्वतारोही जितेडे गवारे ने पाउंट मकालू पर्वत शिखर 8485 मीटर ऊंचे पर फतह किया।
- सूडान पर जेल में ड्रोन हमले से 19 कैदियों की जान चली गई।।

13 मई

- भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने लिया टेस्ट क्रिकेट से सन्यास।
- पीएम मोदी सीज फायर के बाद देश को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों की भावना का प्रतिबिंब है ऑपरेशन सिंदुर।
- सीजफायर के बाद भारतीय सेना ने प्रेस कान्फ्रेस लेकर कहा कि जरूरत पड़ने पर हर मिशन के लिए हम तैयार।
- भारत-पाक युद्ध के चलते बंद भारत के 32 एयरपोर्ट का संचालन पुन: शुरू हुआ।

14 मई

- भारत के विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि कश्मीर पर तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं।
- छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई में कहा कि तलाक के बाद भी एक ही घर में रह सकते हैं पति-पत्नी।
- गाजा में नाकाबंदी के कारण भूख से 57 बच्चों की मौत हो गई।
- केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ में 51 हजार पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को सौंपी चाबी।

15 मई

- जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई (बी आर गवई) भारत के 52वें सीजेआई बने। राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ।
- हॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक राबर्टबेंटन का निधन हो गया।
- पेरू के प्रधानमंत्री गुस्तावो एड्मिनजेन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।
- उरूग्वे के पूर्व राष्ट्रपति जोस मुजिका का 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

16 मई

- रक्षा मंत्रालय के पूर्व सचिव डॉ. अजय कुमार ने यूपीएससी का अध्यक्ष पद संभाला।
- भारत के अंतरिक्ष यात्री ग्रुप के कैप्टन सुभांशु शुकला 8 जून को स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होंगे।
- 1995 बैच के आईएफएस के अधिकारी अनुराग भूषण स्वीडन में भारत के नए राजदूत होंगे।
- डीआरडीओ ने विकसित की नई तकनीक समुद्र के खारे पानी को कर सकती है मीठा।

बांग्लादेश में अवामी लीग पर प्रतिबंध के व्यापक परिणाम होंगे

■ **सात्यकी चक्रवर्ती**

पिछले सप्ताह डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने से देश में सक्रिय राजनीतिक दलों पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रीय चुनाव होने वाले हैं। इसी तरह, यह निर्णय भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अब उसके पड़ोसी देश में कोई भी मित्र राजनीतिक दल सक्रिय नहीं है। यूनुस सरकार की इस कार्रवाई के व्यापक प्रभाव पर भारतीय मीडिया का अभी ध्यान नहीं गया है, क्योंकि पिछले सप्ताह भारत-पाकिस्तान संघर्ष में इसकी पूरी तरह से संलिप्तता रही है, लेकिन दक्षिण एशियाई मामलों के भारतीय विशेषज्ञ इस बात पर गौर कर रहे हैं कि इस क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली राष्ट्र होने के बावजूद नरेंद्र मोदी सरकार अब दक्षिण एशियाई देशों में पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गयी है।

इस दृष्टिकोण के अनुसार, न्याय की मांग है कि दोषियों को दंडित करें- उन सभी को नहीं जो सीधे तौर पर उनसे जुड़े नहीं हैं। सामूहिक दंड, भले ही धार्मिक कारणों से प्रेरित हो, संक्रमणकालीन न्याय की वैधता को कमजोर करता है। इतिहास से पता चलता है कि पार्टियों को भंग करने से राष्ट्रों में कभी सुधार नहीं होता। यह अक्सर दरारों को और गहरा करता है।

अवामी लीग (एएल) शेख मुजीबुर रहमान द्वारा स्थापित राजनीतिक पार्टी है और इस पार्टी ने 1971 में बांग्लादेश के गठन के लिए मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था। एएल ने 2024 तक बांग्लादेश पर अधिकांश वर्षों तक शासन किया, सिवा सेना शासन के वर्षों और खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपीके दो कार्यकालों को छोड़कर। वर्तमान में मुख्य विपक्षी दल बीएनपी है जिसकी अध्यक्ष हैं खालिद जिया। शेख हसीना ने 2009 से लगातार पंद्रह वर्षों तक शासन किया, लेकिन 5 अगस्त, 2024 को उन्हें अवामी लीग सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में अपना पद छोड़ना पड़ा और वे भारत चली आयीं। वे अभी भी भारत में रह रही हैं और कभी-कभी वीडियो के माध्यम से बांग्लादेश में अपने एएल समर्थकों को संबोधित करती हैं।

पिछले सप्ताह ढाका में छात्रों की नयी पार्टी नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने 72 घंटे की विशाल रैली निकाली, जिसमें सरकार से अवामी लीग की सभी गतिविधियों पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की गयी। एनसीपी एकमात्र पार्टी है, जिसने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने को अपना मुख्य कार्यक्रम बनाया है। पहले चर्चा थी कि अवामी लीग को सीमित रूप में काम करने दिया जायेगा, जिसमें उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल नहीं किया जायेगा, जिन पर हत्या और यातना देने के आरोप हैं। बीएनपी पहले कुछ दिशा-निर्देशों के तहत एएल को चुनाव में भाग लेने देने के पक्ष में थी, लेकिन अब सरकार के आधिकारिक प्रतिबंध के बाद बीएनपी ने भी प्रतिबंध को राष्ट्रीय मांग बताते हुए उसे अपने समर्थन की घोषणा की है।

परिणामस्वरूप, आने वाले चुनावों में मुकाबला दो मुख्य पार्टियों - बीएनपी, जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया कर रही हैं और एनसीपी जिसका नेतृत्व छात्रों द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने पिछले साल अगस्त में आरक्षण विरोधी आंदोलन के जरिये शेख हसीना सरकार को गिराने में अहम भूमिका निभायी थी- के बीच होगा। अन्य पार्टियां, जो बहुत छोटी हैं, वे किसी न किसी समूह के साथ गठबंधन करने की कोशिश करेंगी। हाल के महीनों में जमात-ए-इस्लामी ने विदेशों में इस्लामी देशों से बड़ी वित्तीय सहायता के कारण ताकत हासिल की है, लेकिन नागरिकों के बीच इस पार्टी की स्वीकार्यता बहुत कम है। मुख्य चुनावी लड़ाई बीएनपी और एनसीपी तक ही सीमित रहेगी।

अवामी लीग का भविष्य क्या है? अवामी लीग के पास देश में अभी भी समर्पित कार्यकर्ताओं का एक समूह है, हालांकि उनमें से कई खुले तौर पर काम नहीं कर सकते। अवामी लीग निश्चित रूप से प्रतिबंध को अदालत में चुनौती देगी। लेकिन सरकार ने आदेश में कुछ विशेष प्रावधान जोड़े हैं, जिससे अगर अवामी लीग कानूनी लड़ाई लड़ना चाहती है तो उसके लिए मुश्किल हो जायेगी। अवामी लीग की नेता शेख हसीना हाल के हफ्तों में सक्रिय नहीं रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले से ही पाकिस्तान के साथ संघर्ष से निपटने में अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। इसलिए भारतीय विदेश मंत्रालय शेख हसीना को अभी भारतीय धरती से कोई सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित नहीं करना चाहेगा।

बांग्लादेश के राजनीतिक पर्यवेक्षकों के बीच सरकार द्वारा अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने और क्या इससे अवामी लीग एक राजनीतिक पार्टी के रूप में खत्म हो जाएगी, इस बारे में अलग-अलग राय हैं।

बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक डेली स्टार के अनुसार, अवामी लीग केवल एक राजनीतिक पार्टी नहीं है - यह एक बहु-पीढ़ी संस्था है। देश भर में लाखों लोगों ने अतीत में इसका समर्थन किया है, उनमें से कई ऐसे परिवारों में जन्मे हैं जो दशकों से पार्टी का हिस्सा रहे हैं। नयी वास्तविकता में इन लोगों का क्या होगा? वे कैसे प्रतिक्रिया देंगे, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है।

इसके अलावा, प्रतिबंध एएल को ठीक वही देता है जिसकी उसे अपनी छवि को फिर से बनाने के लिए ज़रूरत है - उत्पीड़क से उत्पीड़ित तक। डेली में व्यक्त राय के अंश में कहा गया है कि वही पार्टी जिसने असहमति को दबाने के लिए राज्य की शक्ति का इस्तेमाल किया, अब पीड़ित होने का दावा करती है। यह भी बताया गया है कि बांग्लादेश नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय वचन (आईसीसीपीआर) का हस्ताक्षरकर्ता है, जो स्पष्ट रूप से कहता है कि राजनीतिक अधिकारों पर प्रतिबंधों को वैधता, आवश्यकता और आनुपातिकता के परीक्षणों को पूरा करना चाहिए।

एक व्यापक पार्टी प्रतिबंध - राजनीतिक प्रतिबंध का सबसे चरम रूप - केवल तभी उचित ठहराया जा सकता है जब अन्य सभी छोटे प्रतिबंधात्मक साधन स्पष्ट रूप से विफल हो गये हों। राज्य के पास अभी भी शक्तिशाली उपकरण हैं: वह विश्वसनीय रूप से अपराध के आरोपी एएल नेताओं पर मुकदमा चला सकता है, गवाहों और कार्यकर्ताओं को सुरक्षा प्रदान कर सकता है, हिंसक गुटों को भंग कर सकता है और यहां तक कि लक्षित दंड भी लगा सकता है। ये तंत्र न्याय को मजबूत करते हैं।

इस दृष्टिकोण के अनुसार, न्याय की मांग है कि दोषियों को दंडित करें- उन सभी को नहीं जो सीधे तौर पर उनसे जुड़े नहीं हैं। सामूहिक दंड, भले ही धार्मिक कारणों से प्रेरित हो, संक्रमणकालीन न्याय की वैधता को कमजोर करता है। इतिहास से पता चलता है कि पार्टियों को भंग करने से राष्ट्रों में कभी सुधार नहीं होता। यह अक्सर दरारों को और गहरा करता है, शिकायतों को बढ़ाता है, और उन लोगों को शहीद बनाता है जो कभी आरोपी थे।

लेकिन ये तर्क शिक्षित हलकों तक ही सीमित हैं। फिलहाल, एनसीपी और जमात द्वारा अवामी लीग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए एक राजनीतिक माहौल बनाया गया है। इस बात की बहुत कम संभावना है कि चुनाव से पहले इस स्थिति में कोई बदलाव आयेगा। इसे केवल अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप से ही संभव बनाया जा सकता है। केवल अमेरिका ही आने वाले चुनावों में अवामी लीग के लिए कुछ जगह बनाने में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। लेकिन अभी तक इस बात का कोई संकेत नहीं हैं कि अमेरिका ऐसा करेगा।

अमेरिकी दबाव के संदर्भ में पुतिन की महत्वपूर्ण भारत यात्रा

डॉ. अजय पटनायक

रणनीतिक साझेदारी प्रारूप में इस वर्ष पुतिन की यात्रा न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से बल्कि संघर्ष विराम समझौते के बाद भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों की संभावित भागीदारी के लिए भी जरूरी है। यूरोपीय शांति रक्षकों के बारे में रूस के विरोध को देखते हुए अन्य देशों के लोग मास्को को स्वीकार्य हो सकते हैं। यहां तक कि राष्ट्रसंघ शांति स्थापना के लिए भारत जैसी तटस्थ शक्तियों की आवश्यकता होगी

मास्को में 9 मई को हजारों रूसी सैनिकों ने रेड स्क्वायर पर मार्च किया जो द्वितीय विश्व युद्ध में नाज़ी जर्मनी पर सोवियत संघ की जीत की 80 वीं वर्षगांठ पर आयोजित की गई थी। इस मौके पर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य विश्व नेता उपस्थित थे। द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गए 2.5 करोड़ से 2.7 करोड़ सोवियत सैनिकों और नागरिकों को यह दिन समर्पित किया गया। भारत की ओर से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने प्रतिनिधित्व किया क्योंकि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले और परवर्ती घटनाओं के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल नहीं हो सके।

पहलगाम हमले के बाद पुतिन और मोदी ने फोन पर बातचीत के दौरान भारत-रूस संबंधों को मजबूत करने और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर चर्चा की। पुतिन ने इस बार भारत में दोनों देशों के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

अक्टूबर, 2000 में भारत-रूस सामरिक भागीदारी संबंधी घोषणा पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से भारतीय प्रधानमंत्री व रूसी परिसंघ के राष्ट्रपति के बीच शिखर बैठकें होती रही हैं जिनमें दोनों देश सर्वोच्च स्तर पर अपने संबंधों का जायजा लेते हैं और उन्हें दिशा एवं प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। ये दौरे प्रत्येक देश के नेताओं के बीच वैकल्पिक होते हैं। चूंकि मोदी ने पिछले साल जुलाई में रूस का दौरा किया था इसलिए रूसी राष्ट्रपति की अगली यात्रा इस साल कभी भी होने की उम्मीद है।

फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव ने रूस को पश्चिम के बाहर सहभागियों की तलाश करने के लिए मजबूर किया। पुतिन ने ब्रिक्स, एससीओ और जी-20 जैसे मंचों पर नेताओं से मिलने के हर अवसर का उपयोग किया है लेकिन अधिक उपयोगी और सहायक स्टैंड-अलोन द्विपक्षीय बैठकें हैं। रूस ने बहुपक्षीय और द्विपक्षीय दोनों प्रारूपों की कोशिश की है। 2022 में ही सभी पांच मध्य एशियाई नेताओं ने मास्को में 9 मई को आयोजित विजय दिवस परेड में भाग लिया था। इस साल रूस ने जीत की 80वीं वर्षगांठ के लिए भारत और चीन सहित कई अन्य 'मित्र' देशों के नेताओं को आमंत्रित किया।

यूक्रेन में युद्ध के बाद से इस विजय दिवस परेड का रूस के लिए विशेष अर्थ है। यूक्रेन में रूस के विशेष सैन्य अभियानों के मुख्य लक्ष्यों में से एक 'गैर नाज़ीकरण' रहा है। मित्र देशों के नेताओं को निमंत्रण का उद्देश्य केवल रूस की साझेदारी की विश्वसनीयता का प्रदर्शन करना नहीं बल्कि यह संदेश देना भी है कि राष्ट्रवाद की आड़ में फासीवादी अभी भी बहु-जातीय और बहु-सांस्कृतिक देशों को तोड़ने के लिए उपयोग करते हैं। इस तरह उनके खिलाफ लड़ाई अभी भी प्रासंगिक और आवश्यक है।

भारत-रूस संबंध वार्षिक रणनीतिक साझेदारी बैठक का प्रारूप अधिक फलदायी रहा है और दोनों देशों के संबंध इस आधार पर लगातार मजबूत हुए हैं। 2000 के बाद यूक्रेन युद्ध की शुरुआत तक दोनों देशों के सर्वोच्च नेतृत्व बैठक कर रहे हैं। दो साल के अंतराल के बाद मोदी ने 2024 में रूस का दौरा किया और इस साल पुतिन की यात्रा होने वाली है। जब पुतिन ने वर्ष 2021 में भारत का दौरा किया था तब अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) एवं व्लादिवोस्तोक-चेन्नई कॉरिडोर जैसे परिवहन गलियारों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। अगले साल यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि में समरकंद (एससीओ बैठक) में बैठक हुई। रूस के हित मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित थे कि मित्र देशों को यूक्रेन पर अपनी स्थिति कैसे समझाई जाए। समरकंद में मोदी ने प्रसिद्ध बयान दिया कि 'अब युद्धों का युग नहीं है'। 2024 में कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन - मोदी बैठक हुई जिसके बाद जुलाई 2024 में 22वें वार्षिक रणनीतिक साझेदारी शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया। ये बैठकें रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की परवाह किए बिना व्यापार और आर्थिक संबंधों को बनाए रखने में मदद करती हैं। तेल आयात रोकने के पश्चिमी देशों के आह्वान के बावजूद भारत ने रूसी तेल खरीद जारी रखी। भारत ने यूक्रेन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में रूस के खिलाफ कभी मतदान नहीं किया है जिसे मास्को द्वारा बहुत सराहा गया।

2025 में दोनों नेताओं की अगली बैठक वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक वातावरण में कुछ प्रमुख बदलावों की पृष्ठभूमि में होगी। राजनीतिक दृष्टि से रूस पर अमेरिका द्वारा यूक्रेन के साथ संघर्ष विराम समझौते तक पहुंचने के लिए दबाव डाला जा रहा है। रूस ने युद्ध समाप्त करने की इच्छा तो दिखाई है लेकिन वह तीन वर्षों में किए गए लाभ की कीमत और यूक्रेन के लिए नाटो सदस्यता के विरोध जैसे अपने अन्य मुख्य सुरक्षा हितों की कीमत पर ऐसा करने के लिए तैयार नहीं है। रूस द्वारा 19-20 अप्रैल को 30 घंटे के घोषित ईस्टर युद्धविराम के बावजूद दोनों देशों के बीच वास्तविक युद्धविराम अभी भी दूर है। रूस द्वारा संघर्ष विराम समझौते में विलम्ब को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति समय-समय पर अधिक टैरिफ लगाने की धमकी देते हैं।

आज अमेरिका के सभी व्यापारिक भागीदारों पर अमेरिकी टैरिफ का खतरा मंडरा रहा है। इसमें भारत भी शामिल है जो नए अमेरिकी प्रशासन के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए तैयार और काम करने के बावजूद निश्चित नहीं है कि अमेरिकी नेता की अप्रत्याशित प्रकृति को देखते हुए भविष्य क्या होगा। सभी देशों को पता है कि रियायतें देने से आगे रियायतों की मांग होगी जो उनकी अर्थव्यवस्थाओं के लिए हानिकारक हो सकती है। खुद को और अधिक अमेरिकी झटकों से बचाने के लिए भारत व रूस को आपस में तथा अन्य देशों के साथ व्यापार एवं आर्थिक संबंधों का विस्तार करने की जरूरत है। उदाहरण के लिए चीन हाल ही में द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार करने के लिए वियतनाम, कंबोडिया तथा मलेशिया के साथ बातचीत कर रहा है। भारत व रूस को अपने व्यापार और निवेश संबंधों को मज़बूत करना होगा जिसमें भारतीय कंपनियां रूस के तेल व गैस, फार्मास्यूटिकल्स एवं आईटी क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं जबकि रूसी कंपनियां भारत के ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं। ये सब अमेरिका का विरोध किए बिना किया जाना चाहिए और इसके लिए चतुराई भरी बातचीत और रणनीति की आवश्यकता है।

ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से वैश्विक भू-राजनीतिक, भू-आर्थिक और रणनीतिक संदर्भ बदल गए हैं। रूस अब एक बहिष्कृत देश नहीं है जिसे अमेरिका यूक्रेन पर एक सौदा करने के लिए उलझा रहा है। अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते के सिलसिले में चर्चा के लिए मास्को मददगार हो सकता है। रूस के साथ अमेरिका ऊर्जा समझौते भी चाहता है। इस पृष्ठभूमि में पुतिन की नई दिल्ली यात्रा पर वैश्विक ध्यान आकर्षित होगा। चूंकि भारत अमेरिका का भी करीबी है इसलिए अमेरिका नई दिल्ली को संकेत दे सकता है कि वह रूस के साथ बातचीत से क्या चाहते हैं।

रणनीतिक साझेदारी प्रारूप में इस वर्ष पुतिन की यात्रा न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से बल्कि संघर्ष विराम समझौते के बाद भारत और अन्य ब्रिक्स सदस्यों की संभावित भागीदारी के लिए भी जरूरी है। यूरोपीय शांति रक्षकों के बारे में रूस के विरोध को देखते हुए अन्य देशों के लोग मास्को को स्वीकार्य हो सकते हैं। यहां तक कि राष्ट्रसंघ शांति स्थापना के लिए भारत जैसी तटस्थ शक्तियों की आवश्यकता होगी जो मास्को और कीव दोनों को स्वीकार्य होगा।

हालांकि पुतिन की भारत यात्रा की पुष्टि हो गई है लेकिन तारीखों की घोषणा अभी बाकी है। व्यापार व टैरिफ मुद्दों एवं युद्ध के बाद शांति प्रयासों के लिए मास्को और नई दिल्ली को रणनीतिक रूप से संलग्न होने की जरूरत होगी जो नेताओं की उच्चतम स्तर पर बैठक द्वारा सबसे अच्छी तरह से पूरा होता है। यह पुतिन की आगामी यात्रा को महत्वपूर्ण बनाता है।

(लेखक सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

चीन ने अमेरिका से धारा 232 शुल्क बंद करने का अनुरोध किया

बीजिंग। चीनी वाणिज्य मंत्रालय की प्रवक्ता ह योंगछ्येन ने 15 मई को हुई नियमित प्रेस वार्ता में कहा कि चीन अमेरिका से धारा 232 शुल्क बंद करने का अनुरोध करता है। उन्होंने कहा कि निर्यातित गाड़ी, स्टील और एल्यूमीनियम पर अमेरिका के धारा 232 शुल्क और आयातित दवा पर धारा 232 जांच एकदम एकतरफा और संरक्षणवादी कार्रवाई है। इससे न सिर्फ दूसरे देश के हितों के हानि पहुंचती है और नियम आधारित बहुपक्षीय व्यापार तंत्र बर्बाद किया जाता है, बल्कि अपने व्यवसायों के विकास को कोई लाभ नहीं होता। उन्होंने कहा कि चीन अमेरिका से यथाशीघ्र धारा 232 टैरिफ बंद कर समानतापूर्ण वार्ता से विभिन्न पक्षों की चिंता दूर करने का अनुरोध करता है।

देश विदेश

इस्तांबुल में होगी रूस-यूक्रेन शांति वार्ता

पुतिन और जेलेंस्की नहीं होंगे मौजूद

अंकारा/इस्तांबुल, 16 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से चल रही जंग को खत्म करने के लिए इस्तांबुल में दोनों देशों के बीच शांति बैठक होगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की इस बैठक में भाग नहीं लेंगे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की गुरुवार को तुर्किये की राजधानी अंकारा पहुंचे थे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ वार्ता की। वार्ता के बाद अंकारा स्थित यूक्रेनी दूतावास में उन्होंने कहा कि रूस के साथ शांति वार्ता को लेकर हम गंभीर हैं। वार्ता में यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि शांति वार्ता के लिए रूस के प्रतिनिधिमंडल में ऐसा कोई नहीं दिखा जो निर्णय लेने वाला हो, इसलिए मॉस्को पर संदेह है। शांति वार्ता में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव करेंगे, जिसमें सैन्य और खुफिया अधिकारियों सहित कुछ और लोग शामिल होंगे। जेलेंस्की ने कहा कि, अगर नेताओं के स्तर पर बिना शर्त युद्ध विराम पर चर्चा की जाएगी, तो वे चर्चा के लिए तैयार हैं। वार्ता शुक्रवार को हो सकती है। वार्ता में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के वरिष्ठ सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की ने कहा कि उनकी टीम के पास बातचीत करने के लिए आवश्यक योग्यताएं हैं और वे रचनात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से 'संभावित समाधान खोजने' और कॉमन ग्राउंड पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

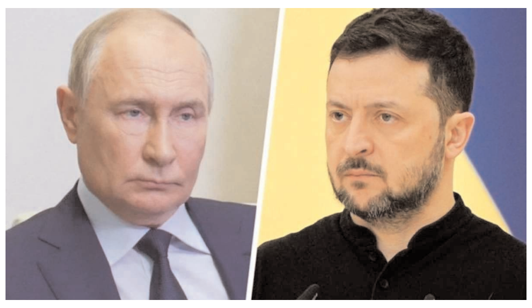

अगर नेताओं के स्तर पर बिना शर्त युद्ध विराम पर चर्चा की जाएगी, तो वे चर्चा के लिए तैयार हैं : वोलोदिमिर जेलेंस्की

पुतिन ने की रूसी सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख की नियुक्ति

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेना के जनरल ओलेग साल्युकोव को रूसी सुरक्षा परिषद का उप सचिव नियुक्त किया है । रूसी सरकार द्वारा गुरुवार को प्रकाशित एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गयी। जनरल साल्युकोव को रूसी ग्राउंड फोर्सेज के कमांडर-इन-चीफ के अपने वर्तमान पद से मुक्त कर दिया जाएगा, जिस पद पर वह 2014 से है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रमुख सैन्य अभियानों की देखरेख की और मॉस्को में रेड स्क्वायर पर विजय दिवस सैन्य परेड की कमान संभाली, जिसमें इस साल 9 मई को आयोजित सबसे हालिया परेड भी शामिल है। तास समाचार एजेंसी ने बताया। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1955 में सारातोव में जन्मे जनरल साल्युकोव दशकों का अनुभव रखने वाले सैन्य अधिकारी हैं।

अमेरिका द्वारा निर्यात नियंत्रण उपायों के दुरुपयोग पर चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने दी प्रतिक्रिया

बीजिंग, 16 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के उद्योग एवं सुरक्षा ब्यूरो ने हाल ही में घोषणा की कि दुनिया में कहीं भी हुआवेई एसेन्ड चिप्स का उपयोग करना अमेरिकी निर्यात नियंत्रणों का उल्लंघन है। इस पर चीनी वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने 15 मई को कहा कि अमेरिका की घोषणा एक विशिष्ट गैर-बाजार और एकतरफा कार्रवाई का अभ्यास है, जिसने इसकी एकतरफा और संरक्षणवादी प्रकृति को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। उसी दिन आयोजित चीनी वाणिज्य मंत्रालय के नियमित संवाददाता सम्मेलन में चीनी प्रवक्ता ने उपरोक्त प्रतिक्रिया दी और कहा कि अमेरिका ने निर्यात नियंत्रण उपायों का दुरुपयोग किया है और झूठे आरोपों के आधार पर चीनी चिप उत्पादों पर प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया है, जिससे चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों और हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा है, वैश्विक अर्धचालक उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा हुआ है, और बाजार के नियम तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एवं व्यापार व्यवस्था गंभीर रूप से कमजोर हुई है।

अमेरिका की यह कार्रवाई दोनों पक्षों के उद्यमों के बीच दीर्घकालिक, आपसी लाभ वाले सतत सहयोग और विकास के लिए अनुकूल नहीं है। चीन अमेरिका से गलत प्रथाओं को तुरंत सुधारने और चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह करता है।

सुडोकू 6915

		9						6
		8				7	3	
1			7	8			4	
			3		6		5	
3				7				9
	1		9		2			
	9			2	8			1
	8	5				6		
2						5		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 17 मई , 2025 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 5

राशिफल

मेष - आज के दिन आप थकान, आलस्य और चिंता का अनुभव करेंगे। आज आपमें ताज़गी और स्फूर्ति नहीं रहेगी। बात-बात में आपको गुस्सा आएगा। नौकरीपेशा लोग आज किसी बात को लेकर चिंतित रहेंगे।

वृषभ - आज आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत ना करें। खान-पान में विशेष ध्यान रखें। स्वास्थ्य बिगड़ने की आशंका बनी रहेगी। संभव हो तो प्रवास टालें।

मिथुन - आज के दिन आप मनोरंजन तथा आनंद-प्रमोद में व्यस्त रहेंगे। मित्रों तथा परिजनों के साथ आनंदित वातावरण में दिन गुजार सकेंगे। सामाजिक रूप से सम्मान और प्रसिद्धि भी प्राप्त कर सकेंगे। दांपत्यजीवन में सुख मिलेगा।

कर्क - आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहने वाला है। परिजनों के साथ समय सुख से गुजरेगा। आवश्यक काम पर धन खर्च होगा। आर्थिक लाभ के लिए दिन अच्छा है।

सिंह - आज आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज अपनी रचनात्मकता से कोई कठिन काम आसानी से पूरा कर पाएंगे। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। मित्रों के साथ मुलाकात आनंददायी होगी।

कन्या - आज समय अनुकूल नहीं है। कई बातों को लेकर आप को चिंता रहेगी, जिससे आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अनबन हो सकती है।

तुला - आज का दिन भाग्यवृद्धि का रहने वाला है। भाई-बहनों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। किसी धार्मिक प्रवास का आयोजन हो सकता है। नए काम की शुरुआत के लिए दिन शुभ है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक - आज का दिन आपके लिए मध्यम फलदायी है। अनावश्यक खर्च पर अंकुश रखें। वाणी पर संयम रखने से परिवार में सुख-शांति बना पाएंगे। विचारों पर नकारात्मकता छाई रहेगी, जिसे दूर करने का प्रयास करें।

धनु - आप शारीरिक तथा मानसिक स्वस्थ्य का ध्यान रखें। आज आप निर्धारित काम कर सकेंगे। आर्थिक लाभ की प्राप्ति होगी। प्रवास की विशेषकर धार्मिक यात्रा की संभावनाएं हैं।

मकर - आज के दिन आपको सावधानीपूर्वक रहना होगा। आज व्यावसायिक कामों में किसी का हस्तक्षेप बढ़ेगा। खर्च सामान्य से अधिक रहेगा। धार्मिक, सामाजिक कामों में व्यस्तता रहेगी और खर्च भी हो सकता है।

कुंभ - नए काम की शुरुआत के लिए आज का दिन अच्छा है। नौकरी तथा व्यापार में लाभ होने की संभावना है। मित्रों से लाभ मिल सकता है। भाग्य आप पर मेहरबान रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में आपकी ख्याति बढ़ेगी।

मीन - आपका दिन अत्यंत शुभ फलदायी है। आज आपके सभी कामों सफलता मिलेगी। अधिकारियों की कृपादृष्टि के कारण प्रसन्नता भरा दिन रहेगा। व्यापारियों को व्यापार में वृद्धि तथा सफलता मिलेगी।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री की गलत सूचना का पर्दाफाश

एआई फोटो को आधार बनाकर दी थी झूठी जानकारी

■ **भारत सरकार लगातार इंटरनेट पर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे इस दुष्प्रचार की पोल खोल रही है**

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि भारत के खिलाफ सूचना दुष्प्रचार भी चलाया। भारत सरकार लगातार इंटरनेट पर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे इस दुष्प्रचार की पोल खोल रही है। हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का झूठा दावा भी पकड़ा गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने 15 मई, 2025 को सीनेट में एक बयान में दावा किया कि यूके के अखबार 'द डेली टेलीग्राफ' ने पाकिस्तान वायु सेना को 'आकाश का निर्विवादित राजा' कहा है। जबकि यह दावा एक एआई-जनरेटेड फोटो पर आधारित था, जिसे भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय ने फैक्ट चेक के माध्यम से सोशल मीडिया पर उजागर किया। 'पीआईबी फैक्ट चेक' ने पाक विदेश मंत्री के दावे को पूरी तरह फर्जी करार दिया और बताया कि 'द डेली टेलीग्राफ' की जिस हेडलाइन को आधार बनाकर यह दावा किया गया है, वह असल में एक एआई इमेज है, जो असली नहीं है और न ही किसी तरह से सच पर आधारित है। 'पीआईबी फैक्ट चेक' 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट में कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित एक तस्वीर में दावा किया गया है कि यह ब्रिटेन के अखबार 'द डेली टेलीग्राफ' के पहले पन्ने की है, जिसमें शीर्षक है: 'पाकिस्तान वायु सेना: आसमान का निर्विवाद राजा' दिनांक 10 मई 2025। यह दावा झूठा है क्योंकि यह फोटो ही एआई से बनाई गई है। 'द डेली टेलीग्राफ' में ऐसा आर्टिकल कभी प्रकाशित ही नहीं हुआ था। इस गलत सूचना को पाकिस्तान ने जानबूझकर बढ़ावा दिया, जिससे पाक का डिजिटल धोखाधड़ी का एक और मामला सामने आया।

अबू धाबी में यूएई, अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने साझेदारी बढ़ाने के लिए वार्ता की

अबू धाबी, 16 मई (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने गुरुवार को अबू धाबी में राष्ट्रपति भवन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ वार्ता की। जिसमें दोनों देशों की अपनी रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। यूएई की सनकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम ने यह जानकारी दी। डब्ल्यूएएम के अनुसार दोनों नेताओं ने निवेश, ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उद्योग सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। शेख मोहम्मद ने यूएई-अमेरिका संबंधों की गहराई पर प्रकाश डाला, जो उन्होंने कहा कि पांच दशकों से अधिक समय तक फैला हुआ है। उन्होंने बहुपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए यूएई के समर्पण की पुष्टि की।

वर्ग पहेली 6915

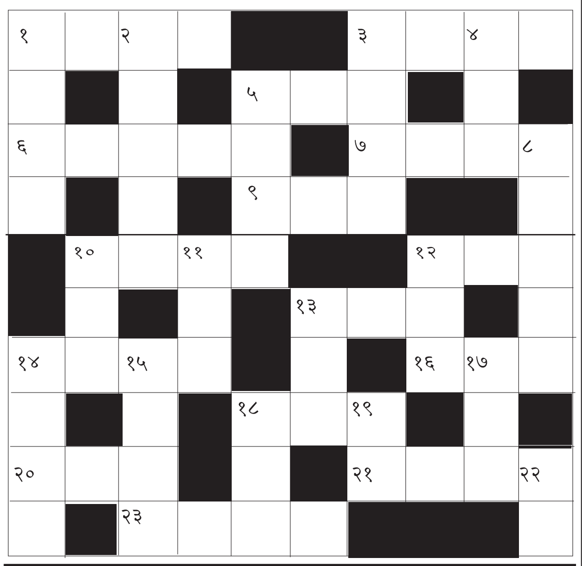

बायें से दाये:-

१. किसी काम या सेवा के स्वेच्छापूर्वक दिया जाने वाला पारिश्रमिक
३. बहुत ही मशहूर
५. पागल
६. अमृत जैसे मीठे बोल
७. लोगों की राय
९. स्वाद लेना
१०. जांचने वाला, परीक्षण करने
१२. निर्ऊयता, धृष्टता (उर्दू)
१३. बहू, वधू
१४. अधीरता, उतावली, शीघ्रता
१६. निमंत्रण (उर्दू)
१८. योग्यता
२०. खिसकाना, सरकाना, किसी वस्तु या व्यइक्ति आदि को एक स्थान से दूसरे स्थान पर करना
२१. विवाह, शादी
२३. पीड़ा से भरा

ऊपर से नीचे:-

१. इंसानियत
२. एक लिपि जिससे हिंदी, संस्कृत, मराठी भाषायें लिखी जाती हैं
३. सोया हुआ आदमी, आधी रात
४. अत्याचार (उर्दू)
५. बांटने वाला
८. जांच-पड़ताल (उर्दू)
१०. लेकिन
११. शक्ति, सामर्थ्य
१२. असंगत, बेतुका, भद्दा, अशिष्ट (उर्दू)
१३. शुद्ध, पाक
१४. खुदकुशी
१५. युद्धभूमि में होने वाली बाहरी आवाज
१७. जल देवता, समुद्र
१८. पोषण करना, परवरिश करना
१९. उष्णता, गर्मी
२२. अगर

वर्ग पहेली-6914

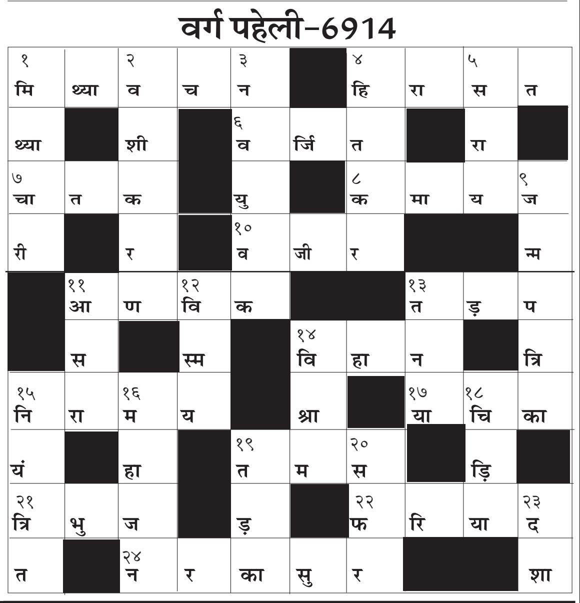

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में चंद बरदाई बनकर आशुतोष सुना रहे वीर सम्राट की गौरवगाथा

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन गर्व के साथ प्रस्तुत कर रहा है अपना आगामी ऐतिहासिक धारावाहिक चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान, जो एक ऐसे युवा राजकुमार की अद्भुत यात्रा को दर्शाता है, जिसने असाधारण पराक्रम और बुद्धिमत्ता से भारत के इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराया। यह भव्य गाथा पृथ्वीराज चौहान के प्रारंभिक जीवन, उनके सामने आई चुनौतियों और उन्हें पार करने के उनके साहस, विवेक और अदम्य उत्साह को प्रभावशाली रूप से चित्रित करती है। बचपन से लेकर उनके शासन की निर्णायक लड़ाइयों तक, यह शो एक ऐसे वीर सम्राट की प्रेरणादायक कहानी को जीवंत करता है, जिसकी विरासत आज भी इतिहास के पन्नों में गूंजती है। इस ऐतिहासिक कहानी में गहराई जोड़ते हैं प्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा, जो पृथ्वीराज चौहान के परम मित्र चंद बरदाई की भूमिका में अपने प्रभावशाली स्वर से कथा को स्वर देंगे। अपनी सशक्त आवाज़ और गूंजते संवादों के लिए अलग पहचान रखने वाले राणा दर्शकों को इस ऐतिहासिक यात्रा से भावनात्मक रूप से जोड़ेंगे और उन्हें उस युग की गहराइयों में ले जाएंगे।

कर्नाटक के करवार पोर्ट पर रोका गया पाकिस्तानी नागरिक, सुरक्षा एजेंसियों ने वापस भेजा

करवार, 16 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के करवार में एक पाकिस्तानी नागरिक को भारतीय सीमा में प्रवेश करने से रोक दिया गया। बताया जा रहा है कि बंदरगाह अधिकारियों ने पाकिस्तानी नागरिक को जहाज से उतरने से रोका और उसका मोबाइल फोन तथा दस्तावेज जब्त कर लिए हैं।

भारतीय तटरक्षक के सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के करवार बंदरगाह पर एक पाकिस्तानी नागरिक को भारत में प्रवेश करने से रोका गया है। वह कार्गो जहाज एमटी आर. ओशन पर सवार था, जो इराक से बिटुमेन लेकर आ रहा था। जहाज पर 18 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें 15 भारतीय, 2 सीरियाई और 1 पाकिस्तानी नागरिक शामिल थे। उन्होंने बताया कि बंदरगाह अधिकारियों ने तुरंत पाकिस्तानी नागरिक को जहाज से उतरने से रोका और उसका मोबाइल फोन तथा दस्तावेज जब्त कर लिए। इसके साथ ही तटीय पुलिस को भी इस मामले की जानकारी दी गई। हालांकि, जहाज को कार्गो उतारने की अनुमति दी गई और दो दिन बाद वह शारजाह के लिए रवाना हो गया।भारतीय अधिकारियों ने दोहराया कि पाकिस्तान और चीन के जहाजों को भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश की अनुमति नहीं है। 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन घाटी में कुछ आतंकियों ने निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया था, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी।

आज का इतिहास

1756 – ब्रिटेन ने फ्रांस के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की।

1769 – ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के कपड़ा उद्योग को बर्बाद करने के लिए बुनकरों पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए।

1865 – विश्व संचार दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

1970 – थोर हेयरडाल ने इसी दिन मोरक्को से यात्रा की शुरुआत की और अटलांटिक महासागर को 57 दिनों में पार कर लिया।

1975 – जापानी महिला श्रीमती जुनको तैबेई माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम महिला बनी।

1987 – सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लिया।

2000 – रूसी संसद के ऊपरी सदन फ़ेडरलिस्ट्स ने परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि की मंज़ूरी प्रदान की।

2002 – पाकिस्तान में मृत अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल का शव क़ब्रिस्तान से बरामद।

2007 – भारत-पाकिस्तान समग्र वार्ता का चौथा दौर रावलपिंडी में शुरू हुआ।

2008 – बिहार के परिवहन मंत्री रामानन्द प्रताप सिंह ने नीतीश मंत्रीमण्डल से इस्तीफ़ा दिया।

2008 – तालिबानी आतंकवादियों ने पाकिस्तान के राजदूत तारिक अजीजुद्दीन को रिहा किया।

2010 – भारतीय बॉक्सरों ने कॉमनवेल्थ बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सभी छह स्वर्ण पदक जीत लिए।

2010 – देश के सबसे पुराने पारंपरिक खेल कबड्डी को बढावा देते हुए पंजाब सरकार ने कबड्डी विश्वकप का आयोजन करने की घोषणा की।

मांग बलूचों ने भारत और संयुक्त राष्ट्र से मदद मांगी

आजाद हुआ बलूचिस्तान तो हिन्दुओं के लिए खुल जाएंगे हिंगलाज मंदिर के द्वार

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बीच पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत ने खुद को अलग और स्वतंत्र देश घोषित कर दिया है। वहां के नेताओं का कहना है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते हैं और अब बलूचिस्तान एक स्वतंत्र राष्ट्र है। इसके साथ ही, बलूचों ने भारत और संयुक्त राष्ट्र से मदद मांगी है कि बलूचिस्तान को एक अलग देश का दर्जा दिया जाए। जिस तरह से बलूचों द्वारा आए दिन पाकिस्तानी सेना और सैन्य इकाइयों को निशाना बनाकर पाकिस्तान की सरकार को चेतावनी दी जा रही है, उससे साफ है कि अलग राष्ट्र की मांग रुकने वाली नहीं है।

■ **यह मंदिर भारत के हिंदुओं के लिए खास महत्व रखता है**

अगर बलूचिस्तान एक स्वतंत्र देश हो जाता है, तो देश के हिंदुओं के लिए दो बड़े और ऐतिहासिक मंदिरों के द्वार खुल जाएंगे: पहला हिंगलाज माता मंदिर और दूसरा कटासराज मंदिर। जिस तरह से भारतीय सिख समुदाय के लिए करतारपुर कॉरिडोर बनाया गया और गुरुद्वारा दरबार साहिब तक पहुंच आसान हुई, ठीक उसी तरह से हिंगलाज माता मंदिर और कटासराज मंदिर के द्वार भारतीय हिंदू के लिए खुल सकते हैं। बलूचिस्तान के अगल देश बनने से वहां स्थित हिंगलाज माता मंदिर तक भारतीयों की सीधी पहुंच होगी, क्योंकि फिलहाल भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण यहां तक हिंदुओं की पहुंच सीमित है। यह मंदिर भारत के हिंदुओं के लिए खास महत्व रखता है, जहां भारतीयों की पहुंच बहुत कम है। हिंगलाज माता मंदिर पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के लासबेला जिले में स्थित एक प्राचीन और अत्यंत पवित्र मंदिर है। यह मंदिर हिंदू धर्म के 51 शक्तिपीठों में से एक है और इसे हिंगलाज शक्तिपीठ भी कहा जाता है। मान्यता है कि जब भगवान शिव माता सती के शव को लेकर विचरण कर रहे थे, तब भगवान विष्णु ने सती के शरीर के टुकड़े किए, और जहां-जहां ये गिरे वहां शक्तिपीठ बने। हिंगलाज वह स्थान है जहां माता सती का मस्तक गिरा था। यह मंदिर हिंगोल नदी के किनारे स्थित है और चारों ओर से पहाड़ियों से घिरा हुआ है। यहां की देवी को 'हिंगलाज देवी' या 'नानी मां' के नाम से भी पूजा जाता है, खासकर सिंधी और बलूच हिंदू समुदायों में इसका विशेष महत्व है।

दुनिया को जानें

इजरायल में खसरे का प्रकोप

यरूशलम, 16 मई (एजेंसियां)। इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने खसरे के 16 नए मामलों की सूचना दी है, 20 अप्रैल को पहली बार संक्रमण का पता चला था। तब से अब तक संक्रमितों की कुल संख्या 48 हो गई है। इसका सबसे ज्यादा प्रभाव उन बच्चों पर पड़ा है जो वैक्सीनेट नहीं हुए हैं। बिना टीकाकरण वाले बच्चों को प्रभावित कर रहे हैं। मंत्रालय के हवाले से बताया कि चालीस संक्रमितों की उम्र 18 साल से कम है, और उनमें से किसी को भी वायरस के खिलाफ पूरी तरह से वैक्सीनेट नहीं किया गया है। ग्यारह नाबालिग और दो वयस्क वर्तमान में अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें गहन देखभाल में तीन बच्चे शामिल हैं।मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये अप्रत्याशित रूप से बड़ी संख्याएं हैं, जो दर्शाती हैं कि यह बीमारी आधिकारिक तौर पर निदान और रिपोर्ट की गई तुलना में अधिक व्यापक है। अधिकांश नए मामलों में संक्रमण का कोई ज्ञात स्रोत नहीं है, जिससे स्वास्थ्य अधिकारियों को पिछले सप्ताह आपातकालीन बैठकें आयोजित करनी पड़ीं। इसके जवाब में, मंत्रालय ने कम टीकाकरण दर वाले समुदायों को लक्षित करते हुए बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान शुरू किया है।

प्रादेशिकी

समाज सेवा से ही होगा समाज का सर्वांगीण विकासः देशराज कर्णवाल

नई टिहरी, 16 मई (देशबन्धु)। 'समाज की सेवा ही समाज का कल्याण कर सकती है,' यह बात समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल ने विकास भवन सभागार, नई टिहरी में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कही। बैठक में अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के व्यक्तियों की समस्याओं के समाधान और विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर अटल आवास योजना के तहत दो लाभार्थियों को एक-एक लाख तीस हजार रुपये के चेक व मकान की चाबी प्रदान की गई। साथ ही, स्वास्थ्य विभाग ने लाभार्थियों को छड़ियां व तीन जरूरतमंदों को कान की मशीनें वितरित की। बैठक में उपाध्यक्ष ने वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों के अनुरूप उपलब्धियों और बजट व्यय की समीक्षा की। उन्होंने समाज कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, श्रम, पशुपालन, बाल विकास, कृषि, मत्स्य, खाद्य व ईओ टिहरी सहित संबंधित विभागों से विस्तृत जानकारी ली।

प्राविधिक शिक्षा विभाग के तहत पुस्तकालय अध्यक्ष की नियमावली में किया गया संशोधन

■ **यूपीसीएल की व्यवस्था में सुधार किए जाने के लिए तैयार की गई पॉलिसी को मंजूरी मिली**

■ **अमरनाथ तिवारी**

देहरादून, 16 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में मंत्रिमंडल की बैठक हुई। बैठक में 20 प्रस्तावों पर धामी मंत्रिमंडल ने सहमति जता दी है। कैबिनेट बैठक शुरू होने से पहले 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य और अदम्य साहस को नमन करते हुए वीर सैनिकों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कैबिनेट बैठक संपन्न होने के बाद गृह सचिव शैलेश बगौली ने ब्रीफिंग कर कैबिनेट प्रस्तावों की जानकारी दी। कैबिनेट बैठक में इन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगी है। यूपीसीएल की व्यवस्था में सुधार किए जाने के लिए तैयार की गई पॉलिसी को मंजूरी मिल गई है। मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष की धनराशि ज्यादा ब्याज देने वाले बैंक में रखी जाएगी, जिसके संशोधित नियमावली पर कैबिनेट बैठक में मोहर लग गई है। बड़े पोल्ट्री फार्म के लिए नीति को मंजूरी मिली है। 3 हजार लोगों को इसका लाभ मिलेगा। पर्वतीय क्षेत्रों में 40 फीसदी और मैदानी क्षेत्रों में 30 फीसदी सब्सिडी का लाभ मिलेगा। गौ सदनों में निराश्रित गोवंश रखने के लिए नई नीति को मंजूरी मिली है। गौ शालाओं के निर्माण के लिए डीएम को अधिकार दिए गए हैं। सरकार गौशालाओं के लिए 60 फीसदी की सब्सिडी देगी। मंत्री मंडल ने वित्त विभाग में संयुक्त आयुक्त ग्रेड 1 और संयुक्त आयुक्त ग्रेड 2 के प्रमोशन के लिए सेवा नियमावली को मंजूरी दी है। किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत बनाए गए कॉर्पस फंड के लिए बनाई गई नियमावली बनाई गई है।

उत्तराखण्ड में आने वाले वाहनों पर लगेगा 30 फीसदी ग्रीस सेस

देहरादून। इसके अलावा धर्मस्व एवं तीर्थाटन परिषद का गठन विचलन के माध्यम से किया गया था, ऐसे में इस परिषद के गठन को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है। मोटरयान कराधान सुधार अधिनियम 2003 के तहत अन्य राज्य से आने वाले वाहनों से ग्रीन सेस लेने की व्यवस्था है। ऐसे में साल 2017 में तय की गई ग्रीन सेस की दर में करीब 28 से 30 फीसदी बढ़ोत्तरी करने का निर्णय लिया गया है।

केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में सिखों का अल्पसंख्यक दर्जा बहाल करेः धामी

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुए हमलों में मारे गए चार सिखों के परिवारों को 5-5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता के चेक सौंपे। श्री धामी ने सभी प्रभावित परिवारों के घर जाकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा रागी भाई अमरीक सिंह के नाम पर अंतिम अरदास में भी भाग लिया। इस मौके पर उनके साथ शिरोमणि कमेटी सदस्य भाई राजिंदर सिंह मेहता, सुरजीत सिंह भिट्टेवाड, महंत मंजीत सिंह, उप सचिव हरभजन सिंह वक्ता भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि पुंछ में पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले में श्री रणजीत सिंह, रागी भाई अमरीक सिंह, पूर्व सैनिक अमरजीत सिंह और बीबी बलविंदर कौर (सभी पुंछ निवासी) मारे गए थे। इस अवसर पर शिरोमणि कमेटी अध्यक्ष ने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर में सिखों के मामलों के प्रति ईमानदार दृष्टिकोण अपनाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि एक समय जम्मू-कश्मीर में सिखों को अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त था, लेकिन वर्तमान में उन्हें इससे वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह आरक्षण बनाना और सरकारी नौकरियों में अलग से कोटा उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री से मारे गए चार सिख परिवारों की स्थिति का जायजा लेने और उन्हें आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सरकार को इन परिवारों के एक-एक सदस्य को नौकरी देने की व्यवस्था करनी चाहिए। इस बीच, महंत मनजीत सिंह ने घोषणा की कि वे प्रभावित सिख परिवारों के बच्चों की शिक्षा का खर्च वहन करेंगे, ताकि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें और भविष्य में परिवार का सहारा बन सकें।

सुक्खू ने हिमालया साइकिल रेस के 12वें संस्करण को झंडी दिखाकर रवाना किया

शिमला, 16 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को यहां रिज से हिमालयन एडवेंचर स्पोर्ट्स एण्ड टूरिज्म प्रमोशन एसोसिएशन द्वारा टूरिज्म, हीट्रेक्स टायर्ज और हिमाचल प्रदेश साइकलिंग एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित एमटीबी हिमालया साइकिल रेस के 12वें संस्करण को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रेस 'प्रोलॉग-हेरीटेज राइड (रिज-आईआईएएस-रिज), कुफरी-चायल (एक्ससीएम), शिमला-समरहिल-पोटर्ज हिल (एक्ससीओ) मार्ग से होते हुए 18 मई, 2025 को सम्पन्न होगी। इस प्रतियोगिता में देश भर से 100 से अधिक साइकिल सवार हिस्सा ले रहे हैं जिनमें राष्ट्रीय चैम्पियन और विश्वस्तरीय साइकलिस्ट भी शामिल हैं।

श्री सुक्खू ने इस मौके पर कहा कि इस तरह के आयोजन राज्य की समृद्ध परम्परा, विरासत और संस्कृति को विश्व पटल पर प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में साइकलिंग का बड़ा महत्व है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है बल्कि यह एक स्वच्छ, प्रदूषण रहित, मोटर चालक रहित परिवहन का साधन भी है। इसके अलावा यह रोमांच, फिटनेस और खेल गतिविधियों का एक बेहतरीन माध्यम है।

निजी शिक्षण संस्थान आयोग के नवनियुक्त सदस्य ने सुक्खू का जताया आभार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से शुक्रवार को प्रदेश के निजी शिक्षण संस्थान नियामक आयोग के नवनियुक्त सदस्य विजय पाल सिंह ने भेंट कर इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए उनका आभार व्यक्त किया। श्री सिंह ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि वह पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन सुनिश्चित करेंगे।

जीआरएसए प्रतिनिधिमंडल ने सुक्खू से भेंट कर विभिन्न मांगों से कराया अवगत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से शुक्रवार को यहां प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ (जीआरएसए) के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर विभिन्न मांगों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश के लिए बजट आवंटन को आधा किया गया है, जिस कारण उन्हें नियमित रूप से वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस मामले को केन्द्र सरकार के समक्ष उठाने का आग्रह किया। श्री सुक्खू ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी तथा उनकी समस्या के समाधान के लिए रिवाल्विंग फंड की स्थापना की संभावनाओं का पता लगाएगी।

सार संक्षेप

तिरंगा यात्रा के दौरान किरण चौधरी हिसार में चक्कर खाकर गिरी

हिसार। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर सेना के सम्मान में शुक्रवार को हरियाणा के हिसार में भारतीय जनता पार्टी की 'तिरंगा यात्रा' के दौरान राज्यसभा सदस्य किरण चौधरी चक्कर खाकर गिर गईं। मौके पर मौजूद पार्टी के अन्य नेताओं ने उन्हें संभाला और उन्हें पानी पिलाया। थोड़ी देर में तबीयत ठीक होने के बाद वह अपनी गाड़ी में बैठकर रवाना हो गईं। किरण चौधरी को पहले से ही पैर में चोट लगी हुई थी और उन्होंने मंच पर बताया भी था कि वह चोटिल हैं। उन्होंने कहा कि वह तिरंगा यात्रा में थोड़ी दूर ही चल सकेंगी। तिरंगा यात्रा आजाद नगर से प्रारंभ होकर लघु सचिवालय स्थित शहीद स्मारक तक निकाली गयी, जिसमें कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ कमल गुप्ता, हांसी विधायक विनोद भ्याणा, हिसार विधायक सावित्री जिंदल, उचाना विधायक देवेंद्र अत्री, बवानी खेड़ा विधायक कपूर सिंह बाल्मिकी, महापौर प्रवीन पोपली आदि शामिल हुए।

शनिवार से शुरू होगी हिसार-चंडीगढ़ ट्रेन

हिसार। हरियाणा के हिसार से चंडीगढ़ के लिए पहली सीधी रेलसेवा शनिवार से शुरू होगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रायपुर (हिसार) से चंडीगढ़ और सातरोड से गुरुग्राम के लिए दो नयी रेल सेवाओं को शनिवार को हरी झंडी दिखाई जाएगी। हिसार विधायक सावित्री जिंदल और कुरुक्षेत्र से सांसद नवीन जिंदल इन दो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। वर्ष 1966 में हरियाणा बनने के बाद पहली बार हिसार को अपनी राजधानी चंडीगढ़ से सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलने जा रही है। श्रीमती जिंदल के अनुसार यह सिर्फ एक रेल सेवा नहीं बल्कि हिसार के सपनों को प्रदेश की राजधानी से जोड़ने वाली कड़ी है। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि इस रेल लिंक से हिसार और चंडीगढ़ के बीच न केवल दूरी कम होगी, बल्कि शिक्षा, चिकित्सा और व्यापार के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

पंजाब में कुल 130.03 लाख टन गेहूं की हुई खरीदः कटारुचक्क

चंडीगढ़। पंजाब के नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री लाल चंद कटारुचक्क ने शुक्रवार को बताया कि राज्य सरकार ने 15 मई को गेहूं का खरीद सत्र समाप्त होने तक राज्य की अनाज मंडियों में पहुंची कुल 130.03 लाख टन गेहूं की खरीद कर ली है। श्री कटारुचक ने कहा कि राज्य सरकार ने 119.24 लाख टन गेहूं की खरीद की है, जबकि व्यापारियों ने 10.80 लाख टन गेहूं की खरीद की है।

सुडोकू 6915 का हल

5	7	9	2	4	3	1	8	6
4	2	8	6	9	1	7	3	5
1	6	3	7	8	5	9	4	2
9	4	2	3	1	6	8	5	7
3	5	6	8	7	4	2	1	9
8	1	7	9	5	2	4	6	3
6	9	4	5	2	8	3	7	1
7	8	5	1	3	9	6	2	4
2	3	1	4	6	7	5	9	8

चंडीगढ़ कांग्रेस ने जगदीश देवड़ा के बयान की निंदा की

चंडीगढ़, 16 मई (एजेंसियां)। चंडीगढ़ कांग्रेस ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के सेना के बारे में दिए कथित विवादास्पद बयान की निंदा की।

चंडीगढ़ कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजीव शर्मा ने जारी बयान में आरोप लगाया कि श्री देवड़ा का बयान कि भारतीय सेना को मोदी के सामने झुकना चाहिए, जानबूझकर और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की मौन स्वीकृति से दिलवाया गया है क्योंकि भाजपा सेना की वीरता और कुर्बानियों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक हित साधने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि चमकाने के उद्देश्य से करना चाहती है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता एक के बाद एक भारत की रक्षा सेनाओं के बारे में हास्यास्पद बयान दे रहे हैं, जिसका उद्देश्य आगामी चुनाव में भाजपा के लिए वोट का इन्तजाम करना है।

इस बीच चंडीगढ़ कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन अहमद अली सलमानी और चंडीगढ़ कांग्रेस के महासचिव जाहिद परवेज खान ने डिप्टी कमिश्नर (चंडीगढ़) के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ज्ञापन भेजकर भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर उन्हें मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल से तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है।

भारतीय सेना पर गर्व, हम कंधे से कंधा मिलाकर सरकार के साथ : दीपेंद्र सिंह हुड्डा

■ **दुनिया को पता चलना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा भारत एकजुट है**

सोनीपत, 16 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर संसद के विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। हुड्डा ने कहा कि हम सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और भारतीय सेना पर गर्व है। लेकिन ट्रंप के बयानों के बाद सरकार को संसद का विशेष सत्र बुलाकर देश के सामने अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। दुनिया को पता चलना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ पूरा भारत एकजुट है। उन्होंने आगे कहा यह सत्र सशस्त्र बलों के सम्मान में एकजुटता दिखाने और उनकी बहादुरी का आभार व्यक्त करने के लिए जरूरी है। सभी पार्टियां मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर तिरंगा यात्रा करे, जिसमें सभी सांसद राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक शामिल हों। इससे दुनिया को भारत की एकता का संदेश जाएगा।

हम अपने सशस्त्र बलों के हर कदम के साथ हैं। उनके पराक्रम पर सभी को गौरव है, हर हिंदुस्तानी को गौरव है और यह गौरव राजनीतिक दलों के हिसाब से बांटा नहीं जा सकता। मैं समझता हूं कि इसी भावना को लेकर हम यह सर्वदलीय बैठक की मांग कर रहे हैं। उसमें प्रधानमंत्री भी आएं ताकि आपस में चर्चा हो और विश्व को हम एकजुटता का संदेश दे सकें। पूरा भारत आतंक के मामले में एक है। उन्होंने सेना की वीरता की सराहना करते हुए कहा कि यह वही सेना है, जिसने 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े किए, कारगिल में दुश्मन को धूल चटाई और हिमालय पर हमारा सिर कभी झुकने नहीं दिया। यह भारत की सेना है, किसी दल की नहीं। हमें अपने सैनिकों पर गर्व है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के सबूतों पर सवाल उठाने की निंदा की और कहा कि हमारी सेना के पराक्रम पर सवाल उठाना अस्वीकार्य है। ऐसे नेताओं पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यह किसी राजनीतिक विचारधारा की सेना नहीं है, यह भारत की सेना है। हुड्डा ने मध्य प्रदेश के मंत्री और उपमुख्यमंत्री के विवादास्पद बयानों पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हम इन बयानों की कड़ी निंदा करते हैं। सीमा पर तैनात हर सैनिक हमारे भाई-बहन हैं, वे किसी जाति या धर्म के नहीं, बल्कि भारत के बेटे-बेटियां हैं।

सैनी सरकार कमजोर सरकार : अभय चौटाला

चंडीगढ़, 16 मई (एजेंसियां) इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने पानी विवाद को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की कमजोर सरकार है और दिल्ली में बैठे लोग इसे चला रहे हैं।

उन्होंने यहाँ प्रेस वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कई बार कहा कि वह पानी लेकर रहेंगे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। श्री चौटाला ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने वाहवाही लेने के लिए, हरियाणा का पानी कम कर दिया है, जब एक मुख्य अभियंता वहां गया तो उन्होंने उसे बंधक बना लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां हरियाणा में दोहरी राजनीति करती हैं। इनके बयान पंजाब में अलग और हरियाणा में अलग हैं। इनेलो नेता ने चेतावनी दी कि पंजाब के पानी रोकने के जवाब में हरियाणा से आने-जाने वाले पंजाब के वाहन रोके जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम राज्यपाल से मिलेंगे और उनके सामने यह मांग उठाएंगे कि वह सरकार पर दबाव बनाये और हरियाणा तो पानी दिलाये। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा सर्वदलीय बैठक में तो शामिल हुए थे, लेकिन उसके बाद कुछ नहीं किया। श्री चौटाला ने जननायक जनता पार्टी को ओम प्रकाश चौटाला के पोस्टर का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते कहा कि चौटाला साहब कह कर गए थे कि ये 'पार्टी के गद्दार' हैं तो 'गद्दार' कैसे चौटाला साहब का फोटो लगा सकते हैं।

गोल्डन कार्ड धारकों की परेशानी जल्द होगी दूर, स्वस्थ मंत्री ने दिए सख्त निर्देश

■ **योजना के सभी लाभार्थियों को इसका पूरा लाभ मिलना चाहिए : डॉ. धन सिंह रावत**

देहरादून, 16 मई (देशबन्धु)। प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों, पेंशनरों और उनके आश्रितों को गोल्डन कार्ड के जरिए स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसका मुख्य कारण अस्पतालों को समय पर भुगतान न होना बताया जा रहा है, जिसके चलते कई अस्पतालों ने गोल्डन कार्ड धारकों का इलाज करना बंद कर दिया है। मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सचिवालय में गोल्डन कार्ड योजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि योजना के सभी लाभार्थियों को इसका पूरा लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में ठोस कार्य योजना तैयार करने और हितधारकों से सुझाव लेकर प्रस्ताव बनाकर कैबिनेट में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजकीय एवं स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों व पेंशनर्स के कुल 150 करोड़ रुपये का अंशदान जमा किया गया, जबकि योजना के तहत उपचार पर 335 करोड़ रुपये खर्च हो गए। इस कारण अस्पतालों को समय पर भुगतान नहीं हो पा रहा है और योजना के संचालन में बाधा आ रही है।

केदारनाथ पैदल मार्ग में अचेत मिले दो यात्री, डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

रुद्रप्रयाग, 16 मई (देशबन्धु)। केदारनाथ यात्रा पर आए दो यात्रियों के पड़ावों में अचेत अवस्था में पड़े होने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद जिला आपदा प्रबंधन के साथ ही यात्रा मैनेजमेंट फोर्स की टीम मौके पर पहुंची और यात्रियों को लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। घटना के बाद पुलिस जांच में जुट गयी है। शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे स्थानीय व्यक्ति ने पुलिस-प्रशासन को सूचना दी कि गौरीकुंड बड़े गेट से 100 मीटर ऊपर की ओर एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा सूचना मिलने पर गौरीकुंड डीडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंचकर यात्री को स्वास्थ्य केंद्र गौरीकुंड लेकर आई, जहां डॉक्टरों की टीम ने जांच के बाद गणेश कुमार शोभालाल गुप्ता निवासी श्रीकृष्ण नगर औरंगाबाद महाराष्ट्र को मृत घोषित कर दिया।

चारधाम यात्रियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना डोबरा-चांठी पुल

■ **सेल्फी पॉइंट, लाइट शो और खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के लिए बना पर्यटकों की पहली पसंद**

देहरादून, 16 मई (देशबन्धु)। टिहरी झील पर निर्मित एशिया का सबसे लंबा सस्पेंशन ब्रिज डोबरा-चांठी इन दिनों चारधाम यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन गया है। विशेष रूप से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम से लौटते समय यात्री इस पुल पर रुककर इसकी भव्यता का आनंद ले रहे हैं और सेल्फी लेकर अपनी यात्रा की यादों को संजो रहे हैं। शाम के समय पुल पर लगी आधुनिक मल्टीकलर लाइटिंग इसकी सुंदरता को और बढ़ा देती है। रंग-बिरंगी रोशनी से दमकता यह पुल रात के समय दिल्ली के इंडिया गेट और सिग्नेचर ब्रिज की तरह नजर आता है। इसकी रोशनी कई किलोमीटर दूर नई टिहरी और प्रतापनगर से भी आकर्षक दिखाई देती है। समुद्र तल से लगभग 850 मीटर की ऊंचाई पर स्थित 725 मीटर लंबा यह पुल वर्ष 2020 में जनता को समर्पित किया गया था। इसके निर्माण से प्रतापनगर और नई टिहरी के बीच की दूरी कम हुई है और यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो रहा है। महाराष्ट्र से आए चारधाम यात्रियों ने बताया कि धामों की यात्रा के बाद वे टिहरी डैम देखने आए थे। उन्होंने कहा कि टिहरी झील का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है और डोबरा-चांठी पुल ने इस खूबसूरती को और निखार दिया है। पुल बनने के बाद से यहां आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु सेल्फी व तस्वीरों के माध्यम से अपनी सुनहरी यादें साथ ले जाते हैं। पुल से न केवल यातायात में सहूलियत हुई है, बल्कि यह अब पर्यटन के लिहाज से भी लोकप्रिय स्थल बन गया है।

पीएम श्री योजना लागू करने में हिमाचल प्रदेश देश भर में अव्वल

■ **भारत सरकार ने योजना के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए हिमाचल की सराहना की**

शिमला, 16 मई (देशबन्धु) प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना के क्रियान्वयन में हिमाचल प्रदेश पूरे देश में अव्वल रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने इस योजना के बेहतरीन और समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए हिमाचल प्रदेश की विशेष सराहना की है। शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की समीक्षा बैठक में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने हिमाचल के प्रयासों को प्रशंसनीय बताया। हिमाचल प्रदेश न केवल पीएम श्री योजना के तहत स्वीकृत सभी चार किस्तें प्राप्त करने में सफल रहा, बल्कि 100 प्रतिशत धनराशि का समय पर व्यय भी सुनिश्चित किया— जो देशभर में सबसे अधिक है। बैठक में हिमाचल प्रदेश के शिक्षा सचिव राकेश कंवर और राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा राजेश शर्मा ने भाग लिया और प्रदेश की इस उपलब्धि को साझा किया। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने विशेष रूप से जिला शिमला के टुटू स्थित पीएम श्री विद्यालय की सराहना की, जिसने योजना के तहत एक रोल मॉडल स्कूल के रूप में पहचान बनाई है। इस विद्यालय में न केवल नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, बल्कि बड़ी संख्या में छात्र निजी स्कूलों को छोड़कर इस सरकारी विद्यालय में दाखिला ले रहे हैं, जो जनविश्वास में आए बदलाव और योजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है। शिक्षा मंत्रालय ने हिमाचल सरकार द्वारा योजना के प्रभावी कार्यान्वयन की प्रशंसा करते हुए आशा व्यक्त की कि हिमाचल का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगा।

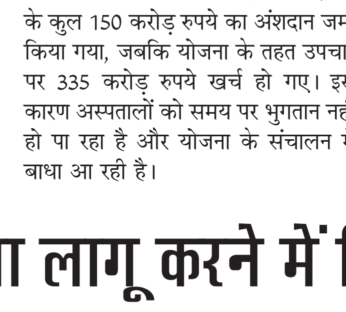

हिमाचल में पीएम श्री योजना के तहत 180 स्कूल चयनित

हिमाचल प्रदेश में पीएम श्री योजना के अंतर्गत 180 स्कूलों का चयन किया गया है। इन स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप बच्चों के समग्र विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। इन विद्यालयों में छात्रों को तकनीकी, व्यावसायिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से सक्षम बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा को इन विद्यालयों में प्रमुखता दी जा रही है ताकि विद्यार्थी रोजगारोन्मुखी कौशल से सुसज्जित हो सकें। इसके साथ ही योग, खेल, करियर गाइडेंस व काउंसलिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रत्येक स्कूल में आधुनिक ड्रुट्रक लैब, अटल टिंकरिंग लैब, विज्ञान प्रयोगशालाएं और प्राथमिक कक्षाओं के लिए चाइल्ड-फ्रेंडली फर्नीचर की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, हर्बल और मेडिसिनल गार्डन भी इन स्कूलों में विकसित किए जा रहे हैं। पीएम श्री स्कूलों का यह उन्नत स्वरूप न केवल विद्यार्थियों को भविष्य के लिए बेहतर रूप से तैयार करेगा, बल्कि यह अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने हिमालयन रेजीमेंट के गठन की उठाई मांग

शिमला, 16 मई (देशबन्धु)। उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज पहाड़ी राज्यों, खासकर हिमाचल प्रदेश के लिए एक अलग हिमालयन रेजीमेंट के गठन की मांग की है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह हिमाचल के जवानों की बहादुरी और बलिदान को लगातार नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को वीरभूमि कहा जाता है। पहले परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा से लेकर कारगिल के हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा तक, प्रदेश के लोगों ने हर युद्ध और सैन्य संघर्ष में अद्वितीय साहस दिखाया है। इसके बावजूद केंद्र सरकार ने पहाड़ी राज्यों की पहचान को दर्शाने वाली अलग रेजीमेंट की जरूरत को नजरअंदाज किया है। उप-मुख्य सचेतक ने जनसंख्या के आधार पर सेना में भर्ती कोटा घटाए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हिमाचल जैसे राज्य के साथ अन्याय है, जिसने हमेशा सेना में बहुमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही हिमाचल की आबादी कम है, लेकिन वीरता और बलिदान के लिए देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने कहा कि सैनिकों की बहादुरी को जनसंख्या के आधार पर नहीं मापा जाना चाहिए। उप-मुख्य सचेतक ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू भेंट कर इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की है और मुख्यमंत्री से इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने का आग्रह किया है।

प्रादेशिकी

माहौल बिगाड़ने की कोशिश में दो को किया पुलिस के हवाले

फर्रुखाबाद, 16 मई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को डब करके पाकिस्तान के सामने झुकने और युद्ध के लिए माफी मांगने जैसा बना शोसल मीडिया पर वायरल करने पर आम नागरिकों ने धर्म विशेष के दो युवकों को को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। उधर जैसे ही हिंदूवादी संगठनों के नेताओं को यह बात पता चली वैसे ही हिंदूवादी नेता सक्रिय हो गए और आपत्तिजनक वीडियो के आधार पर तहरीर देकर युवकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की। विवरण के अनुसार नगर के मोहल्ला बजरिया निवासी जमालुद्दीन पुत्र कल्लू मिस्त्री, शाहिद अली पुत्र शहजादे ने अपमान जनक वीडियो सोशल मीडिया में पर शेयर कर दिया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्षमा मांगने जैसी स्थिति में प्रदर्शित किया जा रहे हैं यह वीडियो जैसे ही प्रदर्शित हुआ वैसे ही आक्रोष लोगों में फैल गया।

श्रमिक व उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक : योगी

■ **मुख्यमंत्री ने श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक को किया संबोधित**

लखनऊ, 16 मई (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब श्रम कानूनों को प्रो-इंडस्ट्री और प्रो-श्रमिक दोनों दृष्टियों से संतुलित बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रम कानूनों का सरलीकरण इस प्रकार किया जाए जिससे उद्योगों को सुविधा मिले, लेकिन यह भी सुनिश्चित हो कि श्रमिकों के शोषण या उनके साथ अमानवीय व्यवहार की कोई संभावना न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर हाथ को काम देने के लिए हमें उद्योगों को सशक्त करना होगा। उद्योग बंद कर किसी को रोजगार नहीं दिया जा सकता, बल्कि उद्योगों का विस्तार ही अधिकाधिक रोजगार सृजन का माध्यम है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की स्थिति में श्रमिकों और उनके परिवारों को सुरक्षा मिले, इसके लिए उन्हें सम्मानजनक मानदेय और बीमा सुरक्षा कवच देना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए राज्य सरकार का प्रयास है कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा श्रमिक-हितैषी और उद्योग समर्थ राज्य बनकर उभरे। उन्होंने कहा कि बाल श्रमिकों को केवल आजीविका से नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और स्पॉन्सर्ड स्कीम्स से जोड़ते हुए उनके पुनर्वासन की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया जाए। यह न केवल सामाजिक दायित्व है बल्कि भावी पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने का दायित्व भी है। मुख्यमंत्री ने श्रमिक अड्डों को मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए, जहां डोरमेट्री, शौचालय, पेयजल, कैंटीन और ट्रेनिंग सुविधाएं उपलब्ध हों।

प्रदेश की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब श्रम कानूनों को प्रो-इंडस्ट्री और प्रो-श्रमिक दोनों दृष्टियों से संतुलित बनाया जाए : योगी आदित्यनाथ

उन्होंने कहा कि कैंटीन में श्रमिकों को 5-10 रुपए में चाय, नाश्ता और भोजन मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की स्किल मैपिंग कराकर न्यूनतम मानदेय की गारंटी व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह असंगठित कार्यबल को संगठित श्रम शक्ति में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। उन्होंने कहा कि विदेश में रोजगार हेतु जाने वाले निर्माण श्रमिकों को न केवल तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाए, बल्कि गंतव्य देश की भाषा का भी प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए। यह उनकी कार्यक्षमता और सुरक्षा दोनों के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने निर्देशित करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना की तर्ज पर निजी अस्पतालों को सीएसआईसी और ईएसआईएस से जोड़ा जाए। इससे संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

देशभर में मॉडल के रूप में उभरे अटल आवासीय विद्यालय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अटल आवासीय विद्यालय को देशभर में मॉडल के रूप में उभरे हैं। उन्होंने अधिकारियों को इनकी निरंतर मॉनिटरिंग के माध्यम से गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त 5,97,625 आवेदनों में से 5,90,881 को एनओसी दी जा चुकी है। शेष शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि आजादी के बाद से 2016 तक प्रदेश में 13,809 कारखाने पंजीकृत थे, जबकि पिछले 9 वर्षों में 13,644 नए कारखानों का पंजीकरण हुआ है। यह 99 प्रतिशत की वृद्धि है। अधिकारियों ने आगे बताया कि भारत सरकार के बीआरएपी रिकमेंडेशन के क्रियान्वयन में श्रम विभाग को अचीवर स्टेट का दर्जा प्राप्त हुआ है। इन उपलब्धियों की मुख्यमंत्री ने सराहना करते हुए इसे अभूतपूर्व बताया।

नवीन मंडी व्यापारियों ने दिया ज्ञापन

मवाना, 16 मई (देशबन्धु)। नवीन सब्जी-फल मंडी के बरामदे व चबूतरों पर लगे टीन शेड हटाने को लेकर मंडी समिति ने व्यापारियों को पखवाड़े भर का नोटिस दिया हुआ है। इससे पहले निर्माण हटाया जाता व्यापारियों के पक्ष में शुक्रवार को भाकियू असली अराजनैतिक संगठन आ गया। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सुहैल राणा व जिलाध्यक्ष विनीत भड़ाना के नेतृत्व में व्यापारी एसडीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार राहुल मलिक को सौंपा और उक्त निर्माण नहीं हटाने की मांग रखी। नायब तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि मंडी समिति की ओर से नवीन सब्जी मंडी के व्यापारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, जिसमें मंडी परिसर में बरामदों में लगे लोहे के जाल और चबूतरों पर लगे टीन शेड को अतिक्रमण बताकर हटाने का आदेश दिए गए हैं। जबकि नवीन सब्जी मंडी एक छोटी मंडी है। व्यापारी की दुकानें भी छोटी हैं यहां पर कोई अतिक्रमण नहीं है और किसी को कोई परेशानी भी नहीं है। दुकानों के आगे बरामदा और चबूतरा हैं जो व्यापारियों के लिए ही बना है।

महिलाएं घर चलाने से लेकर फाइटर प्लेन चलाने में सक्षम : विजया राहटकर

मेरठ, 16 मई (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग एवं युवा मंथन के संयुक्त तत्वावधान में लिंग संवेदनशीलता एवं पॉश जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय,

मेरठ के आईपीआर सेल, महिला सशक्तिकरण समिति, लिंग संवेदनशीलता सेल, लिंग समानता और समान अवसर सेल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सत्यजीत रे प्रेक्षागृह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष सुश्री विजया राहटकर, सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ.जी.के.थपलियाल, विश्वविद्यालय महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ.अंजलि खरे, महिला आयोग के निजी सचिव राम अवतार सिंह, युवा मंथन के निदेशक नितिन अग्रवाल ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज ने कार्यशाला से ज्ञान अर्जित कर महिलाओं को सशक्त बनाने में जागरूकता प्राप्त करने की बात कही। उन्होंने सफल आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएं दीं। कुलपति मेजर जनरल डॉ.जी.के.थपलियाल ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित महिला ही सशक्त बनती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान हेतु आर्थिक स्वतंत्रता जरूरी है। सुभारती विश्वविद्यालय लिंग संवेदीकरण हेतु प्रमुखता से कार्य कर रहा है।

■ **सुभारती में लिंग संवेदनशीलता एवं पॉश जागरूकता कार्यशाला का आयोजन**

सार संक्षेप

महिलाओं की समस्या का समाधान आयोग की प्राथमिकता : विजया

मेरठ। विकास भवन सभागार में राष्ट्रीय महिला आयोग भारत सरकार की अध्यक्ष विजया रहाटकर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय महिला आयोग-आपके द्वार महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष विजया रहाटकर एवं सदस्य राष्ट्रीय महिला आयोग डेलिना खोंगडुप द्वारा महिला जनसुनवाई में आई पीड़ितों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को उनका तत्काल निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में कुल 30 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें 19 प्रकरण महिला आयोग से रजिस्टर्ड व अन्य 11 प्रचार-प्रसार के माध्यम से प्राप्त हुए।

गोली मारकर फोटोग्राफर ने की आत्महत्या

फर्रुखाबाद। फोटोग्राफर ने अपने घर में ही खुद गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में ले लिया। शहर कोतवाली के मोहल्ला पल्ला तालाब पश्चिम निवासी 45 वर्षीय अनूप अग्निहोत्री पुत्र वासुदेव अग्निहोत्री फोटोग्राफर का काम करता था। उसकी पत्नी कुसुम बीते लगभग 2 सालों से विवाद के चलते अपने मायके में ही रह रही थी। शुक्रवार को सुबह अनूप ने विवाद के चलते उसको घर में ही बंद कर लिया था, किसी तरह से वह घर से निकाल कर पल्ला चौकी पहुंची। कुछ देर बाद सूचना मिली कि अनूप अग्निहोत्री ने घर के भीतर तमंचे से कनपटी में गोली मारकर आत्महत्या कर ली है।

खुशबू आइसक्रीम पर एफएसडीए ने मारा छापा

फर्रुखाबाद। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ.प्र. लखनऊ के आदेश के अनुपालन में ग्रीष्म एवं वर्षा ऋतु में खुले, कटे-फटे, सड़े गले एवं कृत्रिम रूप से पकाये गये फलों तथा दूषित खाद्य पदार्थों यथा फलों के जूस, गन्ने का रस, कार्बाइड से पकाए गए आम, आइसक्रीम व आदि के निर्माण व विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु सहायक आयुक्त (खाद्य) अजीत कुमार के निर्देशन एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय प्रधान के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवदास सिंह, डा. शैलेन्द्र रावत एवं अरूण कुमार मिश्र द्वारा निम्न कार्यवाही सम्पादित की गई। पल्ला पर खुशबू आइसक्रीम जनपद-फर्रुखाबाद पर खाद्य प्रतिष्ठान खुशबू आइसक्रीम से खाद्य पदार्थ आइसकैण्डी घोल का एक नमूना संकलित किया गया।

सपा महिला सभा ने निकाल पैदल मार्च

फर्रुखाबाद। ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरेशी पर अपमानजनक बयान देने के विरोध में मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के विरुद्ध शुक्रवार को सपा महिला सभा द्वारा एक पैदल मार्च निकाला गया। यह विरोध मार्च आवास विकास तिराहे से लोहिया मूर्ति तक निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला पदाधिकारी व पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। महिला सभा की नेताओं ने कहा कि देश के लिए समर्पित और वीरता का परिचय देने वाली महिला अधिकारी के प्रति भाजपा मंत्री की टिप्पणी बेहद शर्मनाक और निंदनीय है।

शोभित में फुल स्टैक फ्यूजन कार्यशाला आयोजित

मेरठ, 16 मई (देशबन्धु)। शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ के स्कूल ऑफ कंप्यूटेशनल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा वेब डेवलपमेंट पर आधारित पांच दिवसीय कार्यशाला फुल स्टैक फ्यूजन द पावर ऑफ नोड .जस , माई एसक्यूएल-मांगों डीबी का सफल आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रोफेसर विनोद कुमार त्यागी तथा प्रोफेसर निधि त्यागी, निदेशक, स्कूल ऑफ कंप्यूटेशनल साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। वर्कशॉप का संचालन अभिनव पाठक एवं हीमानी चौधरी, सहायक प्राध्यापक, एससीएसई द्वारा किया जा रहा है। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं बेहतर करियर संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए आयोजित की गई है, जिससे वे उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को दक्षता से तैयार कर सकें। कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया।

गले में खराश बदन में दर्द बुखार तो इन्फ्लूएंजा की कराएं जांच : दिव्यांशु सेंगर

मेरठ, 16 मई (देशबन्धु)। प्यारेलाल हॉस्पिटल के मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर दिव्यांशु सेंगर ने बताया कि इन दिनों मौसम में काफी बदलाव हो रहा है कभी वर्षा होने लगती है तो कभी अचानक तापमान में वृद्धि हो जाती है इसके कारण फ्लू अर्थात इन्फ्लूएंजा के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो गई है अधिकतर लोगों को गले में खराश की शिकायत गले से घटक ने की दिक्कत नाक से लगातार अपनी बहन की शिकायत देखी गई है इसके साथ-साथ बुखार भी चढ़ जा रहा है जिससे लोगों के फेफड़े भी प्रभावित हो रहे हैं यह बीमारी ऐसी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को यह जल्दी संक्रमित करती है इससे बचने के लिए सितंबर और अक्टूबर में वैक्सीन लगवाना चाहिए साल में एक बार लगवाने से एंटीबॉडी विकसित हो जाती हैं और फ्लू के संक्रमण से सुरक्षित अपने को रख सकते हैं इन दोनों सांस के मरीजों की संख्या बढ़ी है तापमान में बदलाव हो रहा है अक्टूबर से जनवरी तक इन्फ्लूएंजा परेशान करता है सर्दी खांसी जुकाम पेट दर्द पुलिया के मामले बढ़ जाते हैं सांस संबंधी संक्रमण का खतरा अधिक होता है मौसम में बदलाव के वक्त बुखार आना सामान्य है इन दोनों बुखार के कैसे कही आ रहे हैं मांस का उपयोग करें संक्रमण वाले व्यक्ति से दूरी बनाकर रखें तो आप अपने को बचा सकते हैं।

इन्फ्लूएंजा से बचाव के उपाए

एलर्जी की समस्या है तो एलसेट डीसी की गोली दिन में एक बार ले सकते हैं। एल सेट डीसी और मोटियार 10 ले सकते हैं यदि आपको तीन-चार दिन से ठीक और गले में दर्द की समस्या है और नाक से पानी आ रहा है। एक-दो दिन से लगातार तेज बुखार सर दर्द और गले में खराश और बदन में दर्द हो रहा है तो इन्फ्लूएंजा का संक्रमण हो सकता है ऐसी दशा में आजीवक 500 एमजी की गोली ले आपको आराम। यदि आपकी यूरिन डार्क पीली आ रही है और आप दवा का सेवन कर रहे हैं आपको कोई शक है तो अपने किसी फिजिशियन से मिलकर यूरिन का टेस्ट कराए उसके आधार पर ही डॉक्टर इलाज कर सकेगा। 2 दिन या तीन दिन से वायरल बुखार है खाना अच्छा नहीं लग रहा है तो ऐसी दशा में भाप ले दिन में दो-तीन बार इसके अलावा एल सेट डीपी की एक टेबलेट सुबह शाम ले सकते हैं।

सौंदर्यीकरण कार्य में बाधा डालने का लगा आरोप

मवाना, 16 मई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद मवाना द्वारा फलावदा रोड स्थित सरकारी तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य कराया जा रहा है, जिसमें नाले की खुदाई और निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसी क्रम में खुदाई स्थल पर तैनात जेसीबी मशीन के चालक शराफत पुत्र हेंदर ने आरोप लगाया है कि कार्य के दौरान कुछ स्थानीय व्यक्तियों द्वारा बाधा उत्पन्न की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को जब जेसीबी से कार्य हो रहा था, तभी मौके पर राजु पुत्र संजय एवं राजा पुत्र सत्तू मोहल्ला एखेड़ा निवासी पहुंचे और शोर-शराबा करते हुए कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया। आरोप है कि उन्होंने सरकारी जमीन पर कब्जा करने की मंशा से धमकी भी दी और तालाब की जमीन को अपनी बताकर विरोध किया। तहरीर में बताया गया कि मौके पर कई लोग इकट्ठा हो गए, जिन्होंने उक्त लोगों को रोकने का प्रयास किया, किंतु वे धमकी देते हुए यह कहते चले गए कि यदि कार्य नहीं रोका गया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर अपने व अन्य कर्मचारियों की सुरक्षा की मांग करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की अपील की है।

भाजपाइयों ने मनाई रानी अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी

मेरठ, 16 मई (देशबन्धु)। भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पर रानी अहिल्याबाई होल्कर जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान 2025अभियान को लेकर एक जिला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिले के यशस्वी जिला अध्यक्ष ठाकुर शिवकुमार राणा ने की। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री एवं अभियान संयोजक हरीश चौधरी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा यह वर्ष पुण्य श्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर जी की 300 वी जयंती वर्ष है। जिनका जन्म 31 मई 1725 में महाराष्ट्र में चौड़ी गांव में हुआ था। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में उनकी प्रतिमा स्थापित करते हुए बताया कि पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर काशी विश्वनाथ से लेकर सोमनाथ तक अनेकों मंदिरों का जीर्णोद्धार एवं निर्माण कराया। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधु इस प्रकार जिला अध्यक्ष शिवकुमार राणा पूर्व विधायक सत्यवीर त्यागी, रणवीर राणा, जगत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मनिंदर पाल सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हरेंद्र जाटव, क्षेत्रीय मंत्री इंद्रपाल बजरंगी, अंकुर राणा, विजेंद्र नागर, ओबीसी मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष हरवीर पाल, जिले के चारों महामंत्री भंवर सिंह तोमर, हरीश चौधरी, समीर चौहान, अंकुर मुखिया, जिला उपाध्यक्ष विनोद चौधरी, फिरेराम धनतला, ओम प्रकाश पाल आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने को लेकर अध्यक्ष ने की समीक्षा बैठक

मवाना, 16 मई (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद् मवाना के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक द्वारा आज नगर में चल रहे नाला सफाई कार्य एवं समग्र साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पालिका के सफाई नायकों व कर्मचारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अध्यक्ष ने सभी सफाई नायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही नागरिकों की

शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के लिए कड़े दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। इस अवसर पर पालिका लिपिक लाखन सिंह, सफाई नायक मनोज, राकेश, मजहर अब्बास, सुजीत तथा पालिका कर्मचारी सन्दीप कुमार, संजय चौहान सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सेहत तय करती है ब्रेस्ट कैंसर का इलाज : डा. रजिन्दर कौर

मेरठ, 16 मई (देशबन्धु)। ब्रेस्ट कैंसर बुजुर्ग महिलाओं में एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, लेकिन इससे जुड़ी कई भ्रांतियां उन्हें समय पर इलाज लेने से रोकती हैं। आज के आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने यह संभव बना दिया है कि किसी भी उम्र में प्रभावी उपचार किया जा सकता है, जिससे बुजुर्ग महिलाओं को भी सही समय पर समुचित इलाज मिल सके। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (ब्रेस्ट) विभाग की सीनियर डायरेक्टर डॉ. रजिंदर कौर सग्गू ने बताया कि यह सोचना कि ब्रेस्ट कैंसर बुजुर्ग महिलाओं में दुर्लभ है, एक बहुत बड़ी भ्रांति है। वास्तव में, ब्रेस्ट कैंसर का खतरा उम्र के साथ बढ़ता है और 65 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में इसके मामलों की संख्या सबसे अधिक देखी जाती है।

■ **किसी भी उम्र में प्रभावी उपचार संभव**

दुर्भाग्यवश, कई बुजुर्ग महिलाएं नियमित स्क्रीनिंग नहीं करवातीं, जिससे उनका कैंसर देर से पकड़ में आता है। अच्छी सेहत में रहने वाली महिलाओं को 70 वर्ष की उम्र के बाद भी नियमित मैमोग्राम करवाते रहना चाहिए। स्तनों में होने वाले किसी भी बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

करार — *भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो और कृषि विवि के बीच एमओयू*

छात्रों के लिए काफी लाभकारी होगा समझौता : केके सिंह

मेरठ, 16 मई (देशबन्धु)। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मध्य समझौते पर हस्ताक्षर किए गए इस अनुबंध को सहयोगात्मक अनुसंधान शैक्षणिक इंटर्नशिप और आउटरीच गतिविधियों के लिए संयुक्त सहयोग क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास अध्ययन करने के उद्देश्य से किया गया है समझौते पर किसी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर केके सिंह तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो के डॉक्टर एस.के. श्रीवास्तव मुख्य महाप्रबंधक द्वारा हस्ताक्षर कर एमओयू किया गया

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के.के. सिंह ने कहा यह समझौता पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों के साथ-साथ विज्ञानिकों एवं छात्रों के लिए, काफी लाभकारी होगा उन्होंने कहा इस अनुबंध से वैज्ञानिक विशेषज्ञ के आदान-प्रदान और अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यवहारिक क्षेत्र भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मुख्य महाप्रबंधक डॉक्टर एस के श्रीवास्तव ने कहा की इस साझेदारी का प्रभाव न केवल हमारी प्रयोगशालाओं और कक्षाओं में महसूस किया जाएगा बल्कि हमारे किसानों की खेतों में भी महसूस किया जाएगा जहां यह सबसे ज्यादा मायने रखता है उन्होंने कहा कि इसरो के पास आज अनुसंधान के क्षेत्र में कई अच्छे शोधकर हो रहे हैं उन सभी का लाभ कृषि विवि के शिक्षकों छात्रों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को मिल सके इसके लिए आगामी दोनों में कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा कृषि विवि के कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह ने अपने संबोधन में कहा इसरो के साथ

प्लेसमेंट ड्राइव का हुआ आयोजन

मेरठ। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर के के सिंह के दिशा निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर माय एनिमल कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट संदीप दत्ता ने संबोधित करते हुए कहा भारत में माय एनिमल कंपनी द्वारा पशुओं कुत्तों ऊंट घोड़ों तथा अन्य जानवरों के लिए स्वास्थ्यवर्धक तथा गुणकारी प्रोडक्ट को बनाया जा रहा है जिससे भारत के पशुपालक लाभान्वित हो सके।

समझौते पर हस्ताक्षर होना विज्ञान समाज और स्थिरता की सेवा के लिए दो महान संस्थाओं की ताकत को जोड़ने का कार्य हुआ है निश्चित रूप से इन दोनों संस्थाओं के सहयोग के चलते भविष्य में शोध शिक्षा एवं प्रसार के कार्य में और अधिक शक्तिशाली सहयोग की शुरुआत हो सकेगी।

जेवरात समेत तीन शातिर चोर गिरफ्तार

फर्रुखाबाद, 16 मई (देशबन्धु)। शमशाबाद थाना पुलिस ने तीन चोरों को चोरी के माल एवं नगदी के साथ गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए चोरों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पकड़े गए चोरों में जबर सिंह उर्फ अमर सिंह पुत्र मेवाराम निवासी ग्राम धुमड्या रसूलपुर थाना नवाबगंज, धनीराम पुत्र फकीरे लाल निवासी ग्राम कंचनपुर उदयपुर थाना राजेपुर, अमित वर्मा पुत्र रामू वर्मा निवासी

मोहल्ला गुनारा थाना जलालाबाद शाहजहांपुर हैं। इन सभी के खिलाफ विभिन्न स्थानों में तीन दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वादी धनपाल पुत्र होरीलाल निवासी ग्राम ऊधौपुर थाना शमसाबाद व मुनेश कुमार पुत्र राजवीर सिंह निवासी ग्राम सरपरपुर थाना शमसाबाद के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा घर से जेवर व अन्य सामान चोरी कर लिये जाने की तहरीर दी थी। पुलिस ने पकड़े गए चोरों के पास से सोने चांदी के जेवरात एक मोबाइल 9300 की नगदी बरामद की है।

'धमाल 4' को लेकर आया बड़ा अपडेट, ईद के खास मौके पर होगी रिलीज

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। अजय देवगन इन दिनों फिल्म 'रेड 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म एक मई को रिलीज हुई थी और पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। इस बीच एक्टर की एक और सुपरहिट कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी 'धमाल' की चौथी किस्त भी चर्चा में आ गई है। फिल्म की शूटिंग चल रही है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। दरअसल, 'धमाल 4' को अगले साल ईद के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसकी पुष्टि निर्माताओं ने की। टी-सीरीज ने अपने एक्स पोस्ट पर स्टारकास्ट की एक फोटो शेयर की, जिसमें अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा, जावेद जाफरी, संजीदा शेख, अंजलि आनंद समेत कई स्टार कलाकार नजर आ रहे हैं।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस

बिना दवा खाए दें 'साइलेंट किलर' को मात

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन एक ऐसा नाम है, जिससे 10 में से 7 लोग पीड़ित होते हैं। इसके कोई प्रत्यक्ष लक्षण भी नहीं होते इसीलिए तो हाइपरटेंशन को 'साइलेंट किलर' की संज्ञा भी दी जाती है। इसकी चपेट में आकर जब मरीज डॉक्टर के यहां पहुंचते हैं तो उन्हें गोलियां खानी पड़ती है। हालांकि, डॉक्टर्स खुद कुछ ऐसी सलाह देते हैं, जिससे बिना दवा के इसे नियंत्रित किया जा सकता है। 17 मई को विश्व उच्च रक्तचाप दिवस है। उच्च रक्तचाप की समस्या आमतौर पर तब तक सामने नहीं आती जब तक कि यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण न बन जाए।

घर पर रक्तचाप की नियमित निगरानी करने की सलाह के साथ डॉक्टर कुछ आसान सी चीजों को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देते हैं। इससे आप रक्तचाप को कम कर हृदय रोग के खतरे को भी कम कर सकते हैं। जीवनशैली में बदलाव उच्च रक्तचाप के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वस्थ जीवनशैली के साथ रक्तचाप को नियंत्रित करने से दवा की जरूरत को रोका या कम किया जा सकता है।

'क्लीवलैंड क्लिनिक' में छपी एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, वजन को कम करके, नियमित व्यायाम को अपनाकर, स्वस्थ आहार के साथ नमक या सोडियम का कम इस्तेमाल करने के साथ ही कुछ और भी चीजों को शामिल कर हाइपरटेंशन को बाय-बाय कह सकते हैं। इसके लिए इन बातों पर ध्यान देना जरूरी है-वजन कम करें, डॉक्टर बताते हैं कि उच्च रक्तचाप की बड़ी वजह बढ़ा हुआ वजन होता है। ज्यादा वजन होने से सोते समय सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। इस समस्या को मेडिकल साइंस में 'स्लीप एपनिया' कहते हैं, जो रक्तचाप की समस्या को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाता है। वजन कम करना रक्तचाप को

डॉक्टर कुछ आसान सी चीजों को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह देते हैं। इससे आप रक्तचाप को कम कर हृदय रोग के खतरे को भी कम कर सकते हैं। जीवनशैली में बदलाव उच्च रक्तचाप के इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नियंत्रित करने के सर्वोत्तम उपायों में से एक माना जाता है। नियमित व्यायाम करें, नियमित रूप से व्यायाम करने से रक्तचाप की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। नियमित रूप से कम से कम 20 से 30 मिनट तक योग या ध्यान करना चाहिए। आजकल की अनियमित दिनचर्या और अनहेल्दी आहार से रक्तचाप की समस्या अपनी गहरी पकड़ बना चुकी है। ऐसे में मोटे अनाज, फल, सब्जियां खाने और कम वसा, कोलेस्ट्रॉल वाले भोजन का सेवन रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। हाइपरटेंशन से पीड़ित लोगों को अपने आहार में नमक और सोडियम का इस्तेमाल कम करना चाहिए। नियमित रूप से आहार में सोडियम की कम मात्रा दिल और पूरे शरीर को फिट रखती है और रक्तचाप को बेहतर बनाती है।

शराब और धूम्रपान का सेवन न करें, शराब या धूम्रपान को इग्नोर करके रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। शराब पीने से रक्तचाप कई पॉइंट तक बढ़ सकता है। विज्ञान भी मानता है कि धूम्रपान से रक्तचाप बढ़ता है। धूम्रपान छोड़ने से रक्तचाप कम करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रात में नींद पूरी तरह से ली जाए तो काफी हद तक समस्या को कम किया जा सकता है। रात में सात घंटे से कम नींद लेना उच्च रक्तचाप में बड़ी भूमिका निभा सकता है। नींद में खलल डालने वाली चीजों से दूर रहें। इसके लिए सोने से पहले मोबाइल, टीवी या तेज रोशनी वाली चीजों से दूर रहें। इसके अलावा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि हमारी सकारात्मकता और नकारात्मकता शरीर पर काफी असर डालते हैं। इसलिए तनाव से दूर रहें, ज्यादा से ज्यादा पॉजिटिव विचार रखें, किताबें, लेख आदि पढ़ें और साथ ही घर पर ही अपना रक्तचाप नियमित रूप से ट्रैक करते रहें। अपने कोलेस्ट्रॉल और ग्लूकोज को भी नियंत्रित रखें। डॉक्टरों का मानना है कि ये छोटे-छोटे मगर काम की चीजों को दिनचर्या में शामिल करके हम बड़े बदलाव ला सकते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस

डेंगू आया तो घबराएं नहीं, अपनाएं ये आसान उपाय!

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। गर्मियों और बरसात के मौसम में मच्छरों का आतंक हर घर, हर गली में देखने को मिलता है। इस दौरान कई खतरनाक बीमारियों के फैलने का खतरा रहता है। इनमें से एक है डेंगू। यह एक जानलेवा वायरल संक्रमण है जो एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। तेज बुखार, सिरदर्द, जोड़ों में दर्द, त्वचा पर चकत्ते और कमजोरी इसके मुख्य लक्षण हैं। समय पर इलाज न हो तो यह प्लेटलेट्स की संख्या घटाकर स्थिति को गंभीर बना सकता है। हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है, ताकि लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जा सके।

इस कड़ी में केंद्र और राज्य सरकारें भी कड़े कदम उठा रही हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स पोस्ट में डेंगू से बचने के लिए स्वच्छता के नियमों का पालन करने की अपील की।

यूपी सीएम ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा- 'डेंगू एक गंभीर बीमारी है किंतु स्वच्छता के नियमों का पालन कर इससे बचा जा सकता है। आइए, इस 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' पर हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि स्वच्छ परिवेश व सतर्क जीवनशैली अपनाकर एक जागरूक समाज का निर्माण करेंगे तथा डेंगू जैसी बीमारी को मात देंगे।' 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' का दिन हमें सतर्क रहने की याद दिलाता है, क्योंकि रोकथाम इलाज से बेहतर है। क्लीवलैंड क्लिनिक के मुताबिक, हर साल लगभग 400 मिलियन लोग डेंगू से ग्रसित होते हैं। हालांकि ज्यादातर मामलों में लक्षण नहीं नजर आते। इसलिए जरूरी है कि समय रहते सही उपचार अपना लिया जाए। घर के आसपास पानी जमा न होने देना, पूरी बाजू के कपड़े पहनना और मच्छरदानी का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, जैसे- कूलर, फूलदान, टंकी, या कोई भी खुला बर्तन जिसमें पानी जमा हो। डेंगू का मच्छर काले रंग का होता है और उसके शरीर पर सफेद धारियां होती हैं। मच्छर के काटने के चार से सात दिन बाद डेंगू के लक्षण दिखने लगते हैं। इसमें कभी-कभी प्लेटलेट्स की संख्या बहुत कम हो जाती है, जिससे खून बहने की समस्या हो सकती है। यह स्थिति गंभीर हो सकती है और समय पर इलाज न मिले तो जानलेवा भी बन सकती है।

अगर किसी को डेंगू हो जाए, तो उसे ज्यादा से ज्यादा पानी, नींबू पानी, नारियल पानी, जूस, सूप और तरल चीजें देते रहना चाहिए।

'डेंगू एक गंभीर बीमारी है किंतु स्वच्छता के नियमों का पालन कर इससे बचा जा सकता है। आइए, यह संकल्प लें कि स्वच्छ परिवेश व सतर्क जीवनशैली अपनाकर एक जागरूक समाज का निर्माण करेंगे तथा डेंगू जैसी बीमारी को मात देंगे।'

फिल्म इंडस्ट्री में पहले मुझे पुरुषों से कम मिला समर्थन : नीतू चंद्रा

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। एक्ट्रेस नीतू चंद्रा ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में असमानता और पुरुषों से समर्थन की कमी के बारे में आईएएनएस से खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कैसे लगातार प्रयासों और प्रतिभा के बावजूद उनके विचारों की अनदेखी की जाती थी और उनके योगदान को कमतर आंका जाता था। नीतू ने कहा, 'अक्सर पुरुषों ने मेरा साथ नहीं दिया। फिल्म इंडस्ट्री में बहुत से पुरुषों ने मेरे सपनों और क्षमताओं पर सवाल उठाए। वे कहते थे कि मेरे पास कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है, तो मैं कैसे आगे बढ़ पाऊंगी? लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी। मैं कदम दर कदम खुद को आगे बढ़ाती रही। शुरुआत में मुझे काम न मिलने का डर था। लेकिन 10 साल से भी ज्यादा समय तक थिएटर करने के बाद, मुझे अब वो डर नहीं लगता। अब अगर मुझे कोई प्रोजेक्ट या काम दिल से जुड़ा नहीं लगता, तो मैं खुद ही अपने लिए अवसर बना लेती हूं। बॉलीवुड में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए चंद्रा ने बताया कि वह हमेशा से ही एक्शन फिल्में करना चाहती थीं। अपने संघर्षों के बारे में उन्होंने कहा, मार्शल आर्ट में पारंगत होने के चलते मुझे हॉलीवुड ने पहला मौका दिया। इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं, लेकिन मेरा दिल और पहचान बॉलीवुड से जुड़ी हुई है। मैंने बहुत छोटी उम्र में अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया। मैं पंद्रह या सोलह साल की उम्र में मुंबई आई थी और ऑडिशन के लिए एक स्टूडियो से दूसरे स्टूडियो भटकती थी। मुझे पहला बड़ा मौका एक पार्कर पेन के विज्ञापन में मिला, जिसे निर्देशक प्रियदर्शन ने बनाया था।

मार्शल आर्ट में पारंगत होने के चलते मुझे हॉलीवुड ने पहला मौका दिया। इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं, लेकिन मेरा दिल और पहचान बॉलीवुड से जुड़ी हुई है: नीतू चंद्रा

यहीं से मेरा एक्टिंग करियर शुरू हुआ। मैं हमेशा बॉलीवुड की आभारी रहूंगी, कि इसने मुझे पहचान और हिम्मत दी। मैंने असफलताओं से बहुत कुछ सीखा है, और मजबूत बनी हूं। चंद्रा ने कहा, आप चाहे किसी भी मुकाम पर क्यों न हों, एक कलाकार के तौर पर लोगों से संपर्क करना, काम मांगना आपका अधिकार है। इसमें कोई झिझक नहीं होनी चाहिए।

अनिल कपूर ने बढ़ाया जवानों का जोश, 'भारत भूलता नहीं है, माफ भी नहीं करता'

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। दिग्गज बॉलीवुड स्टार अनिल कपूर ने भारत की एकता और मजबूती पर गर्व जताया है। उन्होंने कहा कि भले ही देश के अंदर अलग-अलग मतभेद हों, लेकिन जब बात सेना की होती है, तो पूरा देश एकजुट होकर उनके साथ खड़ा होता है। अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भारतीय सेना की बहादुरी के नाम एक पोस्ट शेयर किया और कहा कि भारत किसी भी खतरे का डटकर जवाब देता है। उन्होंने लिखा, 'जो करने की जरूरत थी, वही किया गया। ऐसा कौन-सा परिवार है, जिनके सदस्यों के बीच मतभेद नहीं होते, लेकिन जब बात देश की आती है, तो हम सब एक हैं। हमेशा से रहे हैं और हमेशा रहेंगे। अपनी सशस्त्र सेनाओं के प्रति आभारी हूं कि वे बहादुरी से डटकर मुकाबला करते हैं। भारत भूलता नहीं है। भारत माफ नहीं करता है। जय हिंद...जय हिंद की सेना!' वहीं अन्य हस्तियां भी सेनाओं का हौसला बढ़ा रही हैं। हाल ही में पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'भारत केवल एक देश नहीं है, यह एक भावना है, एक अहसास है जो लोगों को दिल से जोड़ता है। एकता का बंधन है जो जाति, धर्म, भाषा या पृष्ठभूमि से परे है। हम सभी पहले भारतीय हैं, और हमारी एकता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हम भारत के लोग अपनी सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। अगर कभी जरूरत पड़ी, तो हर भारतीय उनके साथ खड़ा होगा, न सिर्फ भावनात्मक रूप से, बल्कि वास्तविक कार्रवाई में भी।

खत्म हुई 'ग्लोरी' की शूटिंग, पुलकित ने शेयर किया नोट, पत्नी और टीम पर लुटाया प्यार

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। अभिनेता पुलकित सम्राट की अपकमिंग फिल्म 'ग्लोरी' की शूटिंग खत्म हो चुकी है। प्रशंसकों को जानकारी देते हुए अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने न केवल फिल्म की टीम बल्कि अपनी पत्नी, अभिनेत्री कृति खरबंदा के लिए भी खूबसूरत लाइन लिखी। इंस्टाग्राम पर अभिनेता ने एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने किरदार की ताकत और खूबसूरती से रूबरू कराया।

पुलकित ने लिखा, 'ग्लोरी की शूटिंग खत्म हो चुकी है, मगर उसकी आग नहीं। एक भूमिका के रूप में शुरू हुआ मेरा सफर गहरे रूप से मेरे व्यक्तित्व से जुड़ चुका है। इस भूमिका ने मुझे काफी कुछ सिखाया। मैं शूटिंग के दौरान खून से लथपथ, चोटिल, टूटा हुआ था...यह कोई शूटिंग नहीं, यह आत्मा की सर्जरी थी!' अभिनेता ने आगे बताया, 'पंजाब की ठंड में सुबह 5 बजे उठना और तब तक काम करना जब तक की शूटिंग खत्म न हो जाए। राउंड जो 'कट' पर नहीं रुकते थे... हर फ्रेम के लिए जी तोड़ मेहनत किया।' अपनी टीम का आभार जताते हुए उन्होंने लिखा, 'करण अंशुमान आपका धन्यवाद, कनिष्क मैंने आपसे बहुत कुछ सीखा है! कर्मण्य, आपने मेरे किरदार को एनर्जी और ताकत के साथ आकार दिया। वैभव विशाल, आपके डायलॉग शानदार रहे। टीम नेटफ्लिक्स, एक ऐसी कहानी का समर्थन करने के लिए धन्यवाद जो दिल को छू जाती है।' एक्शन टीम, आप लोगों ने मुझे सिखाया कि कैसे गिरना है और एक हीरो की तरह उठना है और बेहतरीन तरीके से ट्रेनिंग दी।

पोस्ट के अंत में उन्होंने अपनी पत्नी, अभिनेत्री कृति खरबंदा की तारीफ करते हुए लिखा, 'मेरी खूबसूरत पत्नी कृति खरबंदा को प्यार और धन्यवाद। मैं जब भी सेट से घर पर पहुंचा, तुमने मेरी मदद की और हमेशा मेरी ताकत की तरह मेरे साथ खड़ी रही। आई लव यू।' 'ग्लोरी' में अपने किरदार के नाम का जिक्र करते हुए अभिनेता ने आगे लिखा, 'रवि का काम अभी खत्म नहीं हुआ है।

जहरीली होती जा रही हवा! इन उपायों से दें प्रदूषण को मात

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। कभी धरती हरी-भरी थी, लेकिन आज कराह रही है। नदियों में गंदगी और हवा में जहर घुल चुका है। आज प्रदूषण हमारे जीवन का ऐसा साया बन चुका है, जो हमें अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली का प्रदूषण से हाल बेहाल है। गुरुवार को धूल भरी आंधी के बाद दिल्ली में वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) बिगड़ गई। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, दिल्ली में शुक्रवार सुबह 7 बजे तक औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक 305 अंक पर बना हुआ है। यह अंक वायु गुणवत्ता की बहुत खराब स्थिति को दर्शाता है। इसलिए अब वक्त सिर्फ अफसोस करने का नहीं, बल्कि कड़े कदम उठाने का है।

2023 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने प्रदूषण को लेकर एक अध्ययन किया। इसमें दो शहरों, चेन्नई और दिल्ली, को शामिल किया गया।

करीब 9 हजार लोगों को लगातार मॉनिटर करने के बाद रिपोर्ट प्रकाशित की गई। इसमें बताया गया कि हमारे देश में पीएम 2.5 प्रदूषण और टाइप-2 डायबिटीज के बीच गहरा संबंध है। शोध की अगुवाई कर रहे डॉक्टर सिद्धार्थ मंडल ने बताया कि अभी तक वायु प्रदूषण को अस्थमा और दिल के रोगों से ही जोड़ा जाता था। लेकिन हमने अपनी रिसर्च में पाया कि पीएम 2.5 वाली हवा आपको टाइप 2 डायबिटीज का भी शिकार बना सकती है।

प्रदूषण का प्रभाव हमारे जीवन पर बहुत बुरा पड़ता है। वायु प्रदूषण यानी हवा का जहरीला हो जाना। धूल, धुआं, हानिकारक गैसें और रासायनिक तत्व मिलकर हवा की शुद्धता को खत्म कर रहे हैं। यह सिर्फ इंसानों के लिए खतरनाक नहीं है, बल्कि जानवरों के लिए भी बहुत नुकसानदायक है।

इससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। वहीं, सांस की बीमारियां, जैसे अस्थमा और फेफड़ों का कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर और ज्यादा देखने को मिलता है। इससे दिल की बीमारी और आंखों में जलन भी हो सकती है। प्रदूषण से ग्लोबल वार्मिंग और ओजोन परत को नुकसान होता है, जिससे मौसम में असंतुलन पैदा हो जाता है, जो प्राकृतिक आपदाओं का कारण बनता है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि प्रदूषण से बचने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं।

विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के गठजोड़ के चमत्कारिक लाभ : डॉ. राजेश राणा

ग्रेटर नोएडा,16 मई (देशबन्धु)। आज के युग में बहुत तेजी से जीवन के साथ-साथ जीवन शैली में बदलाव आ रहे हैं। पूर्ण रूप से स्वस्थ का मतलब केवल शारीरिक तौर पर स्वस्थ रहने से नहीं है। पूर्ण रूप से स्वस्थ का मतलब चारों मापदंड से है और यह चारों मापदंड है, भौतिक, मानसिक, भावनात्मक, और आध्यात्मिक स्वास्थ्य। अगर आप किसी भी एक मापदंड पर परेशानी महसूस कर रहे हैं, तो आपको सही तरीके से आकलन करके पूर्ण रूप से स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाना होगा। डॉ. राजेश राणा, फिजियोथैरेपिस्ट एवं प्राकृतिक चिकित्सक ग्रेटर नोएडा ने बताया कि समय बदल रहा है, तो जीवन शैली भी बदल रही है। खानपान का तरीका बदल रहा है, सोने का समय बदल रहा है, प्रकृति से दिनों दिन दूरी बढ़ती जा रही है। वह सब चीजें जिनकी स्वस्थ रहने के लिए बहुत अधिक आवश्यकता है, हम बहुत तेजी से उनसे दूर होते जा रहे हैं, जैसे उगते हुए सूरज की किरणें, चिड़ियों की चहचहाट, सुबह-सुबह की ताजी हवा और सकारात्मकता।

समय के साथ चिकित्सा पद्धति में हो रहा है बदलाव

इन सब चीजों का भौतिक स्वास्थ्य पर असर तो पड़ता ही है, लेकिन सबसे ज्यादा असर आपकी मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। यदि हम बदल रहे हैं तो जाहिर तौर पर बीमारियां भी बदल रही हैं। जैसे अगर आप गौर करोगे तो मानसिक बीमारियां जैसे चिंता, अवसाद, मूड स्विंग, मन का अस्थिर होना, नींद ना आना, हमेशा बेचैनी रहना, अशांत रहना, चिड़चिड़ापन, अपराधबोध, एकाग्रता की कमी, हमेशा नेगेटिव और जरूरत से ज्यादा सोचना,किसी भी चीज की लत लगना चाहे वह सिगरेट, शराब हो या सोशल मीडिया, सभी तेजी से बढ़ रहे हैं। अगर आप ध्यान से देखोगे तो लगभग हर बीमारी का कारण आपका अस्थिर मानसिक स्वास्थ्य है जैसे पेट की बीमारियां, हार्मोन की बीमारियां, विभिन्न दर्द, त्वचा संबंधी रोग और भी बहुत सारे रोग। अगर बीमारियां बदल रही हैं तो हमें भी बदलना होगा। हमें भी मरीज का इलाज विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के गठजोड़ से करना पड़ेगा, क्योंकि हर डॉक्टर का एक ही मिशन होना चाहिए होना चाहिऐ मरीज का जल्द से जल्द पूर्ण रूप से स्वस्थ होना। वह डॉक्टर आज के समय में सफल है जो अपने मरीज को स्वस्थ जीवन शैली की ओर अग्रसर करने में सक्षम है। साथ ही आपको अपने मरीज को स्वस्थ करने के लिए संबंधित चिकित्सा पद्धति के लिए रेफर भी करना चाहिए। वैसे भी ईश्वर ने हमें मानव होने के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ कर्म डॉक्टर का दिया है, जो दूसरे की पीड़ा खत्म करने में सक्षम है।

आयुर्वेद, एक्यूप्रेशर, पंचकर्म, फिजियो थैरेपी, एलोपैथी के समन्वय से जटिल रोगों का निदान संभव

जटिल रोगों के इलाज में विभिन्न चिकित्सा पद्धति कारगर

अगर कोई मरीज अवसाद से पीड़ित है, तो प्राकृतिक चिकित्सा, एलोपैथी, एक्यूपंक्चर, काउंसलिंग सेशन, योग, पंचकर्म और विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों का एक प्रभावी गठजोड़ बनाकर बड़ी आसानी से मरीज को ठीक किया जा सकता है। अगर कोई मरीज जटिल कमर दर्द, घुटने का दर्द से पीड़ित है तो फिजियोथैरेपी, एक्यूपंक्चर, एलोपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा के गठजोड़ से आराम से ठीक हो सकता है। डॉ. राजेश राणा ने बताया कि हमने बहुत से जटिल रोगों के मरीजों को अपने सेंटर पर विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से ठीक किया हैं। अत: आवश्यकता है विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों को सम्मान देने की और यहां जिस चिकित्सा पद्धति की जरूरत है वहाँ उस चिकित्सा पद्धति को अपनाकर मरीज को संपूर्ण स्वस्थ करने की। आईये, हम सब मिलकर स्वस्थ भारत महान भारत मिशन को आगे बढ़ते हैं।

बदलती जीवनचर्या से युवाओं में भी बढ़ रहा हाइपरटेंशन

हर पांचवां व्यक्ति हाइपरटेंशन का शिकार, नियमित जांच कराना जरूरी

ग्रेटर नोएडा,16 मई (देशबन्धु)। हाइपरटेंशन दबे पांव हमारे जीवने में जगह बना रहा है। कुछ लोग तो इसे साइलेंट किलर तक का नाम देते हैं क्योंकि इसके शुरुआती लक्षणों को बड़ी संख्या में लोग नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर बड़ी समस्या का कारण बनता है। विश्व हाइपरटेंशन दिवस पर यह समझना जरूरी है कि यह बीमारी आज के दौर में एक आम लेकिन गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है। पहले यह समस्या मुख्य रूप से 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में देखी जाती थी लेकिन अब युवाओं में भी इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रोज ओपीडी में आने वाले वयस्क मरीजों में लगभग 20 से 25 फीसदी

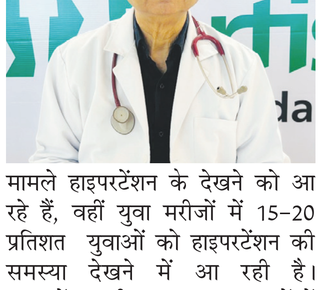

मामले हाइपरटेंशन के देखने को आ रहे हैं, वहीं युवा मरीजों में 15-20 प्रतिशत युवाओं को हाइपरटेंशन की समस्या देखने में आ रही है। हाइपरटेंशन की समस्या उन युवाओं में ज्यादा देखने को मिलती है जो मोटापे की समस्या से ग्रस्त होते हैं, जिनका खान-पान ठीक नहीं है, जो बॉडी बिल्डिंग के नाम पर बहुत ज्यादा प्रोटीन लेते हैं। ऐसे बच्चे जिन्हें बचपन में किडनी से सम्बंधित बीमारियाँ होती हैं। उनमें भी हाइपरटेंशन देखने को मिलता है। हाइपरटेंशन के लिए बदलती जीवनशैली एक एक बड़ी वजह है। फास्ट फूड कल्चर, असंतुलित खान-पान, अत्यधिक तनाव, नशे की आदत, कम नींद, बढ़ता मोटापा, यह सभी कारक हाइपरटेंशन की संभावना को बढ़ाते हैं। यदि हम अपनी दिनचर्या और आदतों में सुधार करें, तो इस स्थिति से बचाव संभव है।

हाइपरटेंशन से बचने के लिए नियमित रूप से बीपी की जांच करवाते रहना जरूरी है। अधिक मात्रा में नमक का सेवन न करें, मसालेदार और तला-भुना भोजन कम करें, सेंधा नमक का इस्तेमाल करना बेहतर हो सकता है: डॉ. दिनेश कुमार, डायरेक्टर इंटर्नल मेडिसिन, फोर्टिस ग्रेटर नोएडा

फोर्टिस ग्रेटर नोएडा के डायरेक्टर इंटर्नल मेडिसिन, डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि हाइपरटेंशन से बचने के लिए नियमित रूप से बीपी की जांच करवाते रहना जरूरी है। अधिक मात्रा में नमक का सेवन न करें, मसालेदार और तला-भुना भोजन कम करें, सेंधा नमक का इस्तेमाल करना बेहतर हो सकता है। जंक फूड और फैटी फूड से परहेज करें, वजन नियंत्रित रखें, समय पर सोएं और उठें, नियमित रूप से व्यायाम करें और दिनचर्या को व्यवस्थित बनाएं। अगर किसी व्यक्ति को हाइपरटेंशन की समस्या है तो उन्हें कुछ आवश्यक जांच अवश्य करवानी चाहिये जैसे किडनी फंक्शन टेस्ट, कोलेस्ट्रोल जांच, ईसीजी, ईको और यूरिन आदि की जांच। इन जांचों को अनावश्यक खर्च मानने की धारणा से बचना चाहिये क्योंकि इनका उद्देश्य सिर्फ दवा देना नहीं बल्कि यह जानना भी होता है कि ब्लडप्रेशर का कारण क्या है। कहीं इसका असर किसी अंग जैसे दिल, किड्नी आदि पर तो नहीं पड़ा है। इन बुनियादी जांचों को कराने से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है या उन्हें टाला जा सकता है।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

इटरनल	1.38 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	1.10 प्रतिशत
एशियन पेंट	0.98 प्रतिशत
आईटीसी	0.73 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.52 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

भारती एयरटेल	2.81 प्रतिशत
एचसीएल टेक	2.14 प्रतिशत
एसबीआई	1.96 प्रतिशत
इंफोसिस	1.46 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	0.79 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	95,130
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	97,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.49	89.57
पौड स्टर्लिंग	103.06	119.50
यूरो	87.85	101.89
चीन युआन	8.26	13.4

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5850-5950
दाल चना	6850-6950
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	9000-9100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	8500-8600

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

2030 तक भारत-ब्रिटेन द्विपक्षीय व्यापार में सालाना 15 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान

■ **ब्रिटेन व भारत ने लगभग तीन वर्षों की बातचीत के बाद किया मुक्त व्यापार समझौता**

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 2030 तक सालाना करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) एक साल में लागू हो जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय कंपनियों को ब्रिटेन के बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास में योगदान देने का रणनीतिक अवसर प्रदान करता है।

केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर डी नवीन कुमार ने कहा कि यह ऐतिहासिक एफटीए निवेश, संयुक्त उद्यम और सेवा क्षेत्र में सहयोग को भी बढ़ावा देता है, जिससे आर्थिक संबंध मजबूत होते हैं। यह समझौता भारत-ब्रिटेन आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, व्यवसाय के लिए नए अवसर खोलता है, विनिर्माण को मजबूत करता है और उपभोक्ता बाजारों को समृद्ध करता है।

वर्तमान में, ब्रिटेन और भारत के बीच व्यापार मूल्य भारत के कुल व्यापार मूल्य का लगभग 2 प्रतिशत है, हालांकि यह पिछले दशक में 11 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से लगातार बढ़ रहा है। ब्रिटेन और भारत ने लगभग तीन वर्षों की बातचीत के बाद 6 मई को एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया। समझौते के तहत, भारत 10 वर्षों की अवधि में 90 प्रतिशत ब्रिटिश वस्तुओं पर टैरिफ कम करेगा, जिसमें से 85 प्रतिशत पूरी तरह से शुल्क मुक्त हो जाएंगे।

बदले में, ब्रिटेन ने कुछ उत्पादों पर अपने टैरिफ को कम करने पर सहमति व्यक्त की है, जिसके परिणामस्वरूप भारत के यूके को निर्यात किए जाने वाले 99 प्रतिशत निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

विद्युत उपकरणों की सुरक्षा पर दें ध्यान : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में उपभोक्ताओं के लिए विद्युत उपकरणों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के प्रमुख हितधारकों के साथ एक सार्थक बातचीत हुई। इस बातचीत में उपभोक्ताओं के हित में विद्युत उपकरणों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए हॉरिजॉन्टल क्वालिटी कंट्रोल्स ऑर्डर्स (क्यूसीओ) के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोट में कहा कि इसके अलावा, उद्योग के विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के अवसरों की खोज को लेकर चर्चा की गई। हॉरिजॉन्टल क्वालिटी कंट्रोल्स ऑर्डर्स (क्यूसीओ) सरकारी नियम हैं, जो विशिष्ट उत्पादों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणन को अनिवार्य बनाते हैं। इनका उद्देश्य घटिया आयात को रोककर और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देकर गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। क्यूसीओ के अंतर्गत आने वाले उत्पादों के उत्पादन, बिक्री, व्यापार, आयात या स्टॉक किए जाने के लिए बीआईएस मानक चिह्न होना चाहिए। क्यूसीओ का उद्देश्य उपभोक्ताओं की सुरक्षा करना, निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना और घटिया आयातों पर अंकुश लगाकर तथा गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करके घरेलू उद्योगों का समर्थन करना है। बीआईएस क्यूसीओ के अंतर्गत आने वाले उत्पादों के लिए प्रवर्तन और प्रमाणन प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है। अब तक, भारत सरकार के विभिन्न विनियामकों और मंत्रालयों द्वारा बीआईएस के अनिवार्य प्रमाणन के लिए 769 उत्पादों को कवर करने वाले कुल 187 गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को अधिसूचित किया गया है।

बीते एक दशक में देश के कोने-कोने में पहुंची पीएनजी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। बीते एक दशक में देश में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) को बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने काफी सारे प्रयास किए हैं, जिसके कारण वर्तमान में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क 100 प्रतिशत जनसंख्या को कवर कर रहा है और इंडस्ट्रियल पीएनजी कनेक्शन एवं कमर्शियल पीएनजी कनेक्शन की संख्या में रिकॉर्ड बढ़त हुई है।

सरकार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, देश में बीते दशक में घरेलू पीएनजी कनेक्शन की संख्या बढ़कर 1.47 करोड़ हो गई है। साथ ही कमर्शियल पीएनजी कनेक्शन की संख्या 164 प्रतिशत बढ़कर 45,000 और इंडस्ट्रियल पीएनजी कनेक्शन की संख्या 308 प्रतिशत बढ़कर 20,000 से अधिक हो गई है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि सरकार देश में लोगों को सस्ती गैस उपलब्ध कराने के लिए तेजी से काम कर रही है। केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री, हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए

■ **इंडस्ट्रियल कनेक्शन में हुआ 300 प्रतिशत से अधिक का इजाफा**

लिखा कि पीएनजी न सिर्फ देश के लगभग 1.47 करोड़ घरेलू कनेक्शन के माध्यम से ग्राहकों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही है बल्कि लगभग 45,000 व्यावसायिक केंद्रों व 20,000 से अधिक उद्योगों को भी ऊर्जा दे रही है। उन्होंने आगे लिखा कि बीते एक दशक में कमर्शियल पीएनजी कनेक्शन में 164 प्रतिशत और इंडस्ट्रियल पीएनजी कनेक्शन में 308 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। पुरी ने आगे लिखा कि पीएनजी पर्यावरण हितैषी भी है और सस्ती भी। यह विभिन्न उद्योगों में ईंधन खर्च (उत्पादन लागत) कम कर उनकी आय बढ़ा रही है।

जेबी फार्मा ने भारत में हाइपरटेंशन के मरीजों के लिए सबसे ज्यादा माइक्रोएल्बुमिन्युरिया टेस्ट करने का एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। जेबी फार्मा भारत में हाइपरटेंशन और किडनी की सेहत पर पड़ने वाले इसके प्रभाव के खिलाफ महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। 17 मई को मनाए जाने वाले आगामी 'वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे' के अवसर पर, कंपनी ने घोषणा की कि उसने एक सप्ताह में 17,202 माइक्रोएल्बुमिन्यूरिया टेस्ट करके एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जेबी की 'वन मिशन, नेफ्रो प्रोटेक्शन' अभियान का हिस्सा है, जो हाइपरटेंशन से पीड़ित मरीजों में किडनी की क्षति की शुरुआती पहचान के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

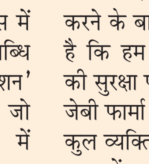

जेबी फार्मा के इंडिया बिजनेस के प्रेसिडेंट दिलीप सिंह राठौर ने कहा, 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से इतने कम समय में सबसे ज्यादा माइक्रोएल्बुमिन्यूरिया टेस्ट करने की मान्यता मिलना यह दिखाता है कि हम भारत में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बेहतर इलाज और देखभाल के लिए लंबे समय से प्रतिबद्ध हैं। पिछले 8 साल में 5 लाख से ज्यादा स्क्रीनिंग करने के बाद, यह नया रिकॉर्ड बताता है कि हम हाइपरटेंशन और किडनी की सुरक्षा पर कितना ध्यान दे रहे हैं।' जेबी फार्मा द्वारा पूरे भारत में जांचे गए कुल व्यक्तियों में से लगभग 18त्न को हाइपरटेंशन से ग्रस्त पाया गया। इन रोगियों में से लगभग 67 प्रतिशत (या दो-तिहाई) ने किडनी के संभावित नुकसान के शुरुआती लक्षण दिखाए।

अटल पेंशन योजना के सब्सक्राइबर्स में 48 प्रतिशत महिलाएं : सरकार

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। अटल पेंशन योजना के 7.65 करोड़ सब्सक्राइबर्स में से 48 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में यह जानकारी दी गई।

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को मई 2015 में लांच किया गया था। इसका उद्देश्य देश के असंगठित क्षेत्र के लोगों को पेंशन का एक अच्छा और विश्वसनीय विकल्प देना था, जिससे रिटायरमेंट के बाद वे अपनी जिंदगी आराम से व्यतीत कर सकें।

एपीवाई में पेंशन योजना में शामिल होने की आयु और अंशदान की राशि के आधार पर निर्भर करती है। इसका लक्ष्य मुख्य रूप से अनौपचारिक क्षेत्र के गरीब और वंचित श्रमिकों को लक्षित करना था और यह भारत में सबसे समावेशी और सुलभ सामाजिक सुरक्षा पहलों में से एक के रूप में उभरा है।

■ **मई 2015 में लांच किया गया था अटल पेंशन योजना**

समाज कल्याण विभाग ने कहा कि अप्रैल 2025 तक एपीवाई से 7.65 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर्स जुड़ गए हैं, जिससे कुल 45,974.67 करोड़ रुपए की राशि एकत्रित हुई है। सरकारी विभाग ने आगे कहा कि एपीवाई में महिलाओं की भागीदारी में तेजी से इजाफा हो रहा है। अब कुल सब्सक्राइबर्स में महिलाओं का शेयर 48 प्रतिशत हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में जुड़े नए सब्सक्राइबर्स में से 55 प्रतिशत से अधिक महिलाएं थीं। इसी अवधि के दौरान कुल नामांकन में भी मजबूत वृद्धि हुई है। एपीवाई योजना शुरू में 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध थी। अक्टूबर 2022 से आयकर का भुगतान करने वाले व्यक्ति इस योजना में शामिल होने के पात्र नहीं हैं।

सार संक्षेप

थॉमस कुक इंडिया ने यूरोपीय संघ में रखा कदम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा से जुड़ी व्यापक सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनी थॉमस कुक इंडिया (टीसीआई) लिमिटेड ने यूरोपीय संघ में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए साइप्रस की राजधानी निकोसिया में अपना पहला कार्यालय स्थापित किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया कि यह कदम उसकी वैश्विक विस्तार रणनीति के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य तेजी से बढ़ते व्यावसायिक यात्रा सेगमेंट का लाभ उठाना है। यह नया कार्यालय ट्रैवल सर्कल इंटरनेशनल (साइप्रस) लिमिटेड (टीसीआई यूरो) के अंतर्गत कार्य करेगा, जो थॉमस कुक इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनी यूरोप में काम कर रहे बहुराष्ट्रीय ग्राहकों के साथ-साथ भारत स्थित कॉरपोरेट ग्राहकों की व्यावसायिक यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। टीसीआई यूरो को इस प्रकार रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया है कि यह व्यावसायिक यात्रियों को विशेष स्थानीय मूल्य निर्धारण और इन्वेंट्री तक पहुंच प्रदान करता है, जो भारत में उपलब्ध नहीं है।

मदर्स रेसिपी ने लॉन्च किया समरवाला शरबत

नोएडा। पारंपरिक और स्वादिष्ट फ्लेवर के लिए जाना जाने वाला भारत का होमग्रोन एथनिक ब्रांड मदर्स रेसिपी गर्मियों की यादें ताज़ा करने वाला अपना नया प्रोडक्ट रेंज 'समरवाला शरबत' लेकर आया है। इस नई श्रृंखला के माध्यम से मदर्स रेसिपी ने गर्मियों के महीनों में घर का बना ठंडा शरबत पीने की परंपरा को फिर से जीवित किया है। खाने के ज़रिए भावनाएं और परंपरा संजोने के अपने मूल सिद्धांत पर चलते हुए, ब्रांड ने ऐसे आनंदभरे पल फिर से लाए हैं जो घर के बने शरबत को परिवार और मेहमानों के साथ बाँटने के ख़ुशी से जुड़े हुए हैं। भारत में शरबत बनाने की कला केवल गर्मियों की एक रस्म नहीं है, बल्कि यह पीढ़ियों से चली आ रही एक पसंदीदा परंपरा है। जब ग्लास में शरबत डाला जाता है, तो एक-एक बात की याद आ जाती है - अक्सर दादी की प्यार से संजोई हुई रेसिपी की, या किसी गर्म दोपहरी में मेहमानों को खास शरबत परोसने की ख़ुशी की। शरबत सिर्फ एक ठंडा पेय नहीं है, बल्कि यह दिल से दिया गया एक उपहार होता है।

लावा डेज़ में अग्नि-3 पर पाएँ सीधे 5,000 की छूट

नई दिल्ली। भारत में स्मार्टफोन का निर्माण करने वाली प्रमुख स्वदेशी कंपनी, लावा इंटरनेशनल लिमिटेड ने अपने दमदार 5त्र स्मार्टफोन अग्नि-3 पर सीमित समय के लिए बेहद रोमांचक ऑफ़र की घोषणा की है, जो इस महीने लावा डेज़ के दौरान सिर्फ़ अमेज़न पर उपलब्ध है। ग्राहक अब देश के प्रमुख बैंकों के ऑफ़र के ज़रिये सीधे 5,000 की छूट का लाभ उठा सकते हैं, जिससे मिड-प्रीमियम 5 प्रतिशत स्मार्टफोन सेगमेंट में अग्नि-3 और भी अधिक आकर्षक विकल्प बन गया है।

चौदह दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से गिरा बाजार

■ **सेंसेक्स 200.15 अंक का गोता लगाकर 82,330.59 पर रहा**

■ **निफ्टी 42.30 अंक टूटकर 25019.80 पर बंद**

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। एशियाई बाजारों की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, एसबीआई और इंफोसिस समेत चौदह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार पिछले लगातार दो दिनों की तेजी के बाद आज गिरकर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 200.15 अंक का गोता लगाकर 82,330.59 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 42.30 अंक टूटकर 25019.80 अंक पर आ गया। हालांकि बीएसई की दिगगज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.85 प्रतिशत उछलकर 45,005.84 अंक और स्मॉलकैप 1.18 प्रतिशत की छलांग लगाकर 51,045.74 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4126 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2607 में लिवाली जबकि 1380 में बिकवाली हुई वहीं 139 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई की कुल 2971 कंपनियों में से 1969 में तेजी जबकि 911 में गिरावट रही वहीं 91 में टिकाव रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट देखी गई, जिसका मुख्य कारण भारती एयरटेल, एसबीआई और आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के शेयरों में कमजोरी रहा। इन शेयरों में बिकवाली से बाजार पर दबाव बना।

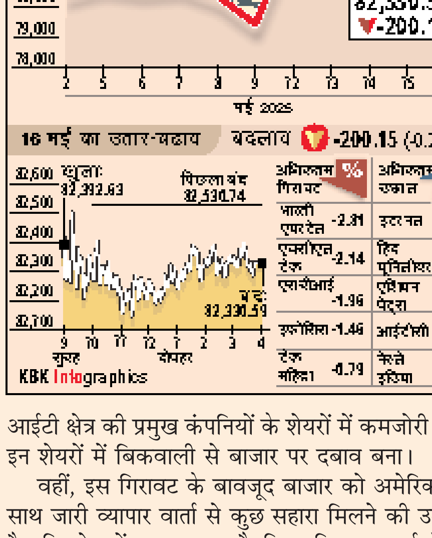

वहीं, इस गिरावट के बावजूद बाजार को अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता से कुछ सहारा मिलने की उम्मीद है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि इन वार्ताओं से सकारात्मक नतीजे निकलते हैं तो यह भू-राजनीतिक तनाव में हालिया नरमी के साथ मिलकर बाजार की लंबी अवधि की तेजी को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

बीएसई के सात समूहों में गिरावट जबकि अन्य में बढ़त रही। इस दौरान हेल्थकेयर 0.29, आईटी 0.71, दूरसंचार 0.03, बैंकिंग 0.15, धातु 0.20, टेक 1.29 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.88 प्रतिशत लुढ़क गए। वहीं, सीडी 0.87, ऊर्जा 0.50, एफएमसीजी 0.62, इंडस्ट्रियल्स 1.80, यूटिलिटीज 1.44, ऑटो 0.63, कैपिटल गुड्स 1.63, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.62, पावर 1.37, रियल्टी 1.72 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.70 प्रतिशत चढ़ गए। वैश्विक स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.63 और जर्मनी का डैक्स 0.80 प्रतिशत मजबूत रहा। वहीं, हांगकांग का हैंगसेंग 0.46, चीन का शंघाई कंपोजिट 0.40 प्रतिशत और जापान का निक्केई गिर गया।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में भारती एयरटेल 2.81, एचसीएल टेक 2.14, एसबीआई 1.96, इंफोसिस 1.46, टेक महिंद्रा 0.79, टीसीएस 0.50, बजाज फिनसर्व 0.42, सन फार्मा 0.38, एलटी 0.34, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.31, बजाज फाइनेंस 0.22, टाइटन 0.16 और एचडीएफसी बैंक 0.01 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, इटरनल 1.38, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.10, एशियन पेंट 0.98, आईटीसी 0.73, नेस्ले इंडिया 0.52, टाटा मोटर्स 0.36, एनटीपीसी 0.35, इंडसइंड बैंक 0.26, पावरग्रिड 0.23, आईसीआईसीआई बैंक 0.19, रिलायंस 0.19, मारुति 0.13, कोटक बैंक 0.08, टाटा स्टील 0.06, एक्सिस बैंक 0.06, अदानी पोर्ट्स 0.01 और अल्ट्रासिम्को के शेयरों ने 0.01 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान का देश से बाहर पहला परिसर दुबई में खुला

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले स्वायत्त शैक्षणिक निकाय, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने भारत से बाहर अपना पहला परिसर संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में शुरू किया है।

मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि यह संस्थान की वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार शिक्षा में भारत की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। संस्थान का दुबई परिसर शिक्षा मंत्रालय से अनुमोदन और विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के साथ संभव हुआ है। मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय उच्च शिक्षा के वैश्वीकरण में एक गौरवपूर्ण क्षण है और नयी शिक्षा नीति के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

पीयूष गोयल ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आईआईएफटी को बधाई दी और कहा कि यह वास्तव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना को दर्शाता है और भारतीय शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण में एक नये अध्याय का आरंभ है। यह भारत-यूएई साझेदारी को मजबूत करने का भी प्रमाण है और यह नया परिसर कल के व्यापारिक नेताओं को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि यह आईआईएफटी के 62 वर्षों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह भारत के एक ऐसे देश के रूप में उभरने का प्रतिनिधित्व करता है जो विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करता है।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की जारी गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेंत सभी जिसों में टिकाव रहा।

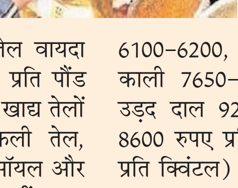

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 35 रिंगिट गिरकर 3837 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.16 सेंट गिरावट लेकर 48.16 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 6100-6200, दाल चना 7100-7200, मसूर काली 7650-7750, मूंग दाल 9850-9950, उड़द दाल 9250-9350, अरहर दाल 8500-8600 रुपए प्रति क्विंटल रहे। **अनाज :** (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपए और चावल 3550-3650 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4500-4600, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4400-4500 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

भारतीय कारोबारियों ने तुर्की व अजरबैजान का किया बहिष्कार

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। खुदरा कारोबारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से आए 125 से अधिक प्रमुख कारोबारी लीडरों ने तुर्की और अजरबैजान के साथ सभी तरह के व्यापारिक और व्यावसायिक संबंधों को पूरी तरह से खत्म करने का निर्णय लिया।

कैट के शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यापारियों ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि अब भारत का व्यापारी समुदाय तुर्की और अजरबैजान के साथ सभी तरह के व्यापारिक और व्यावसायिक संबंधों को पूरी तरह से खत्म करेगा। इसमें यात्रा, पर्यटन और फिल्मों की शूटिंग भी शामिल है।

कारोबारी लीडरों ने भारतीय फिल्म उद्योग से अपील की है कि वे इन देशों में शूटिंग न करें और यदि कोई फिल्म वहां शूट होती है तो उसका बहिष्कार किया जाएगा। इसी तरह किसी भी कॉरपोरेट हाउस को भी इन देशों में अपने विज्ञापन या प्रचार की शूटिंग करने से रोका जाएगा। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि हाल ही में तुर्की और अजरबैजान ने पाकिस्तान के पक्ष में खुलेआम समर्थन जताया। वहीं, इस समय भारत एक संवेदनशील सुरक्षा संकट से गुजर रहा है। व्यापारियों का मानना है कि यह भारत की दोस्ती और मदद का अपमान है, खासकर तब जब भारत ने इन देशों को संकट के समय मानवीय और कूटनीतिक सहयोग दिया था। कैट के महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सम्मेलन में कहा कि तुर्की और अजरबैजान ने भारत की मदद लेकर अब पाकिस्तान जैसे आतंकवाद समर्थक देश का साथ दिया है। यह भारत की संप्रभुता और जनता की भावनाओं का अपमान है। वहीं, कैट के अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने दोनों देशों की नीतियों को 'भारत विरोधी' और 'अकृतज्ञ' बताया।

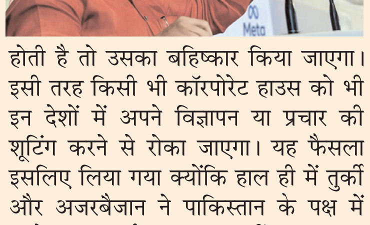

■ **व्यापारिक बहिष्कार में यात्रा, पर्यटन व फिल्मों की शूटिंग भी शामिल**

सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि तुर्की और अज़रबैजान के उत्पादों का देशव्यापी बहिष्कार किया जाएगा। इन देशों के साथ सभी व्यावसायिक साझेदारियों को समाप्त किया जाएगा। इन देशों के लिए पर्यटन और व्यवसायिक यात्रा योजनाओं का प्रचार बंद होगा।

खेल जगत

विल जैक्स भारत लौटे

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के फिर से शुरू होने से पहले मुंबई इंडियंस को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला, जब इंग्लैंड के विल जैक्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की, जिसमें उन्हें भारत वापस जाने के लिए उड़ान भरते हुए दिखाया गया। इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में, जैक्स ने एक विशेष पोस्ट शेयर की, जिसमें उनका बोर्डिंग पास, भारतीय तिरंगे का इमोजी और बैक एरो दिखाया गया। एमआई के अभियान में लगातार उपस्थिति रखने वाले जैक्स ने उनके पहले 12 मैचों में से 11 में भाग लिया, नौ पारियों में 195 रन बनाए और अपनी ऑफ-स्पिन के जरिए पांच विकेट लिए। उनका प्रभाव उल्लेखनीय रहा है, उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ महत्वपूर्ण घरेलू जीत में प्लेयर-ऑफ-द-मैच का सम्मान अर्जित किया, जिससे टीम में एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के रूप में उनकी अहमियत का पता चलता है।

आरसीबी की नजर प्लेऑफ पर, केकेआर के लिए होगी आर पार की जंग

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ सभी निगाहें टेस्ट को अलविदा कहने वाले विराट पर रहेंगी

■ केकेआर के पास आरसीबी से हिसाब चुकाने का मौका

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच शनिवार को बेंगलुरू के चिन्नास्वामी मैदान पर पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ भारत के सरहद पर ऑपरेशन 'सिंदूर' के चलते 2025 आईपीएल के बीते हफ्ते स्थगित किए जाने के बाद फिर से शुरू हो जाएगी। मैदान पर आने वाले हर क्रिकेट प्रेमी की निगाहें हाल ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सभी को चौंकाने वाले भारत के इस फॉर्मेट के सबसे बेहतरीन क्रिकेटरों में से एक आरसीबी के विराट कोहली पर रहेंगी। जब आरसीबी और केकेआर की टीमें बृहस्पतिवार को नेटस सेशन के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आई तो क्रिकेट प्रेमियों के साथ उनके टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए लंबे समय तक साथी रहे केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे और उपकप्तान वेंकटेश अय्यर सहित हर कोई विराट कोहली की एक झलक पाने को बेताब दिखा। विराट कोहली एकदम सहज होकर जिस तरह नेटस पर अभ्यास करते दिखे उससे एक बात तो साफ है कि वह अपनी आरसीबी को उसके अब तक आईपीएल खिताब न जीत पाने के अधूरे सपने को 2025 में पूरा करने को बेताब हैं। आरसीबी के शीर्ष पर चल रही गुजरात टाइटंस की तरह 11 मैचों में समान रूप से आठ जीत के साथ 16 अंक हैं लेकिन अपनी कमतर नेट रन रेट के चलते अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। आरसीबी अब शनिवार को केकेआर के खिलाफ रिटर्न मैच में भी जीत के साथ प्ले ऑफ में स्थान पक्का करना उतरेगी। आरसीबी 16 अंकों के साथ भी शीर्ष चार में जगह बना सकती है । आरसीबी यदि अपने केकेआर के मैच सहित एसआरएच और एलएसीजी के मैचों में दो भी जीतती है तो भी उसका शीर्ष दो में स्थान पक्का नहीं क्योंकि गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स 20 या इससे ज्यादा अंकों पर लीग का समापन कर सकती है।

पाटीदार फिर से बल्लेबाजी करने के बाद अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं : बोबट

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबट ने कहा कि कप्तान रजत पाटीदार उंगली की चोट से उबरने के बाद अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने फिर से बल्लेबाजी शुरू कर दी है, जबकि जोश हेजलवुड के लिए उनकी उम्मीदें बनी हुई हैं, जो कंधे की चोट से उबरने के लिए दिन-प्रतिदिन बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। आरसीबी 11 मैचों में आठ जीत हासिल करने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ में प्रवेश करने के लिए तैयार है, और अंतिम चार चरण में अपनी जगह पक्की करने के लिए उसे बस एक और जीत की जरूरत है। आरसीबी शनिवार को अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ आईपीएल 2025 अभियान फिर से शुरू करेगी। रजत का खेल अच्छा चल रहा है। उसके हाथ में चोट लगी थी, लेकिन वह धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। उसके लिए व्यक्तिगत रूप से, शायद व्यवधान ने उसे कुछ और दिन दिए ताकि वह शुरुआती उपचार से गुजर सके, और सूजन कम हो सके, और उसे फिर से बल्लेबाजी करने की आदत हो सके।

विराट ने कहा कि तुमने कप्तानी को अर्जित किया है और इससे मैं शांत हो गया : पाटीदार

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने उस अवास्तविक पल को याद किया जब विराट कोहली ने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले फ्रेंचाइजी की कप्तानी सौंपी और कहा कि उन्हें नहीं पता था कि इस स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया करनी है, फिर कोहली ने उन्हें शांत करते हुए कहा कि तुम इसके लायक हो, तुमने इसे अर्जित किया है। आरसीबी पॉडकास्ट पर बोलते हुए, 31 वर्षीय पाटीदार ने आरसीबी प्रबंधन से पूर्व आश्वासन के बावजूद 2022 आईपीएल मेगा नीलामी में खारिज होने से लेकर एक ऐसी फ्रेंचाइजी के लीडर बनने तक की अपनी यात्रा पर विचार किया, जो अभी भी अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है। 2022 में, पाटीदार को चुपचाप विश्वास था कि उन्हें मेगा नीलामी में चुना जाएगा। पाटीदार ने आरसीबी पॉडकास्ट पर कहा कि मुझे एक संदेश मिला था कि आप तैयार रहें... कि हम आपको चुनेंगे।

स्टार्क आईपीएल 2025 के बाकी मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स से नहीं जुड़ेंगे

चोटिल मयंक यादव फिर बाहर, लखनऊ सुपर जायंटस ने विल रुक को जोड़ा

■ मिचेल स्टार्क दिल्ली कैपिटल्स के लिए 11 मैचों में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स का मैच आतंकवाद के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर के चलते धर्मशाला में अधूरा समाप्त घोषित किए जाने के साथ 2025 आईपीएल के स्थगित होने पर स्वदेश लौट गए थे। अब स्टार्क ने दिल्ली कैपिटल्स को सूचित किया है कि वह अब शनिवार से आईपीएल के आगे शुरू होने पर बाकी लीग मैचों खेलने के लिए भारत नहीं आएंगे। स्टार्क अपने साथी आरसीबी के लिए खेलने वाले जोश हेजलवुड (10 मैच 18,विकेट) की तरह अपनी फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के लिए 11 मैचों में सबसे ज्यादा 14 विकेट चटकाने वाले गेंदबाज हैं। वहीं ट्रस्टन स्टब्ज केवल लीग बाकी लीग मैचों के लिए दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगे और 27 मई को वापस दक्षिण अफ्रीका लौट जाएंगे। स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की और स्टब्ज दक्षिण अफ्रीका की 11 जून को लॉर्डस में खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अपने अपने देश की टीमों में चुन गए हैं।

साथ ही दक्षिण अफ्रीका के फाफ डू प्लेसी के भी दिल्ली कैपिटल्स टीम से वापस जुड़ने को लेकर कोई खबर नहीं है।ऑस्ट्रेलिया के कप्तान तेज गेंदबाज पैट कमिंस और ट्रेविज हेड अब प्ले ऑफ की होड़ से बाहर हो चुकी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल के बाकी लीग मैच खेलने भारत वापस आएंगे जबकि पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले जोस इंग्लिश ने अभी वापस आने की बाबत तय नहीं किया जबकि मिचेल मार्श अब लगभग बाहर हो चुकी लखनउ सुपर जायंटस के लिए आईपीएल के बाकी मैच खेलने जरूर उससे जुड़ेंगे। लखनउ सुपर जायंटस के भारत के तेज गेंदबाज मयंक यादव पीठ में एक और चोट के चलते अब बाकी आईपीएल से एक बार फिर हो गए हैं। मयंक ने लखनउ सुपर जायंटस के लिए मौजूदा सीजन में मात्र दो मैच मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले और इसके बाद आईपीएल सरहद पर भारत - पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते स्थगित कर दी गई। मयंक की जगह बाकी आईपीएल के लखनउ सुपर जायंटस ने न्यूजीलैंड के विल ओ रुक को अपनी टीम से तीन करोड़ रुपये में जोड़ा है। वहीं पंजाब किंग्स ने चोट के चलते चार मैच खेल पांच विकेट ले बाहर होने वाले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्गुसन की जगह उन्हीं के देश के काइल जेमीसन को दो करोड़ रुपये में टीम से जोड़ा है।

फडणवीस ने किया वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा स्टैंड का उद्घाटन

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के नाम वाले स्टैंड का उद्घाटन किया। हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा के नाम पर वानखेड़े स्टेडियम के दिवेचा पवेलियन लेवल-3 का नाम अब रोहित शर्मा स्टैंड रखा गया है। इस नामकरण के तहत रोहित शर्मा के शानदार क्रिकेट करियर को सम्मानित किया गया है। समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार और अन्य गणमान्य

व्यक्ति में मौजूद थे। इस अवसर पर रोहित परिवार के साथ वहां मौजूद थे। भावुक रोहित शर्मा ने कहा की यह एक अविश्वसनीय पल है उन्होंने इस बारे में कभी अपने सपने में भी नहीं सोचा था। इतने सारे लोगों के सामने इस बड़े सम्मान को पाना सुखद है। इस के साथ रोहित शर्मा अब क्रिकेट के उन दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिनके नाम पर वानखेड़े स्टेडियम में स्टैंड बने हैं। इन खिलाड़ियों में सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विजय मर्चेंट शामिल हैं।

बुमराह को आराम की जरूरत होगी तो गिल हो सकते हैं टेस्ट कप्तान : जाफर

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारत के नए टेस्ट कप्तान के रूप में किसे नियुक्त किया जाना चाहिए, इस पर बहस के बीच, पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा कि जब भी जसप्रीत बुमराह को आराम की जरूरत होगी, शुभमन गिल को इंग्लैंड के आगामी दौरे पर टेस्ट टीम का नेतृत्व करना चाहिए।

रोहित शर्मा ने इस महीने की शुरुआत में टेस्ट से संन्यास की घोषणा की, गिल को 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला में नई-नवेली भारतीय टेस्ट टीम का नेतृत्व करने के लिए सबसे आगे देखा जा रहा है। भारत ने 2007 के दौरे के बाद इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है, जहां उन्होंने राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में 1-0 से जीत हासिल की थी। भारत के लिए 31 टेस्ट मैच खेलने वाले जाफर ने शुक्रवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, मुझे लगता है कि बुमराह कप्तानी के लिए एकदम सही विकल्प हैं, जब तक कि वह जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते। उन्हें कप्तान होना चाहिए और गिल को उप कप्तान बनाया जाना चाहिए - जब भी बुमराह को आराम की जरूरत हो, तो उन्हें जिम्मेदारी

लेनी चाहिए। इस तरह गिल को पूर्णकालिक कप्तान होने के दबाव के बिना तैयार किया जा सकता है। गिल के अलावा, जो वर्तमान में आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के कप्तान हैं और बुमराह, केएल राहुल और ऋषभ पंत भी भारत के अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में हैं। बुमराह ने तीन टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी की है और पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में पर्थ टेस्ट जीतने के समय भी वह कप्तान थे। लेकिन उनकी फिटनेस समस्याओं का मतलब है कि बुमराह का इंग्लैंड दौरे पर सभी पांच टेस्ट खेलना अभी भी तय नहीं है।सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम टेस्ट के दौरान बुमराह को पीठ में चोट लग गई थी और उन्होंने दूसरी पारी में बिल्कुल भी गेंदबाजी नहीं की थी।

अगर मैं कोच होता तो रोहित सिडनी टेस्ट खेलता : शास्त्री

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि वह सुनिश्चित करते कि रोहित शर्मा, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है, इस साल की शुरुआत में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के लिए मैदान पर उतरे। पिछले हफ्ते, रोहित ने 67 मैचों में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाकर अपना टेस्ट क्रिकेट समाप्त किया, जिसमें 12 शतक और 212 का करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। 2022 से भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में, रोहित ने 24 टेस्ट में टीम का नेतृत्व किया और 12 मौकों पर जीत हासिल की, जिसमें 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उपविजेता बनना भी शामिल है। लेकिन पिछले साल सितंबर से खराब फॉर्म का मतलब था कि रोहित का टेस्ट करियर मुश्किल स्थिति में था। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में रोहित केवल एक बार 50 रन का आंकड़ा पार कर पाए, जबकि उनका औसत केवल 10.93 रहा।अपने बेटे के जन्म के कारण पर्थ में पहला टेस्ट मिस करने के बाद, रोहित अगले तीन टेस्ट में खेलने के लिए वापस आए, लेकिन केवल 31 रन बनाए।

सार संक्षेप

पूवन्ना की नजर भारत के लिए सीनियर पदार्पण करने पर

बेंगलुरु। 2023 में भारतीय जूनियर टीम के साथ कुछ समय बिताने के बाद, पूवन्ना चंदुरा बॉबी अब एफआईएच हॉकी प्रो लीग लेग के यूरोपीय चरण से पहले सीनियर कोर ग्रुप के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं। 22 वर्षीय पूवन्ना वर्तमान में बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में वरिष्ठ राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा हैं और उन्होंने 40 सदस्यीय कोर ग्रुप में जगह बनाई है। जूनियर टीम के साथ, पूवन्ना ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने क्रमशः 2022 और 2023 सुल्तान ऑफ जौहर कप में स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। वह 2023 में पुरुषों की जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे और अगस्त 2024 में सीनियर राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए। शिविर में प्रशिक्षण के अपने अनुभव के बारे में पूवन्ना ने कहा कि मैंने 2023 में जूनियर टीम के लिए खेला है और अब सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण ले रहा हूं, मुझे उनके और हमारे बीच बहुत अंतर दिखाई देता है। उस स्तर तक पहुंचने के लिए हमें बहुत मेहनत करनी होगी।

पाओलिनी और गॉफ के बीच होगी इटैलियन ओपन में खिताबी भिड़ंत

रोम। इटली की स्टार टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी और अमेरिका की कोको गॉफ शनिवार को इटैलियन ओपन में महिला एकल के फाइनल में भिड़ेंगी। पाओलिनी ने गुरुवार को महिला एकल में पीटन स्टर्न्स के खिलाफ 7-5, 6-1 की जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। वह इस जीत के साथ ही 2014 के बाद इस टूर्नामेंट के एकल के फाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली महिला बन गई हैं। दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी पाओलिनी को शुरुआती दौर में संघर्ष करना पड़ा और ओपनर में 5-3 से पिछड़ने पर उन्हें सेट प्वाइंट का सामना करना पड़ा, लेकिन गॉफ सर्विस नहीं बचा पाईं। पाओलिनी ने घरेलु दर्शकों के बीच पहले सेट में बढ़त बनाकर आत्मविश्वास हासिल किया और दूसरे सेट में दबदबा बनाया। पाओलिनी ने गॉफ के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला जीत लिया।

बंगाल वारियर्स ने नवीन को टीम का मुख्य कोच किया नियुक्त

मुम्बई। बंगाल वॉरियर्स ने प्रो कबड्डी लीग के अगले सीजन के लिए नवीन कुमार को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले कबड्डी के दिग्गज खिलाड़ी नवीन कुमार का एथलीट और कोच दोनों का अच्छा खासा अनुभव है। फ्रैंचाइची का मानना है कि उनकी जानकारी, जीतने की मानसिकता और जूझारू क्षमता वॉरियर्स के लिए फायदेमंद होगी। बंगाल वॉरियर्स के नए कोच नवीन कुमार का खेल में शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। उन्होंने 10वें दक्षिण एशियाई खेलों (2006), 15वें एशियाई खेलों (2006), दूसरे विश्वकप (2007) और दूसरे इनडोर एशियाई खेलों (2007) सहित कई टूर्नामेंटों में स्वर्ण पदक जीते हैं।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 31 मई और 1 जून को

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। मशाल स्पोर्ट्स ने घोषणा की है कि प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 की के लिए खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन 31 मई और 1 जून 2025 को मुंबई में किया जाएगा। यह बहुप्रतीक्षित आयोजन पीकेएल सीजन 11 की रोमांचक समाप्ति के बाद हो रहा है, जहां हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब जीतने के लिए तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स को 29 दिसंबर 2024 को हुए फाइनल मुकाबले में हराया था। 2014 में शुरुआत के बाद से अब तक के 11 सीजनों में 8 अलग-अलग टीमों ने चैंपियनशिप जीती है। सीजन 11 जो कि 18 अक्टूबर से 29 दिसंबर 2024 तक खेला गया, एक अहम मोड़ था क्योंकि इसके साथ पीकेएल ने अपने दूसरे दशक में प्रवेश किया था और इससे यह बात और पुख्ता हुई कि पीकेएल भारत की प्रमुख खेल लीगों में से एक बन चुकी है, जिसने देश और दुनिया भर में कबड्डी के प्रति रुचि और विकास को निरंतर बनाए रखा है।सीजन 12 के लिए होने वाली खिलाड़ियों की यह नीलामी एक बार फिर टीमों की रणनीति, संकल्प और खिताब जीतने की महत्वाकांक्षा को दर्शाने का मंच बनेगी। यह आयोजन न केवल भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी में मौजूद वैश्विक प्रतिभा को दिखाने का मौका देगा, बल्कि आने वाले सीजन के लिए टीमों के गठन की नींव भी रखेगा। इस अवसर पर मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन, अनुपम गोस्वामी ने कहा कि हम पीकेएल सीजन 12 की प्लेयर नीलामी की तारीखों की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं।

हरियाणा ने कुश्ती में शीर्ष स्थान हासिल किया

पटना, 16 मई (एजेंसियां)। हरियाणा ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 बिहार में कुश्ती के मैदान पर अपना दबदबा कायम करते हुए लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में 21 पदक - आठ स्वर्ण, पांच रजत और आठ कांस्य - जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र चार स्वर्ण सहित 17 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दिल्ली के लड़के और राजस्थान की लड़कियां अपने-अपने वर्गों में शीर्ष तीन में रहीं। महाराष्ट्र ने अंतिम दिन जोरदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक सहित सात पदक जीते। आयुष्का पांडुरंग ने लड़कियों के 57 किग्रा वर्ग का खिताब जीता, उसके बाद सुजय नागनाथ तनपुरे ने लड़कों के 71 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में जीत हासिल की। दिल्ली और राजस्थान ने भी दो-दो स्वर्ण पदक जीते। दिल्ली की अक्षरा ने कर्नाटक की काव्या तुकाराम दानवेनावर को हराकर अंडर-17 लड़कियों के 53 किग्रा वर्ग का फाइनल जीता, जबकि प्रांजल दहिया ने महाराष्ट्र के रुशिकेश एकनाथ नाइक को हराकर लड़कों के 60 किग्रा ग्रीको-रोमन का खिताब जीता।

एफसी बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को हराकर अपना 28वां ला लीगा खिताब जीता

बार्सिलोना, 16 मई (एजेंसियां)। एफसी बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर 28वीं बार ला लीगा खिताब जीता है। ला लीगा का ताज अब स्पेनिश सुपर कप और कोपा डेल रे के साथ जुड़ सकता है। 2024-25 सीजन बार्सिलोना के लिए यादगार साबित हो रहा है। 28वीं बार ला लीगा खिताब जीतने से पहले टीम ने अपना 32वां कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप भी जीता था। बार्सिलोना ने अपने घर में शानदार प्रदर्शन किया। मैच के 53वें मिनट में लैमिन यामल ने एक शानदार गोल दागा इसके बाद इंजरी टाइम के आखिरी सेकंड में फर्मिन लोपेज ने दूसरा गोल कर टीम की मैच पर पकड़ मजबूत कर दी जो बाद में निर्णायक साबित हुई। लैमिन यामल का गोल बेहतरीन और दर्शनीय था, जब उन्होंने दूर कोने में एक

शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में भेजा था। एस्पेनयोल के डिफेंडर लुइस कैबरेरा को मैच खत्म होने से 10 मिनट पहले बाहर भेज दिया गया। वीएआर के अनुसार उनके हाथ से यामल के पेट में चोट लगने के कारण उन्हें सीधे रेड कार्ड दिया गया। एस्पेनयोल पर मिली इस जीत के बाद बार्सिलोना के 85 अंक हो गए हैं , जो उसके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से सात ज़्यादा हैं, और इस सीजन में खेलने के लिए उसके पास सिर्फ़ छह अंक बचे हैं।

शैफाली इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम में वापसी

क्रांति, सयाली, श्रीचारणी, शुचि उपाध्याय पहली बार भारत की महिला टी 20 टीम में

■ स्नेह व हरलीन भी लंबे समय भारत की टी 20 टीम में लौटी

नई दिल्ली, 16 मई (देशबन्धु)। हरियाणा की विस्फोटक ओपनर शैफाली वर्मा की बीते बरस आईसीसी महिला टी 20 क्रिकेट विश्व कप यानी करीब सात महीने बाद इंग्लैंड में उसके खिलाफ पांच टी 20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज खेलने वाली 15 सदस्यीय भारतीय टीम में वापसी जरूर हुई लेकिन वह उसके खिलाफ तीन वन डे मैचों की सीरीज के लिए टीम में अभी भी जगह नहीं बना पाई है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी 20 और तीन वन डे मैचों की सीरीज के लिए हरमनप्रीत कौर भारत की कप्तान और स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। साथ ऑफ स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा ने 2023 के महिला टी 20 विश्व कप के बाद पहली बार भारत की टी 20 क्रिकेट टीम में वापस जगह बनाई है। शैफाली वर्मा को बीते बरस न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वन डे सीरीज में भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया। शैफाली ने इसके बाद सीनियर महिला वन डे ट्राफी में सवा पांच सौ से ज्यादा और वन डे चैलेंजर ट्रॉफी में हरियाणा की कप्तानी करते हुए 400 से ज्यादा रन बनाए। साथ ही शैफाली ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में नौ पारियोंमें 304 रन बनाए।स्नेह राणा ने चोटिल श्रेयंका पाटील की जगह महिला प्रीमियर लीग में आरसीबी की टीम में जगह बना पांच मचों में छह विकेट चटका यूपी वारियर्ज के खिलाफ दीप्ति शर्मा के एक ओवर में 26 रन लेकर आरसीबी को करीब करीब प्ले ऑफ में पहुंचा दिया था।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी 20 महिला वन डे अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर(कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर),हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, एन.श्रीचारणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड, सयाली सतघरे।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन वन डे महिला अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर(कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन दयोल, जेमिमा रॉड्रिग्ज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यस्तिका भाटिया (विकेटकीपर),तेजल हसबनीज दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, एन.श्रीचारणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड, सयाली सतघरे।

आईपीएल के लीग मुकाबलों के लिए मुस्तफिजुर को मिली अनुमति

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। मुस्तफिजुर रहमान को 18 मई से 24 मई तक के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के दल के साथ जुड़ने की अनुमति मिल गई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार दोपहर को अपने एक बयान के जरिए इसकी जानकारी दी। बीसीबी से एनओसी मिलने के चलते मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति में मुस्तफिजुर डीसी के शेष तीन मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। हालांकि अगर डीसी प्लेऑफ में प्रवेश करती है तो मुस्तफिजुर उपलब्ध नहीं रह पाएंगे। बीसीबी ने बताया है कि भारत के लिए रवाना होने से पहले मुस्तफिजुर शनिवार को शारजाह में यूएई के खिलाफ पहले टी20 के लिए भी उपलब्ध रहेंगे। हालांकि 18 मई को भारत पहुंचने के बाद वह उसी शाम डीसी के मुकाबले के लिए उपलब्ध रह पाएंगे या नहीं यह देखना होगा। मुस्तफिजुर को इसी सप्ताह डीसी ने अपने अस्थाई रिप्लेसमेंट के तौर पर जोड़ा था लेकिन उनकी उपलब्धता पर संशय बना हुआ था क्योंकि बीसीबी ने कहा था कि मुस्तफिजुर ने बोर्ड से एनओसी के लिए संपर्क नहीं किया है। शुक्रवार सुबह को स्टार्क ने इस बात की पुष्टि की कि वह आईपीएल 2025 के शेष सीजन के लिए भारत नहीं लौटेंगे।